राष्ट्रीय संस्करण

वर्ष 10 अंक 5

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, मंगलवार, 16 जून, 2026

दैनिक जागरण

www.jagran.com

पृष्ठ 14

दोहा डायमंड लीग से सीजन में वापसी करेंगे नीरज चोपड़ा

>> 11

जागरण विशेष

सेवानिवृत्ति के बाद सेवा का नया अध्याय लिख रहे ये

रामपुरा फूल (बठिंडा): बठिंडा जिले के एक अस्पताल में पांच वरिष्ठ नागरिकों की प्रेरक टीम 2014 से लगातार नि:स्वार्थ भाव से मरीजों की कर रही है मदद। • पेज-7

संपादकीय

फ्रांस में नई करवट लेंगे भारत-अमेरिका संबंध: जी-7 के दौरान मोदी को

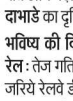

अमेरिका के समक्ष भारतीय नाविकों की मौत पर जवाबदेही की मांग के साथ ही व्यापार समझौते पर भी बात आगे बढ़ानी होगी। **डा. मनिष दाभाडे** का दृष्टिकोण।

भविष्य की दिशा में बढ़ती भारतीय रेल: तेज गति के साथ विद्युतीकरण के जरिये रेलवे डीजल पर निर्भरता घटाकर स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ा रहा है। **रमेश कुमार दुबे** का आलेख। • पेज-8

विमर्श

प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न: नीट परीक्षा को लेकर हाल के वर्षों में सामने आए विवादों ने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। **कैलाश बिश्नोई** का आलेख।

नए भारत के निर्माण की राह: तमाम सामाजिक चुनौतियों के बीच यदि कोई संस्था पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र निर्माण में निरंतर सक्रिय है तो उसका योगदान अतुलनीय है। **डा. सुकांशिका वत्स** का विश्लेषण। • पेज-9

अमेरिका-ईरान में समझौता, होर्मुज से निकलने लगे जहाज

ट्रंप बोले, दोनों देशों ने 107 दिन पुरानी जंग खत्म करने के लिए समझौते को दिया अंतिम रूप

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- समझौते पर अमेरिकी की ओर से ट्रंप व वेंस और ईरान की तरफ से गलीबाफ ने किए इलेक्ट्रानिक हस्ताक्षर
- शुक्रवार को जिनेवा में समझौते पर आमने-सामने होंगे हस्ताक्षर, ट्रंप के भी पहुंचने की उम्मीद
- साढ़े तीन महीने चले संघर्ष के बाद पहली बार कच्चे तेल की कीमत 83 डालर प्रति बैरल पर आई

पश्चिम एशिया में साढ़े तीन महीने से जारी तनाव और युद्ध के माहौल के बीच सोमवार को एक बड़ी कूटनीतिक सफलता सामने आई। अमेरिका और ईरान ने युद्ध समाप्त करने के लिए प्रस्तावित समझौता मसौदे (एमओयू) पर सहमति बना ली। युद्ध से प्रभावित लाखों लोगों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह समझौता उम्मीद की नई किरण लेकर आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई विश्व नेताओं ने समझौते का स्वागत किया। मोदी ने कहा कि इस समझ के क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति, स्थिरता और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, समझौते पर अमेरिका की तरफ से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरान की तरफ से संसद प्रमुख एमबी गलीबाफ ने इलेक्ट्रानिक हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के प्रतिनिधि 19 जून को जिनेवा में इस समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर करेंगे। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गलीबाफ हस्ताक्षर समारोह की अगुवाई कर सकते हैं। ट्रंप ने भी समारोह में शामिल होने की उम्मीद जताई है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर समझौते की घोषणा करते हुए कहा कि ईरान के साथ समझौता पूरा हो चुका है। शुक्रवार से दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की जीवनरेखा माने जाने वाले स्ट्रेट आफ होर्मुज को सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी भी समाप्त कर दी जाएगी। समझौते के बाद होर्मुज से समुद्री बारूदी सुरंगें हटाने का काम शुरू होगा। ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज से जहाजों का निकलना शुरू हो चुका है। साथ ही उन्होंने चेताया कि यदि ईरान ने अंतिम परमाणु समझौते को मानने से इन्कार किया तो वह फिर सैन्य हमला करेंगे और पश्चिम एशिया के संरक्षक बनकर यहां से होनेवाली कमाई का 20% हिस्सा वसूलेंगे।

हालांकि, ट्रंप के बयान के बाद अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्पष्ट किया कि शुक्रवार को समझौते पर हस्ताक्षर की औपचारिकता पूरी होने के बाद ही नाकेबंदी हटाने की प्रक्रिया शुरू होगी। वहीं सामुद्रिक गतिविधियों पर नजर रखनेवाली कंपनियों एआइएस, केप्लर और एलएसईजी ने कहा कि सोमवार को एकमात्र एलएनजी टैंकर होर्मुज में ओमान के समुद्री क्षेत्र की तरफ से निकला है।

इजरायल ने समझौता मानने से किया इन्कार पेज>>11

ओमान के मुसंदम से सोमवार को सूर्यास्त के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरते जहाज। रायटर

कतर फिर बना मध्यस्थता का मास्टर

रायटर के अनुसार, समझौते को अंतिम रूप देने में कतर ने अहम भूमिका निभाई। रविवार को कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने करीब 15 घंटे तक लगातार मध्यस्थता कर दोनों पक्षों को सहमति तक पहुंचाया।

वेंस को उम्मीद, होर्मुज से आवागमन निशुल्क होगा

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि होर्मुज लंबे समय तक बिना किसी शुल्क के जहाजों के लिए खुला रहेगा। सीएनबीसी को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर अंतिम फैसला आगे होने वाली तकनीकी वार्ताओं में होगा। वेंस ने यह भी कहा कि यदि ईरान परमाणु वार्ता में रियायत नहीं देता तो उसे प्रतिबंधों से राहत नहीं मिलेगी।

होर्मुज को लेकर कुछ मुद्दे अब भी बाकी हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि जलडमरूमध्य से जहाजों का आवागमन पहले की तरह निशुल्क होना चाहिए। वहीं, ईरान का कहना है कि वह टोल नहीं वसूलेगा, लेकिन सुरक्षा, समुद्री मार्गदर्शन और बारूदी सुरंगों से बचाव जैसी सेवाओं के लिए शुल्क लिया जा सकता है। ईरान ने दावा किया कि अमेरिका भी इस पर सहमत है।

शांति की उम्मीदों से झूमा शेयर बाजार, सेंसेक्स 736 अंक चढ़ा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

76,264.33
पर बंद हुआ बीएसई सूचकांक, रियल्टी में सबसे ज्यादा तेजी

231
अंकों की तेजी के साथ एनएसई निफ्टी भी 23,853.90 पर बंद हुआ

60
पैसे बढ़कर डालर के सापेक्ष 94.58 पर बंद हुआ रुपया

अमेरिका-ईरान के बीच समझौते ने सोमवार को वैश्विक बाजारों को गुलजार कर दिया। भारतीय बाजार भी इस माहौल में शामिल हुए। सेंसेक्स ने 736 अंकों की तेजी दर्ज की और निफ्टी 23,850 के स्तर के ऊपर बंद हुआ। रुपये ने भी मजबूती दिखाई और 60 पैसे की बढ़त के साथ 94.58 पर बंद हुआ। वैश्विक रुझान का असर कीमती धातुओं की कीमतों पर भी दिखाई दिया। राष्ट्रीय राजधानी में पीली धातु 2,500 रुपये बढ़कर 1,59,400 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी भी लगातार दूसरे सत्र में बढ़ी और 5,000 रुपये की वृद्धि के साथ 2,60,700 रुपये/किग्रा हो गई।

सोमवार को कारोबारी दिन की शुरुआत बहुत जोरदार रही। सेंसेक्स 1,293.12 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 76,821.07 के स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन बाद में यह तेजी बरकरार नहीं रख पाया है और 736.38 अंक बढ़कर 76,264.33 पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी अपने उच्चतम स्तर 24,011.40 तक पहुंचा गया था, लेकिन बाद में यह 231 अंकों की तेजी के साथ 23,853.90 पर बंद हुआ। सोमवार को घरेलू निवेशकों की भागीदारी व्यापक रही। रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा चार प्रतिशत तेजी देखी गई है। कैपिटल मार्केट, आटो, टूरिज्म और मेटल्स में दो प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त रही।

कच्चा तेल पांच प्रतिशत टूटकर 82 डालर प्रति बैरल पर आया : अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल करीब पांच प्रतिशत टूटकर 82 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया, जो दो महीनों का सबसे निचला स्तर है। तीन महीने से ज्यादा समय पहले जब पश्चिम एशिया में युद्ध की शुरुआत हुई थी, तब क्रूड 65 डालर के आसपास था। होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की संभावना से आपूर्ति व्यवधान की आशंका कम हुई है, जिससे भारत जैसे तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है।

प्रतीकात्मक

18.15 लाख करोड़ रुपये बढ़ी निवेशकों की संपत्ति

नई दिल्ली, प्रेट्र: शेयर बाजार में दो दिनों (शुक्रवार और सोमवार) की तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 18.15 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो दिनों में 18,15,339 करोड़ रुपये बढ़कर 4,70,49,119.48 करोड़ रुपये हो गया।

दैनिक जागरण सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का

योग का सरल सूत्र चित्त वृत्ति निरोध

आसक्ति ही यमदंड है

• पेज-13

फीफा वर्ल्ड कप

17 जून के मैच

फ्रांस vs सेनेगल
स्थान: न्यूयार्क 12:30 पीएम

इराक vs नार्वे
स्थान: फाक्सबोर्ग 3:30 एएम

अर्जेंटीना vs अल्जीरिया
स्थान: कंसास सिटी 6:30 एएम

आस्ट्रिया vs जार्डन
स्थान: सैन फ्रांसिस्को 9:30 एएम

प्रसारण: युनाइट8 1 व 2 स्पोर्ट्स, जी5

कोलकाता से दुनिया को योग से निरोग रहने का संदेश देंगे मोदी

नई दिल्ली: 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर होगा। यहां पीएम नरेन्द्र मोदी योगाभ्यास कर दुनिया को निरोग रहने का संदेश देंगे। वैसे इस बार की थीम 'योग फार हेल्दी एजिंग' है। (पेज-3)

तृणमूल के बागी सांसदों को भी कैबिनेट में मिल सकती है जगह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सुदीप बंधोपाध्याय और शर्मिला सरकार को कैबिनेट में जगह मिलना माना जा रहा तय

जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र से पहले नरेन्द्र मोदी कैबिनेट में बड़े बदलाव की संभावना प्रबल हो गई है। यह लगभग तय माना जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस से टूटकर एनसीपीआइ में शामिल हुए 20 सांसदों में से सुदीप बंधोपाध्याय और शर्मिला सरकार को कैबिनेट में जगह मिलेगी। वस्तुत: एनसीपीआइ अब राजग में भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा घटक दल होगा और इस लिहाज से उसे मंत्रिमंडल में उचित स्थान मिल सकता है। एनसीपीआइ में शामिल तृणमूल के बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से मान्यता देने का आग्रह किया है। इसके बाद एनसीपीआइ औपचारिक रूप से राजग में शामिल होने का प्रस्ताव भी देगी।

केंद्र में मोदी सरकार-3 को दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। अगले वर्ष उत्तर प्रदेश समेत कई अहम राज्यों में चुनाव हैं और भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम कभी भी घोषित हो सकती है। ऐसे में सूत्रों का मानना है कि प्रधानमंत्री बहुत जल्द कैबिनेट में बड़ा बदलाव करेंगे और उसी मंत्रिमंडल के साथ 2029 के आम चुनाव में उतरेंगे। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी बार-बार बदलाव नहीं करते। पिछली सरकार में भी लगभग मध्यावधि में ही 12 मंत्रियों को हटाया गया था, लगभग आधा दर्जन मंत्रियों को पदोन्नत किया गया था और लगभग ढाई दर्जन नए चेहरे शामिल किए गए थे। इस बार का संभावित फेरबदल भी बड़ा होगा।

गौरतलब है कि केंद्रीय कैबिनेट में कुल 81 मंत्री हो सकते हैं। फिलहाल प्रधानमंत्री सहित 72 मंत्री हैं। तीन-चार राज्यमंत्रियों को पहले ही प्रदेशों में लगाया जा चुका है। उन्हें फेरबदल में हटाया जाएगा। कुछ मंत्रियों के प्रदर्शन को लेकर पीएमओ संतुष्ट नहीं है, जबकि कुछ बदलाव उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिहाज से हो सकते हैं। विशेष नजर एनसीपीआइ पर होगी। बंगाल की भावी राजनीति के लिहाज से भी इस दल के साथ ज्यादा तालमेल होगा। राजग में 16 सांसदों वाले दूसरे सबसे बड़े घटक टीडीपी और 12 सांसदों वाले जदयू को दो-दो पद मिले हुए हैं।

(ममता दीदी को 'पटखनी' देने के लिए बुना गया चक्रव्यूह! पेज-4)

सुदीप बंधोपाध्याय।

शर्मिला सरकार।

नोएडा एयरपोर्ट से पहले विमान में 170 किसानों ने भरी उड़ान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एनसीआर को मिला कमर्शियल उड़ानों वाला तीसरा एयरपोर्ट
- पहले चरण में ढाई दर्जन शहरों को मिलेगी जेवर से कनेक्टिविटी

उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत हो गई। इंडिगो एयरलाइंस की लखनऊ से आई फ्लाइट 6ई 2278 की लैंडिंग के साथ पैसेंजर आपरेशन शुरू हो गया। इसी विमान ने एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाली 20 महिलाओं समेत 170 किसानों को लेकर लखनऊ के लिए उड़ान भरी और देश के एविएशन मानचित्र पर जेवर को स्थापित कर दिया।

यह एनसीआर का तीसरा कमर्शियल एयरपोर्ट है, जिससे कुल सक्रिय हवाई अड्डों की संख्या 165 हो गई है। केंद्र और उप्र सरकार संयुक्त तौर पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एनसीआर में उड्डयन संबंधी औद्योगिक विकास के लिए एक केंद्र के तौर पर स्थापित करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इस अवसर पर कहा कि दस वर्ष पहले जो असंभव लगता था, उसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हकीकत बना दिया गया है। यह एयरपोर्ट सिर्फ एक ट्रांजिट हब के तौर पर स्थापित नहीं होगा, बल्कि ऐरोट्रोपोलिस (एक ऐसा शहरी क्षेत्र जिसका पूरा ढांचा, अर्थव्यवस्था और व्यवसाय मुख्य रूप से एक एयरपोर्ट के चारों ओर केंद्रित होते हैं) के तौर पर अपने साथ कई दूसरे उद्योगों को बढ़ावा देना वाला साबित होगा। पहले चरण में यह एयरपोर्ट सालाना 1.2 करोड़ पैसेंजर को हैंडल कर सकेगा, जबकि पूर्ण विकास के बाद क्षमता सात करोड़ सालाना से अधिक हो जाएगी।

दिसंबर तक नोएडा से उपलब्ध होंगी 200 से ज्यादा उड़ानें पेज>>2

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने से पूर्व टिकट दिखाती महिला किसान। आइएएनएस

सीएम से मिले किसान

प्रेट्र के अनुसार, इंडिगो की उड़ान से लखनऊ पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर किसानों का स्वागत किया। किसानों ने इस ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि इस यात्रा से उनका हवाई यात्रा करने का सपना पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास में किसानों के योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए। नोएडा में राम मोहन नायडू ने भी किसानों और उनके परिवारों से बातचीत में उनके योगदान को रेखांकित किया।

भारत-स्लोवाकिया ने रिश्तों को दिया साझेदारी का दर्जा, हुए 11 समझौते

ब्रातिस्लावा: भारत-स्लोवाकिया ने सोमवार को रिश्तों को व्यापक साझेदारी का दर्जा देने का फैसला किया। पीएम मोदी व स्लोवाकिया के पीएम राबर्ट फिको के बीच वार्ता के बाद माइग्रेशन, डिजिटल टेक्नोलाजी, रक्षा समेत 11 समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों नेता भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने भी सहमत हुए। (पेज-3)

मप्र में चार वर्ष पुराने मामले में उन्मादी भीड़ की हिंसा में 14 को उम्रकैद

नर्मदापुरम: मप्र में नर्मदापुरम जिले के बराखड़ गांव में चार साल पूर्व हुई उन्मादी भीड़ की हिंसा मामले में 14 लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। सिवनी मालवा की अदालत ने शुक्रवार को सभी आरोपितों को हत्या का दोषी ठहराया। इन लोगों ने गोवंश तस्करी के संदेह में नाजिर अहमद को पीट-पीटकर मार डाला था। (पेज-5)

चढ़ावा चोरी जांच के लिए अयोध्या पहुंची एसआइटी की सघन पड़ताल

- रामलला के दर्शन कर टपदाधिकाारियों, सुरक्षा अधिकारियों व संदिग्ध कर्मियों से की बात
- आपराधिक जांच के साथ शासन को व्यवस्था में सुधार के सुझाव भी देगी एसआइटी : नृपेंद्र मिश्र

रामजन्मभूमि परिसर में प्रवेश करता विशेष जांच दल के सदस्यों का वाहन। जागरण

जागरण संवाददाता, अयोध्या

देशभर में सुर्खियों में छाए राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण में दस दिनों की लंबी उठापटक के बाद सोमवार से एसआइटी की जांच शुरू हो गई। राज्य सरकार की ओर से गठित एसआइटी के तीनों सदस्य सोमवार को अपराह्न रामजन्मभूमि परिसर में पहुंच गए। तीनों सदस्यों के साथ जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी व एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर भी पहुंचे।

परिसर में पहुंचते ही एसआइटी सदस्यों ने यात्री सुविधा केंद्र के सभागार में बैठक कर लंबी चर्चा की। इस दौरान दानपात्रों की धनराशि की गणना से जुड़े प्रत्येक बिंदुओं पर ट्रस्ट पदाधिकारियों व मंदिर से जुड़े लोगों के साथ चर्चा हुई। इसके बाद राम मंदिर व परिसर में रखे दानपात्रों को भी देखा गया और नकदी की गिनती व जमा कराने की प्रक्रिया से जुड़ी समस्त जानकारी ली गई। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने कहा है कि एसआइटी राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की आपराधिक जांच करने के साथ व्यवस्था में सुधार के सुझाव भी देगी।

अपराह्न दो बजकर 50 मिनट पर तीन गाड़ियों से पहुंचे एसआइटी के सदस्य विजय विश्वास पंत (कमिश्नर लखनऊ), आइजी (लखनऊ रेंज) किरण एस. और नीलरतन कुमार (विशेष सचिव, वित्त) अतिविशिष्ट प्रवेश द्वार से प्रवेश करते हुए सीधे यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) के सभागार में पहुंचे।

एसआइटी ने ट्रस्ट के सदस्यों से ली विस्तृत जानकारी पेज>>6

नया विवाद

ऐतिहासिक कांस्य मूर्ति 'डांसिंग गर्ल' एक नए विवाद के केंद्र में आई, इस ऐतिहासिक धरोहर के मूल स्वरूप को बदल दिया गया है, ऐसा बच्चों के लिए 'उम्र के अनुकूल' बनाने के नाम पर किए जाने की दलील, उठ रहे हैं सवाल

क्या मोहनजोदड़ो की 'डांसिंग गर्ल' को कपड़ों की जरूरत थी?

नई दिल्ली, प्रेट्र : सिंधु घाटी सभ्यता की पहचान बन चुकी मोहनजोदड़ो की ऐतिहासिक कांस्य मूर्ति 'डांसिंग गर्ल' (नर्तकी) इन दिनों एक नए विवाद के केंद्र में है। एनसीईआरटी की नौवीं कक्षा की नई आर्ट्स टेक्स्टबुक 'मधुरिमा' के पहले अध्याय में इस ऐतिहासिक धरोहर के मूल स्वरूप को बदल दिया गया है। मूर्ति के ऊपरी हिस्से (धड़) को कलात्मक छायांकन (शेडिंग) के जरिये इस तरह ढका गया है, जिससे उसकी वास्तविक शारीरिक बनावट छिप गई है। ऐसा इसे बच्चों के लिए 'उम्र के अनुकूल' बनाने के नाम पर किया गया है।

विक्टोरियन सोच बनाम भारतीय कला : दिलचस्प बात यह है कि छठवीं कक्षा की सोशल साइंस की किताब में यह मूर्ति अपने मूल स्वरूप में ही दिखाई गई है। छठवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक समिति के अध्यक्ष रहे मिशेल डैनिनो ने बताया कि उन्हें इस मूर्ति को 'अमर्यादित' या उम्र के लिहाज से अनुपयुक्त बताया गया था।

डैनिनो ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा, "नग्नता को अनुचित मानना एक पुरानी विक्टोरियन सोच है। एक तरफ हम भारतीय शिक्षा को 'डी-कालोनाइज' (उपनिवेशवाद से मुक्त) करने की बात करते हैं, और दूसरी तरफ ऐसी संकीर्ण सोच अपना रहे हैं।" शिक्षकों ने भी माना कि बच्चों को इसे समझाने में कभी कोई समस्या नहीं आई।

मोहनजोदड़ो की ऐतिहासिक कांस्य मूर्ति 'डांसिंग गर्ल' का एनसीईआरटी पुस्तक में प्रकाशित चित्र (बाएं)। इंटरनेट मीडिया

किताब में मूल तस्वीर करेगा बहाल एनसीईआरटी

भारी आलोचना का सामना करने के मद्देनजर एनसीईआरटी नौवीं कक्षा की किताब में मोहनजोदड़ो की ऐतिहासिक 'डांसिंग गर्ल' की मूर्ति की मूल तस्वीर को वापस बहाल करेगा। सिंधु घाटी सभ्यता की इस सबसे प्रसिद्ध पुरातात्विक कलाकृति के चित्रण में किए गए बदलाव पर विवाद बढ़ने के बाद यह फैसला लिया गया है।

इतिहास के साथ खिलवाड़ या 'फर्जी' कलाकृति?

डैनिनो ने इस बदलाव की तुलना मध्यकाल में माइकलएंजेलो की 'स्टैच्यू आफ डेविड' पर चर्च द्वारा पत्ता लगाने की घटना से की। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐतिहासिक कलाकृति को बदलना एक 'फर्जी कलाकृति' बनाने जैसा है, जो इतिहास की समझ की कमी को दर्शाता है। लगभग 2600 ईसा पूर्व की यह अनमोल मूर्ति ढोकरा कला का बेजोड़ नमूना है। इसी अध्याय में बच्चों से इस मूर्ति की मुद्रा की नकल करने को कहा गया है, लेकिन जब मूल रूप ही छिपा हो, तो बच्चे इतिहास को कैसे समझेंगे?

5 वर्ष से डीयू के नार्थ कैंपस में मेडिकल स्टोर बंद पड़ा है। फोरम आफ एकेडमिक्स फार सोशल जस्टिस (एफएएसजे) ने कुलगुरु प्रो. योगेश सिंह को पत्र लिखकर यह स्टोर खुलवाने की मांग की है। हेल्थ सेंटर से उपचार कराने वालों को दवा लेने के लिए कैंपस से बाहर जाना पड़ता है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार, 16 जून, 2026

आज का मौसम

गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवा चलने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
16 जून	38.0	27.0
17 जून	40.0	28.0
नोएडा		
16 जून	37.0	25.0
17 जून	39.0	26.0
गुरुग्राम		
16 जून	39.0	21.0
17 जून	40.0	23.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

14 अवैध निर्माण गिराए, 25 संपत्तियां की गईं सील

नई दिल्ली : एमसीडी ने अवैध निर्माण के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत सोमवार को 14 अवैध निर्माण गिराए जबकि 25 संपत्तियों को सील किया। रिपोर्ट के अनुसार 91 इमारतों को तोड़ने के आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही संयुक्त समिति द्वारा भी सोमवार को 29 नए निरीक्षण किए गए। इसमें 23 संपत्तियों को सीलिंग के आदेश जारी किए गए हैं। (जासं)

कुछ इलाकों में तेज आंधी और हल्की वर्षा

नई दिल्ली : मौसमी उतार चढ़ाव के बीच सोमवार को दोपहर के समय पालम में 93 किमी, पूसा में 78 किमी जबकि आयानगर में 65 प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली। कुछ इलाकों में हल्की वर्षा भी देखने को मिली। दोपहर ढाई से शाम साढ़े पांच बजे के बीच हुई इस हल्की वर्षा से नमी और बढ़ गई। स्काईमेट वेदर के मौसम विज्ञानी महेश पलावत ने बताया कि पंजाब, हरियाणा और आसपास के इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना था, जिसके कारण दिल्ली में वर्षा हुई। (राब्यू)

घर में आने वाला पानी दूषित तो मोबाइल पर मिलेगा अलर्ट

नई दिल्ली: राजधानी के कई क्षेत्रों में पानी की कमी के साथ ही दूषित पेयजल आपूर्ति की भी समस्या है। इसके समाधान के लिए एआइ आधारित आनलाइन निगरानी प्रणाली स्थापित करने की तैयारी है। इसका पायलट प्रोजेक्ट मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के गुलमोहर पार्क क्षेत्र में शुरू किया गया है। उपभोक्ताओं के मोबाइल पर टीडीएस और प्रदूषण के अन्य मानकों का अलर्ट भेजने की सुविधा होगी। (राब्यू)

पूजा सामग्रियों के यमुना में विसर्जन रोकने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

- पूरी दिल्ली में बनेंगे संग्रह केंद्र, नियमित रूप से चलेगा स्वच्छता अभियान
- मां यमुना तट स्वच्छता अभियान में 116 टन कचरा एकत्र कर किया निस्तारण

यमुना को साफ करने के लिए सरकारी प्रयास के साथ ही आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उनके सहयोग से नदी के तट को साफ व सुंदर बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इसे जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया था। इसे ध्यान में रखकर रविवार को दिल्ली में 28 घाटों पर 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान' चलाया गया। इस अभियान में 116 टन कचरा एकत्र कर निस्तारण किया गया। आने वाले दिनों में इस तरह के और कार्यक्रम किए जाएंगे। नदी में खंडित मूर्तियों व पूजा सामग्रियों के विसर्जन, प्लास्टिक सहित अन्य कचरा जाने से रोकने की तैयारी शुरू की गई है। प्रधानमंत्री की निगरानी में यमुना की सफाई से संबंधित परियोजनाओं का काम चल रहा है। नियमित रूप से इसकी समीक्षा की जा रही है।

यमुना घाट किनारे फैली गंदगी। फाइल

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि यमुना की सफाई को लेकर एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। नए एसटीपी बनाने के साथ ही आधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान' में स्कूल-कालेज के छात्रों के साथ ही उनके अभिभावक भी शामिल हुए। इस तरह के अभियान नियमित रूप से चलाने की आवश्यकता है। जल्द इसकी रूपरेखा घोषित की जाएगी।

उन्होंने लोगों से नदी में खंडित व पुरानी मूर्तियां, पूजा सामग्री, कपड़े, प्लास्टिक के थैले आदि नहीं डालने की अपील की। पुरानी मूर्तियों को एकत्र करने के लिए पूरे शहर में केंद्र स्थापित किए जाएंगे। मेट्रो स्टेशनों पर पुराने कपड़ों के संग्रह के लिए केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

इसी तरह से प्लास्टिक से बनी सामग्री एकत्र करने की भी व्यवस्था की जा रही है। यमुना तट पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण करने की तैयारी है।

अभियान में 15 हजार लोगों ने की भागीदारी

दिल्ली सरकार के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि रविवार को 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान' में 15 हजार से अधिक नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान 116.6 टन कचरे को एकत्र कर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया गया। सामान्य कचरे एवं निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडी) अपशिष्ट का निर्धारित मानकों के तहत निपटान किया गया, जबकि पूजा सामग्री एवं खंडित मूर्तियों का पर्यावरण अनुकूल तरीके से विसर्जन सुनिश्चित किया गया। जलकुंभी एवं अन्य हरित अपशिष्ट को वैज्ञानिक प्रसंस्करण के लिए निर्धारित ग्रीन वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट तक पहुंचाया गया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए आठ ट्रैश स्किमर एवं वीड हार्वेस्टर, 28 नाव, 84 पीडब्ल्यूडी मैंटेनेंस वाहन आदि का उपयोग किया गया। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, नगर निगम, राजस्व विभाग, दिल्ली पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड ने इसमें योगदान दिया।

यमुना बाजार क्षेत्र में 32 घाटों का कायाकल्प करेगा डीडीए

राज्य ब्यूरो, जागरण • नई दिल्ली

- छह महीने में शुरू होगा काम, आकर्षक लैंडस्केपिंग, पैदल यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी होगी

यमुना के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए डीडीए बड़ा अभियान शुरू करने जा रहा है। यमुना बाजार क्षेत्र में स्थित 32 घाटों का कायाकल्प किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को चरणबद्ध तरीके से अगले छह महीनों के भीतर धरातल पर उतारने की तैयारी पूरी कर ली गई है। एलजी टीएस संधू के साथ हुई एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में डीडीए ने इस पूरी कार्ययोजना और अब तक की उपलब्धियों का खाका पेश किया।

डीडीए अधिकारियों ने बताया कि यमुना बाजार और लोक निवास के पास के इन 32 घाटों के पुनरुद्धार के लिए इंटेक की मदद से एक विशेष अध्ययन कराया गया है। योजना के तहत घाटों के संरक्षण, आकर्षक लैंडस्केपिंग, पैदल यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और पर्यटकों के लिए आधुनिक सुविधाओं का विकास शामिल है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य यमुना रिवरफ्रंट को आध्यात्मिक पर्यटन, संस्कृति और पर्यावरण के एक बड़े केंद्र के रूप में विकसित करना है।

अधिकारियों के मुताबिक डीडीए यमुना के डूब क्षेत्र को साफ एवं सुंदर बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। प्राधिकरण ने अब तक बड़े सफाई अभियान के जरिये लगभग 1425 एकड़ भूमि को अतिक्रमण और मलबे से मुक्त कराया है, जबकि करीब 1,700 हेक्टेयर डूब क्षेत्र में रिवरफ्रंट विकास का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है।

अस्पताल गेट के पास लगी आग, 35 लोगों को बचाया

बड़ा हादसा टला ▶ आपातकालीन गेट पर ताला लटके होने से अंदर फेसं मरीजों और स्टाफ में मची अफरातफरी

स्थानीय लोगों ने ताला तोड़कर मरीजों, तीमारदारों और स्टाफ को बचाया

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली

डाबड़ी-पालम रोड पर स्थित चार मंजिला एएस मल्टी स्पेशियलिटी हास्पिटल में रविवार रात उस समय अफरातफरी मच गई जब मुख्य गेट के पास लगे बिजली के मुख्य पैनल में शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग और धुएं से मुख्य गेट का रास्ता पूरी तरह ब्लाक हो गया और आपातकालीन पिछले गेट पर लटके ताले की चाबी गुम थी। इस बीच ऊपरी मंजिल पर मौजूद मरीज और उनके तीमारदार खिड़कियां खोलकर कूदने की कोशिश करने लगे। यह देख स्थानीय लोगों ने जान जोखिम में डालकर हथौड़े से पिछले गेट का ताला तोड़कर 15 मरीजों समेत 35 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया।

रविवार रात 10:27 बजे जब मुख्य गेट पर आग लगी तो अस्पताल में 15 मरीज, तीमारदार व मेडिकल स्टाफ सहित 35 लोग थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटों और धुएं ने मुख्य रास्ते को पूरी तरह ब्लाक कर दिया। मरीज और स्टाफ अंदर ही फंस गए और अफरातफरी मच गई। अस्पताल के कर्मचारियों ने अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। सूचना पर सागरपुर थाना पुलिस, दमकल विभाग की तीन गाड़ियां, कैट्स एंबुलेंस और बीएसइएस की टीम मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया, जिससे आग नहीं फैल सकी। पुलिस आपातकालीन स्थिति में पिछले गेट पर ताला बंद होने और अस्पताल के सुरक्षा मानकों की गहनता से जांच कर रही है।

आग लगने के बाद अस्पताल से बाहर निकलते मरीज। जागरण

अस्पतालों की इमारतें भी हैं 'इलाज' की मोहताज, 80% के पास फायर एनओसी नहीं

स्वदेश कुमार • जागरण

- दिल्ली में लगभग एक हजार नर्सिंग होम और अस्पताल हैं, इसमें से 804 बगैर एनओसी के हो रहे हैं संचालित

नई दिल्ली : डाबड़ी-पालम रोड पर स्थित एएस मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल में रविवार रात लगी आग से 15 मरीजों को तो बचा लिया गया, लेकिन इसने बिना फायर एनओसी के अस्पतालों के संचालन का मुद्दा गरम कर दिया। इस अस्पताल को फायर एनओसी नहीं मिली थी। दिल्ली के अस्पतालों और नर्सिंग होम में जब कोई मरीज दाखिल होता है तो वह जिंदगी की उम्मीद लेकर आता है। लेकिन राजधानी के करीब 80 प्रतिशत नर्सिंग होम की हकीकत यह है कि वे खुद 'इलाज' की मोहताज ऐसी इमारतों में चल रहे हैं, जो कभी भी हादसे का कारण बन सकती हैं। दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान जो आंकड़े सामने आए हैं वे बेहद डराने वाले हैं। दिल्ली में लगभग एक हजार नर्सिंग और अस्पताल हैं। इसमें से मात्र 196 के पास फायर एनओसी है। 804 बिना एनओसी के संचालित हो रहे हैं। पंजीकृत अस्पतालों और नर्सिंग होम की संख्या से साफ है कि नियमों की किस तरह अनदेखी की जा रही है।

विवेक विहार में 25 मई, 2024 में बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में आग लगी थी। इसमें सात नवजातों की मौत हो गई थी। इसके बाद अस्पतालों के पास फायर एनओसी होने को आवश्यक बनाया गया। दमकल विभाग ने कार्रवाई के लिए अस्पतालों और नर्सिंग होम का सर्वे भी शुरू कर दिया था, लेकिन तभी नर्सिंग होम फेडरेशन इस मामले को लेकर हाई कोर्ट में पहुंच गया। फेडरेशन ने तर्क दिया कि मिश्रित उपयोग यानी मिक्सड लैंड यूज वाली भूमि या आवासीय क्षेत्रों में चल रहे छोटे नर्सिंग होम पर फायर एनओसी के कड़े नियम लागू नहीं होने चाहिए। लेकिन कोर्ट ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया है। वहीं दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक समिति की तरफ से दिशानिर्देश जारी नहीं होने और कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण फिलहाल किसी को एनओसी जारी नहीं की जा रही है। दिशानिर्देश तय होने के बाद सर्वे शुरू किया जाएगा।

एएस मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल भी हुआ हादसा का शिकार। जागरण

उपराज्यपाल के निर्देश पर शुरू हुई जांच

मालवीय नगर में अवैध होटल में आग में 23 लोगों की मौत की घटना के बाद उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली दमकल सेवा, पुलिस और स्थानीय निकायों को चार जून से एक महीने का विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया है। इसके तहत सभी नर्सिंग होम, होटल और कोचिंग सेंटरों की सघन जांच की जा रही है। जिन नर्सिंग होम या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में तय सीमा से अधिक कमरे पाए जाएंगे या बुनियादी फायर एग्जिट ब्लाक होंगे, उन्हें तुरंत सील करने और मालिकों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

650 करोड़ के दवा घोटाले में डाक्टरों की गिरफ्तारी की तैयारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली सरकार की सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में 650 करोड़ रुपये के घोटाले में एसीबी दो हफ्ते के दौरान 35 डाक्टरों व खरीद प्रक्रिया से जुड़े कर्मचारियों से पूछताछ कर चुकी है। इनसे खरीद प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेज हासिल हुए हैं। पूछताछ के बाद अब आरोपितों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसीबी चीफ संयुक्त आयुक्त विक्रमजीत सिंह का कहना है कि मामले में बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों और कर्मचारियों से पूछताछ किया जाना बाकी है। जिनसे पूछताछ हो चुकी है और घोटाले में संलिप्तता पाई गई उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय की शिकायत पर भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने चार जून को एफआइआर की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डा. वत्सला अग्रवाल और हेड आफ आफिस (एचओओ) डा. विनोद कुमार रंगा समेत लगभग 40 डाक्टरों और कर्मचारियों का पहले ही तबादला किया जा चुका है। एबीसी की टीम ने पहले डीजीएचएस बिल्डिंग में जाकर भी कई अधिकारियों और डाक्टरों से पूछताछ की थी उसके बाद एसीबी ने डाक्टरों, कर्मचारियों और आउटसोर्स स्टाफ को जांच में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा था। जांच एजेंसी खरीद प्रक्रिया, टेंडर आवंटन, भुगतान रिकार्ड और गायब फाइलों के बीच के कड़ियों को जोड़ने में लगी है।

सब्जी मंडी में बनाया गया दिल्ली का पहला महिला थाना

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : लंबे समय से दिल्ली में महिला थाना खोलने की कवायद अब पूरी हो गई। महिलाओं की सुरक्षा और उन्हें सुरक्षित माहौल देने की दिशा में यह बड़ा कदम है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के निर्देश पर उत्तरी जिला के सब्जी मंडी थाना परिसर में स्थित महिला अपराध सेल को अब पूर्ण रूप से महिला थाना घोषित कर दिया गया है। सोमवार को इस थाने के एसएचओ की जिम्मेदारी इंस्पेक्टर लक्ष्मी सिंह को सौंपी गई है, जिसके बाद थाने का संचालन शुरू कर दिया गया। आने वाले समय में अन्य जिलों में भी ऐसे और थाने खोले जा सकते हैं। हालांकि इसके लिए दिल्ली पुलिस को पहले तेजी से महिला पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ानी होगी, क्योंकि वर्तमान में सभी थानों में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या काफी कम है। इंस्पेक्टर लक्ष्मी सिंह की तैनाती वर्तमान में एसीबी में थी। उससे पहले स्पेशल सेल, पुलिस मुख्यालय के मीडिया सेल व पश्चिमी जिले में रही है।

आरोपितों को आमने-सामने बैठाकर हुई पूछताछ, खुले कई राज

- आरोपित गिरोह बनाकर क्षेत्र में नशे का कारोबार कर रहे थे, एविल इंजेक्शन की तस्करी में नए लोगों को जोड़ती थी सरिता

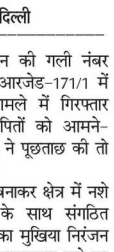

सरिता

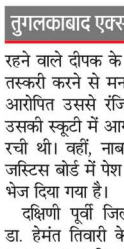

निरंजन

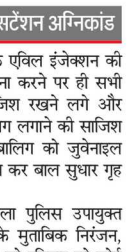

राजकुमार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

तुगलकाबाद एक्सटेंशन की गली नंबर एक में मकान नंबर आरजे-171/1 में आग लगवाने के मामले में गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपितों को आमने-सामने बैठाकर पुलिस ने पूछताछ की तो कई राज सामने आए।

आरोपित गिरोह बनाकर क्षेत्र में नशे का कारोबार करने के साथ संगठित अपराध करते थे। इनका मुखिया निरंजन है। उसका छोटा भाई राजकुमार नशे का सामान उपलब्ध कराता था।

इसके साथ ही सरिता नए लोगों को गिरोह से जोड़कर क्षेत्र में नशे की सामग्री सप्लाई कराती थी। इमारत में

तुगलकाबाद एक्सटेंशन अग्निकांड

रहने वाले दीपक के एविल इंजेक्शन की तस्करी करने से मना करने पर ही सभी आरोपित उससे रंजिश रखने लगे और उसकी स्कूटी में आग लगाने की साजिश रची थी। वहीं, नाबालिग को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड में पेश कर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त डा. हेमंत तिवारी के मुताबिक निरंजन, राजकुमार व सरिता को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से तीनों को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। मंगलवार को तीनों को फिर कोर्ट में पेश किया जाएगा।

रहेजा डेवलपर्स पर ईडी की कार्रवाई, 503 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच

गौरव सिंगला, जागरण, गुरुग्राम: ईडी ने रियल एस्टेट कंपनी रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड के विरुद्ध चल रही जांच में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 503.48 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है।

ईडी के अनुसार, जांच में पता चला है कि रहेजा डेवलपर्स ने अपनी विभिन्न रिहायशी परियोजनाओं के लिए लगभग 4600 घर खरीदारों से 2425.99 करोड़ रुपये जुटाए थे। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों से संकेत मिले हैं कि खरीदारों से प्राप्त धनराशि का एक बड़ा हिस्सा परियोजनाओं के निर्माण और उन्हें समय पर पूरा करने के बजाय अन्य कार्यों में इस्तेमाल किया गया।

यह जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में दर्ज कई मुकदमों के आधार पर शुरू हुई थी। ईडी ने बताया कि अटैच की गई संपत्तियां रहेजा डेवलपर्स लिमिटेड, कंपनी के प्रमोटर नवीन एम रहेजा और उनके परिवार के सदस्यों से संबंधित हैं।

आइआइटी दिल्ली ने दिखाया नवाचार का दम, कई अंतरराष्ट्रीय समझौते

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- कायरन-एआइ ने फ्रांस की विमान इंजन बनाने वाली कंपनी सफ्रान के साथ किया समझौता

आइआइटी दिल्ली ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की तकनीकी क्षमता और नवाचार को फिर से साबित किया है। फ्रांस के नीस शहर में 14-16 जून तक आयोजित 'इंडिया इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम में संस्थान ने शिक्षा, अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और डीप टेक्नोलाजी के क्षेत्र में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते किए।

आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह कार्यक्रम भारत के नवाचार को दुनिया से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन साझेदारियों से स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा, आधुनिक निर्माण और एआइ जैसे क्षेत्रों में वैश्विक समस्याओं के समाधान खोजने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में आइआइटी दिल्ली से जुड़े स्टार्टअप कायरन-एआइ ने भी बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस स्टार्टअप ने फ्रांस की विमान इंजन बनाने वाली कंपनी सफ्रान के साथ समझौता किया है। इसके तहत विमान इंजनों की निगरानी और मरम्मत के लिए रीयल-टाइम एआइ तकनीक विकसित की जाएगी। इसके अलावा, नीदरलैंड की कंपनी इनेटेरा के साथ मिलकर पहनने योग्य स्मार्ट डिवाइस के लिए कम ऊर्जा में काम करने वाली एआइ तकनीक पर भी काम होगा।

आइआइटी दिल्ली ने फ्रांस के प्रमुख संस्थानों जैसे इंस्टीट्यूट पालीटेक्निक डी पेरिस, इंस्टीट्यूट माइंस टेलीकाम (आइएमटी) और यूनिवर्सिटी ग्रेनोबल आल्प्स के साथ भी समझौते किए हैं।

फ्रांस में आइआइटी दिल्ली का नवाचार माडल, एआइ और डीपटेक साझेदारी के दौरान आइआइटी के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी व अन्य। सौ आइआइटी दिल्ली

उत्सवी माहौल

घूंघट की ओट में महिलाओं ने भरी नोएडा एयरपोर्ट से लखनऊ की उड़ान, दिन निकलने का करते रहे इंतजार, सुबह होने से पहले पहुंच गए एयरपोर्ट

जिन खेतों से आसमान में उड़ते देखे थे जहाज, आज वहीं से भरी उड़ान

मनोज कुमार शर्मा • जागरण

नोएडा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार सुबह कमर्शियल फ्लाइटों का संचालन शुरू होने के साथ ही एयरपोर्ट के लिए जमीन देने वाले किसानों ने भी उड़ान भरी। इंडिगो की विशेष फ्लाइट से 28 महिलाओं सहित 172 किसान लखनऊ के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनका उत्साह देखते बन रहा था। उनका कहना था कि कभी इन खेतों में खड़े होकर आसमान में विमान उड़ते देखे थे, आज इन्हीं खेतों में बने एयरपोर्ट से हवाई जहाज में उड़ान भरेंगे, इससे ज्यादा खुशी और क्या होगी।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनका संवाद हुआ। अपनी जमीन पर एयरपोर्ट, पहले दिन फ्लाइट का सफर और मुख्यमंत्री से मुलाकात के इंतजार का उत्साह किसानों में देखते ही बन रहा था। महिला और पुरुष किसान दिन निकलने से पहले ही एयरपोर्ट पहुंच गए। कई किसान तो रविवार शाम से ही सोमवार की सुबह होने का इंतजार करते रहे और तड़के चार बजे से ही तैयारी शुरू कर एयरपोर्ट पहुंच गए। सुबह होते ही एयरपोर्ट की पार्किंग और फोरकोर्ट क्षेत्र एयरपोर्ट में जमीन देने वाले किसानों और अन्य यात्रियों से गुलजार हो गया। नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु जाने वाले जेवर के हरीश शर्मा और दीप्ति शर्मा ने बताया कि आज जेवर उस मुकाम पर है जहां लोग दिल्ली सहित एनसीआर के अन्य क्षेत्रों से आकर देश के विभिन्न शहरों के लिए उड़ान भर रहे हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को शुरू हुई कामर्शियल विमान सेवा के अवसर पर उड़डयन मंत्री के. राममोहन नायडू किसानों से बातचीत करते हुए। प्रेट्र

मुख्यमंत्री ने किसानों को भेंट की भगवान श्रीराम की मूर्ति

विशेष उड़ान से लखनऊ जाने वाले किसान जयवीर सिंह, चरण सिंह, देवेंद्र भारद्वाज, विपिन शर्मा, हरीश शर्मा ने बताया कि उनके खेतों में कभी हरियाली और फसलें लहलहाती थी आज वही खेत जेवर के विकास की कहानी सुना रहे हैं। ज्यादातर महिलाएं जीवन में पहली बार हवाई यात्रा करने जा रही थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों का दिल खोलकर स्वागत किया। सभी किसानों को दो पटका, भगवान श्रीराम की मूर्ति, दो उपहार भेंट कर जमीन देने के लिए आभार जताया। रोही निवासी मीनू ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद फ्लाइट में सवार महिलाओं ने लोकगीत गाना शुरू कर किया।

दिसंबर तक नोएडा से उपलब्ध होंगी 200 से ज्यादा उड़ानें

प्रथम पृष्ठ से आगे

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान संचालित करने वाली देश की सबसे बड़ी एविएशन कंपनी इंडिगो ने कहा कि वह जल्द ही देश के 16 से अधिक गंतव्यों को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधे जोड़ेगी।

उसने कहा है कि उसकी प्राथमिकता नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अमृतसर, बरेली, भोपाल, धर्मशाला, देहरादून जैसे छोटे, लेकिन बेहद नजदीक के शहरों के लिए सेवा शुरू करने की है।

बेंगलुरु व हैदराबाद के लिए भी उड़ानें शुरू की जा रही हैं। दिसंबर तक यहां 200 से ज्यादा उड़ानों की सेवा उपलब्ध होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहले चरण में ही दो-ढाई दर्जन शहरों से कनेक्टिविटी स्थापित हो जाएगी। भविष्य में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शुरू की जाएंगी। सोमवार को चार गंतव्यों के लिए उड़ानें शुरू की गईं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के वाइस चेयरमैन क्रिस्टोफ श्नेलमैन ने कहा कि देश के कई अन्य एयरपोर्ट की तरह नोएडा एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ेगी।

अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों में भारत को लेकर रुचि लगातार बढ़ रही है जिसका सकारात्मक असर नोएडा पर भी दिखाई देगा। कोशिश की जा रही है कि आस-पास के सभी प्रमुख इलाकों से एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी बेहतर हो। इस संबंध में राज्य और केंद्र सरकार की योजनाएं काफी प्रोत्साहित करने वाली हैं। आने वाले दिनों में इसका सकारात्मक असर देखने को मिलेगा।

201 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं अंबाला रेलवे मंडल में कवच परियोजना के लिए। 'कवच' प्रणाली अंबाला छावनी-लुधियाना, कालका-चंडीगढ़-न्यू मोरिंडा-साहनेवाल, हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के अन्य प्रमुख रेल मार्गों पर स्थापित की जाएगी।

आम लोगों के जीवन स्तर को सुधारने पर राजग सरकार का ध्यान : पीएम

- पीएम ने 'एक्स' पर लिखा, देश के निर्माण में मध्यम वर्ग का अभूतपूर्व योगदान
- कहा - उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार के लिए सौभाग्य की बात है

नई दिल्ली, प्रेट्र : पीएम नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा, गत 12 वर्षों में राजग सरकार का ध्यान आम नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने पर रहा है। सरकार ने अवसरों तक आसान पहुंच, बेहतर बुनियादी ढांचे, उन्नत सार्वजनिक सेवाओं, किफायती स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष काम किया है। सरकार को "मध्यम वर्ग की सरकार" बताते हुए मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि देश के निर्माण में मध्यम वर्ग का अभूतपूर्व योगदान है। उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार के लिए सौभाग्य की बात है।

इंफ्रास्ट्रक्चर व डिजिटल क्रांति में अभूतपूर्व प्रगति : केंद्र सरकार के नागरिकों की भागीदारी वाले प्रमुख प्लेटफार्म 'मायगोव इंडिया' के अनुसार, पीएम मोदी के नेतृत्व में गत 12 सालों में मध्यम वर्ग के रहन-सहन के स्तर में बड़ा उछाल आया है। देश में इंटरनेट पैठ अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है, जिसके तहत 103 करोड़ से अधिक कनेक्शन सक्रिय हैं। डाटा की कम कीमतों ने शिक्षा, डिजिटल भुगतान और रोजगार के अवसरों को बेहद सुलभ बना दिया है।

सुगम रेल और शहरी यातायात: 'वंदे भारत' सेवाओं के विस्तार से रेल यात्रा तेज व आरामदायक हुई है। अब तक 164 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, जिनसे नौ करोड़ से अधिक यात्री सफर कर चुके हैं। शहरों में तेजी से फैले मेट्रो नेटवर्क ने ट्रैफिक जाम को कम कर कामकाजी पेशेवरों, छात्रों के लिए आवागमन आसान बनाया है। साथ ही, बेहतर राजमार्गों व सुव्यवस्थित टोल प्रणालियों से लाजिस्टिक्स परफार्मेंस और इंटरसिटी यात्रा में बड़ा सुधार हुआ है।

अब दुश्मन के ठिकानों पर दूर से किया जा सकेगा सटीक वार

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

- स्वदेशी लांग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का डीआरडीओ ने किया सफल परीक्षण
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विज्ञानियों को दी बधाई, बढ़ेगी देश की सामरिक ताकत

भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा तट से लंबी दूरी की सतह से सतह पर हमला करने वाली क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। स्वदेशी तकनीक से विकसित इस लांग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (एलआरएलएसीएम) के सफल परीक्षण से भारत की दूर बैठे दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला करने की क्षमता और मजबूत हो गई है। क्रूज मिसाइल ऐसी मिसाइल होती है, जो बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हुए दुश्मन के क्षेत्र में प्रवेश कर सकती है और रडार से बचते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचती है। इसकी खासियत यह है कि यह लंबी दूरी तय करने के बाद भी अत्यंत सटीकता से लक्ष्य को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइल के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ को बधाई देते हुए कहा कि यह परीक्षण भारत की स्वदेशी रक्षा तकनीक का प्रमाण है।

डीआरडीओ के अनुसार, परीक्षण के दौरान मिसाइल ने तय लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया। उड़ान, दिशा-निर्देशन प्रणाली, लक्ष्य भेदन क्षमता और अन्य तकनीकी मानकों की आधुनिक उपकरणों से निगरानी की गई। सभी परिणाम उम्मीद के मुताबिक रहे। यह मिसाइल पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से विकसित की गई है। इसके विभिन्न हिस्सों और उपकरणों को देश की कई रक्षा प्रयोगशालाओं और भारतीय कंपनियों के सहयोग से तैयार किया गया है। इससे रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती मिलेगी। इस परियोजना का नेतृत्व बेंगलुरु स्थित एयरोनाटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने किया है। परीक्षण के समय डीआरडीओ के वरिष्ठ विज्ञानियों के साथ भारतीय नौसेना और वायुसेना के अधिकारी भी मौजूद थे।

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी मिसाइलें दुश्मन के सैन्य अड्डों, कमांड सेंटर, हथियार भंडार और अन्य रणनीतिक ठिकानों को दूर से ही निशाना बना सकती हैं। इससे युद्ध की स्थिति में भारतीय सेना को बड़ी बढ़त मिल सकती है। इस सफलता से देश की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा भारत की सामरिक शक्ति में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी दूरी की भूमि हमला क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण भारतीय सशस्त्र बलों को भविष्य में अधिक प्रभावी और सटीक आक्रमण क्षमता प्रदान करेगा। आधुनिक युद्ध में क्रूज मिसाइलों की भूमिका लगातार बढ़ रही है और इस सफलता से भारत की रक्षा तैयारियों को नई मजबूती मिलेगी। देश में स्वदेशी रक्षा प्रणालियों के विकास पर लगातार जोर दिया जा रहा है। हाल के वर्षों में मिसाइल, ड्रोन, रडार और अन्य अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों के स्वदेशी निर्माण में तेजी आई है। एलआरएलएसीएम का सफल परीक्षण इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ओडिशा के अब्दुल कलाम द्वीप पर परीक्षण के दौरान डीआरडीओ की लंबी दूरी की जमीन से जमीन पर हमला करने वाली मिसाइल। प्रेट्र

भारत-स्लोवाकिया ने रिश्तों को दिया व्यापक साझेदारी का दर्जा, 11 समझौतों पर हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व फिको ईयू के साथ एफटीए को जल्द लागू करने पर सहमत

परमाणु ऊर्जा समेत ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी जताई सहमति

- मोदी को स्लोवाकिया का सर्वोच्च सम्मान 'आर्डर आफ द व्हाइट डबल क्रास (फर्स्ट क्लास)'

ब्रातिस्लावा, प्रेट्र : भारत-स्लोवाकिया ने सोमवार को अपने रिश्तों को व्यापक साझेदारी का दर्जा देने का फैसला किया। पीएम नरेन्द्र मोदी व स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री राबर्ट फिको के बीच वार्ता के बाद माइग्रेशन, डिजिटल टेक्नोलाजी व रक्षा जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 11 समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों नेता भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता जल्द लागू करने की दिशा में काम करने पर भी राजी हुए, जिससे दिपक्षीय आर्थिक संबंधों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्लोवाकिया ने मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान 'आर्डर आफ द व्हाइट डबल क्रास (फर्स्ट क्लास)' से सम्मानित भी किया।

मोदी यूरोप की एक हफ्ते की यात्रा पर ब्रातिस्लावा में हैं। यह किसी भारतीय पीएम की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है। पीएम ने कहा, उन्होंने और फिको ने रिश्तों को "नई दिशा" देने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेता ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए, ताकि परमाणु, भू-तापीय ऊसमेत ऊर्जा के लाभ के लिए कई अहम फैसले लिए।"

मोदी ने कहा, दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग दोनों पक्षों के बीच गहरे भरोसे व रणनीतिक मिलाप का सुबूत है। दोनों नेताओं की वार्ता के बाद रक्षा सहयोग के स्रोतों में विविधता के जरिये ऊर्जा सुरक्षा, सततता व लचीलेपन को बढ़ावा दिया जा सके। कहा, "हमारी क्षमता काफी व्यापक है। उम्मीदें और भी बड़ी हैं। आटोमोबाइल, रेलवे, अत्याधुनिक विनिर्माण व हरित प्रौद्योगिकी खास रुचि के क्षेत्र हैं। आज हमने इन सभी मुद्दों पर अपनी ताकत को जोड़ा। दोनों देशों के शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए। 21वीं सदी की सच्चाइयों, चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक संस्थाओं को खुद को पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हम इस बारे में वैश्विक प्रयासों की मजबूती के लिए काम करेंगे।" उन्होंने एक पोस्ट में कहा, स्लोवाकिया के एक विश्वविद्यालय में एआइ पर 'इंडिया चेयर' स्थापित की जा रही है।

मोदी-फिको वार्ता के बाद हुए समझौतों से श्रमिकों के माइग्रेशन, रक्षा, डिजिटल टेक्नोलाजी, उच्च शिक्षा, क्वांटम कम्युनिकेशन के क्षेत्र में गहरे द्विपक्षीय सहयोग में मदद मिलेगी। संयुक्त बयान के मुताबिक, मोदी और फिको ने बहुदेशीय संस्थाओं, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बड़े सुधारों का समर्थन किया। भारत ने सुधार के बाद विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए स्लोवाकिया के समर्थन को सराहा। दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत की बढ़ती भू-राजनीतिक, आर्थिक व तकनीकी अहमियत को महत्व देते हुए पारस्परिक लाभप्रद सहयोग, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, खुला अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आवाजाही की आजादी के लिए मजबूत साझेदारी की अहमियत को स्वीकार किया। दोनों नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले सहित सीमापार आतंकवाद और सभी तरह के आतंकवाद की स्पष्ट निंदा की। वे आतंकवाद के विरुद्ध एक संयुक्त कार्यसमूह बनाने पर भी सहमत हुए।

ब्रातिस्लावा में सोमवार को स्लोवाकिया के पीएमराबर्ट फिको से चर्चा करते नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

ब्रातिस्लावा में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्लोवाकिया का सर्वोच्च सम्मान 'आर्डर आफ द व्हाइट डबल क्रास (फर्स्ट क्लास)' सौंपते राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी। एएनआइ

ईरान युद्ध खत्म कर ट्रंप पहुंचे फ्रांस, तनाव कम करने की कोशिश

एवियान में डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठक के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों। एएफपी

पेरिस, एपी : जी 7 देशों के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस के फ्रेंच एल्प्स पहुंचे। ट्रंप ईरान युद्ध खत्म होने के एलान के बाद फ्रांस पहुंचे हैं। उनका दौरा अहम माना जा रहा है।

जी 7 देशों के नेताओं का सम्मेलन फ्रांस के एवियान-ले-बां में हो रहा है। यहां पर ईरान युद्ध और उसके दुष्प्रभावों पर भी चर्चा होनी थी। अब दुष्प्रभावों के साथ अन्य वैश्विक मसलों पर विचार-विमर्श होगा। चूंकि ईरान पर हमले को ब्रिटेन, फ्रांस, इटली व जर्मनी ने सही नहीं मानते हुए युद्ध में अमेरिका का साथ देने से मना कर दिया था। उसके बाद ट्रंप ने इन देशों के खिलाफ बयानबाजी की थी। इससे पैदा हुई कड़वाहट के बीच ट्रंप पहली बार इन देशों के नेताओं से मिल रहे हैं। चूंकि ईरान से समझौता हो गया है, अतः सम्मेलन में कड़वाहट में कमी आने के आसार हैं। इस बीच फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा, अमेरिका और ईरान से समझौता होने के बाद फ्रांस की नौसेना स्थितियां सामान्य बनाने में सहयोग देने को तैयार है।

आरटीआइ एक्टिविज्म नया धंधा बन गया है : सुप्रीम कोर्ट

- एक्टिविस्ट और अन्य को अग्रिम जमानत देने से शीर्ष अदालत ने किया इन्कार
- सड़क निर्माण कर रहे सरकारी कर्मियों के काम में बाधा डालने का था आरोप

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि आरटीआइ एक्टिविज्म एक नया धंधा बन गया है। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने सड़क निर्माण कर रहे सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने के आरोपित एक एक्टिविस्ट और अन्य को अग्रिम जमानत देने से इन्कार कर दिया।

जस्टिस संदीप मेहता और विजय बिश्नोई की पीठ ने आरटीआइ एक्टिविस्ट राकेश कुमार बहल और उनके सहयोगी की याचिका खारिज करते हुए सड़क निर्माण कार्य की निगरानी करने के उनके अधिकार पर सवाल उठाए। जस्टिस मेहता ने कहा- आरटीआइ एक्टिविज्म एक नया धंधा बन गया है। केंद्र सरकार ने फंड जारी किया है, वही सड़क निर्माण का काम देखेगी। आप कोई नहीं हैं। तथाकथित आरटीआइ एक्टिविस्ट! याचिका खारिज की जाती है। जस्टिस मेहता के विचारों से सहमति जताते हुए जस्टिस बिश्नोई ने कहा-इन सभी सड़कों के निर्माण की निगरानी करने वाले आप कौन होते हैं? आप कोई उच्च अधिकारी हैं या क्या?

बहल ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें अग्रिम जमानत देने से इन्कार कर दिया गया था। उनके वकील ने तर्क दिया कि उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है, क्योंकि उन्होंने सड़क निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार को उजागर किया था। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने 14 मई को अपने आदेश में कहा था कि एफआइआर में लगाए गए आरोपों से सरकारी काम में बाधा डालने में उनकी स्पष्ट भूमिका का पता चलता है।

यह है मामला

एफआइआर के अनुसार, राकेश कुमार बहल ने एक अन्य आरोपित राजीव कुमार उर्फ मिंटू के साथ मिलकर पंजाब के गुरदासपुर जिले के बटाला में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में बाधा डाली और उस व्यक्ति को धमकाया, जिसकी देखरेख में काम हो रहा था। साथ ही निर्माण स्थल पर मौजूद मजदूरों को भी धमकाया। उन्होंने मजदूरों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की और शिकायतकर्ता को चोट पहुंचाई। उनके खिलाफ बीएनएस और एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज की गई।

बांग्लादेशी पीएम के सलाहकार से दिल्ली एयरपोर्ट पर पूछताछ, वापस लौटे

- जाहिद उर रहमान डिप्लोमैट पासपोर्ट नहीं लाए थे, पहचान के लिए ढाई घंटे पूछताछ
- बांग्लादेश ने ढाका में भारतीय उप उच्चायुक्त को बुलाया कर अपना एतराज जताया

नई दिल्ली, जेएनएन

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के सलाहकार जाहिद उर रहमान के एक बैठक में शामिल होने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचने पर उनकी करीब ढाई घंटे सुरक्षा जांच हुई जिसके बाद वह बैठक में शामिल हुए बिना ही वापस लौट गए। बताया जाता है कि रहमान नियमित बांग्लादेशी पासपोर्ट पर यात्रा कर रहे थे जिसमें एक सार्क वीजा था और वे डिप्लोमैट पासपोर्ट नहीं लाए थे। इसके विरोध में बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को ढाका में तैनात भारत के उप उच्चायुक्त पवन बधे को बुलाया और विरोध दर्ज कराया है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय महासागर रिम संघ (आइओआरए) के वरिष्ठ अधिकारियों की 28वीं बैठक में भाग लेने के लिए नई दिल्ली आए डा.जाहिद उर रहमान को अपने भारत आगमन पर अत्यधिक देरी का सामना करना पड़ा। यह आरोप लगाया गया है कि रहमान को सुरक्षा जांच के दौरान उनके नाम का वाच लिस्ट में होने के कारण रोका गया। प्रेट्र के अनुसार उनके पास डिप्लोमैट पासपोर्ट नहीं होने के कारण उनसे उनकी आधिकारिक पहचान की पुष्टि के लिए करीब ढाई घंटे की पूछताछ हुई। रिपोर्टों में यह संकेत दिया गया है कि भारतीय अफसरों ने अंततः उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दी पर रहमान ने बैठकों में भाग लेने के बजाय बांग्लादेश लौटने का विकल्प चुना। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इस घटना को "अनापेक्षित और खेदजनक" बताया। एएनआइ के अनुसार यह समन उप उच्चायुक्त पवन बधे को जारी किया गया, जो वर्तमान में कार्यवाहक उच्चायुक्त के रूप में कार्यरत हैं, क्योंकि नए आए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने अभी तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति के समक्ष अपने पत्र पेश नहीं किए हैं। यह राजनयिक तनाव द्विपक्षीय संबंधों के लिए नाजुक समय में उत्पन्न हुआ है। घटना से केवल कुछ दिन पहले बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने दोनों देशों के बीच रचनात्मक "कार्य संबंध" की जरूरत पर जोर दिया था, जो भूगोल की वास्तविकताओं और क्षेत्रीय सहयोग की साझा जरूरत को दर्शाता है। भारतीय उच्चायुक्त-निर्धारित दिनेश त्रिवेदी 12 जून को बेनापोल भूमि बंदरगाह के जरिये बांग्लादेश पहुंचे और उन्होंने पूर्व उच्चायुक्त प्रणय वर्मा से मिशन का कार्यभार संभालने के लिए तैयार किया।

नए आपराधिक कानूनों को लागू करने में अव्वल बना हरियाणा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ : नए आपराधिक कानूनों को लागू करने में हरियाणा नंबर-1 राज्य बन गया है। राष्ट्रीय नए आपराधिक कानून डैशबोर्ड पर शीर्ष स्थान पर पहुंचे राज्य में सभी समन इलेक्ट्रानिक रूप से दिए जा रहे हैं। ई-चार्जशीट की स्वीकार्यता 90 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जिससे आपराधिक जांच व अभियोजन प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ी है।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम तथा इंटरऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम की 33वीं राज्य स्तरीय शीर्ष समिति की बैठक में डीजीपी अजय सिंघल ने बताया कि हरियाणा 59 माह के दौरान 44 बार इस डैशबोर्ड पर शीर्ष स्थान पर रहा है। तय समय-सीमा के भीतर 88.84 लाख से अधिक नागरिक आवेदनों का निपटान किया गया, जिससे हरियाणा पुलिस राज्य के सर्वश्रेष्ठ सार्वजनिक सेवा प्रदाता विभागों में शामिल हो गई है।

आधार के सिर्फ पहचान पत्र के तौर पर उपयोग की मांग पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

पंजाब व केंद्र को आरटीई अधिनियम के पालन में विफलता पर नोटिस

- याचिका में आरोप- नागरिकता व आवासीय पते के सुबूत के तौर पर हो रहा गलत इस्तेमाल

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को उस याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें आरोप लगाया गया है कि आधार कार्ड का इस्तेमाल नागरिकता, मूल निवास और आवासीय पते के सुबूत के तौर पर गलत तरीके से किया जा रहा है। इसमें केंद्र, राज्यों और चुनाव आयोग को निर्देश देने की मांग की गई है कि आधार का उपयोग सिर्फ पहचान की पुष्टि तक सीमित किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की इस जनहित याचिका पर सुनवाई कर सकती है। वकील अश्वनी दुबे के जरिये दायर याचिका में यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि नए मतदाता पंजीकरण के लिए आवेदन प्रपत्र में जन्म तिथि और निवास के सुबूत के तौर पर आधार का इस्तेमाल आधार एक्ट, 2016 की धारा नौ; जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4) और संविधान के अनुच्छेद-14 के विरुद्ध माना जाए। याचिका के अनुसार, आधार एक्ट में साफ कहा गया है कि यह नागरिकता या मूल निवास का सुबूत नहीं है। इसके बावजूद इसका इस्तेमाल उम्र, नागरिकता व मूल निवास के सुबूत के तौर पर किया जा रहा है। इस तरह घुसपैठिए और अवैध प्रवासी आधार का इस्तेमाल करके कई तरह के दस्तावेज हासिल कर रहे हैं।

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार और केंद्र से एक याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें राज्य में बच्चों के लिए मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के अनुपालन में विफलता का आरोप लगाया गया है। याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह कानूनी प्रविधानों का प्रभावी और निरंतर अनुपालन सुनिश्चित करे, जिसमें निजी स्कूलों में कक्षा-एक में वंचित समूह के कम से कम 25 प्रतिशत बच्चों को प्रवेश देने का प्रविधान शामिल है। पीठ ने याची से पूछा, "क्या आप कुछ स्कूलों की पहचान करने में सक्षम हुए हैं जो ऐसा नहीं कर रहे हैं?" याची ने दावा किया कि गत 15 वर्षों से पंजाब में अधिनियम का अनुपालन नहीं किया जा रहा। उन्होंने 2012 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लेख किया, जिसमें आरटीई कानून की वैधता बरकरार रखा गया था। पीठ ने राज्य द्वारा पहले दाखिल किए गए हलफनामे का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 450 से अधिक छात्रों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिया गया था। याची ने कहा, यह संख्या 50 हजार होनी चाहिए, क्योंकि आंकड़ों के अनुसार, हर साल दो लाख छात्रों को दाखिल किया जाता है। पीठ ने कहा, "हम नोटिस जारी कर रहे हैं।"

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

21 जून को है अंतराष्ट्रीय योग दिवस, इस बार की थीम है स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग

कोलकाता के रेड रोड से दुनिया को निरोग रहने का संदेश देंगे मोदी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर होगा। यहां पीएम नरेन्द्र मोदी योगाभ्यास करके दुनिया को योग से निरोग रहने का संदेश देंगे। वैसे इस बार की थीम 'योग फार हेल्दी एजिंग' (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) है। विश्व में बुजुर्गों की संख्या करीब 122 करोड़ और भारत में 15 करोड़ बताई जाती है। इनमें से छह करोड़ से अधिक बुजुर्ग स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं से पीड़ित हैं।

सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया कि 'योग फार हेल्दी एजिंग' थीम के साथ देश-विदेश में हजारों कार्यक्रम होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग आज वैश्विक जन आंदोलन बन चुका है और इस वर्ष का आयोजन भी उसी विरासत को आगे बढ़ाएगा। सेना, अर्धसैनिक बलों, शैक्षणिक संस्थानों और विभिन्न सरकारी संगठनों की भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र के साथ स्वस्थ को बनाए रखने में योग की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। योग केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की पद्धति है। इसी सोच के साथ 'योगा 365' अभियान चलाया जा रहा है।

वहीं, कोलकाता ब्यूरो के मुताबिक बंगाल सरकार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों की उपस्थिति को अनिवार्य कर दिया है। राज्य सचिवालय की ओर से जारी निर्देश के अनुसार, 21 जून की सुबह 6.30 बजे से 7.45 बजे तक सभी कर्मियों को अपने संबंधित विभाग, आवास, रेड रोड या निर्धारित स्थान पर उपस्थित रहना होगा।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित करते आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव। जागरण

वर्ष 1820 के आसपास हुआ था रेड रोड का निर्माण

रेड रोड मध्य कोलकाता में स्थित एक ऐतिहासिक मार्ग है। इसका आधिकारिक नाम 'इंदिरा गांधी सरणी' है। इसका निर्माण 1820 के आसपास हुआ था। यह सड़क अपने शानदार औपनिवेशिक इतिहास, विशाल मैदान और गणतंत्र दिवस की भव्य परेड के लिए जानी जाती है। शुरुआत में लाल रंग की मिट्टी और सामग्री से पक्की होने के कारण ही इसे सामान्य बोलचाल में "रेड रोड" नाम दिया गया। ऐतिहासिक रूप से रेड रोड बंगाल में सबसे बड़ी सामूहिक ईद की नमाज का केंद्र रहा है। यह परंपरा एक सदी से भी अधिक समय तक चली, जिसे इस साल ब्रिगेड परेड ग्राउंड में स्थानांतरित किया गया।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

ममता दीदी को 'पटखनी' देने के लिए बुना गया चक्रव्यूह!

तृणमूल कांग्रेस में अंतर्कलह ▸ विधानसभा के कानूनी पचड़े से सबक लेकर लोकसभा के बागियों ने चली 'शतरंज की चाल'

इसी कारण 'गुमनाम' एनसीपीआइ बनी तृणमूल के 20 बागी सांसदों का नया आशियाना

जयकृष्ण वाजपेयी ● जागरण

कोलकाता: बंगाल के हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों और 2026 के चुनावी नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस की अंतर्कलह अब एक अभूतपूर्व मोड़ पर आ खड़ी हुई है। लोकसभा में ममता बनर्जी के एकाधिकार के खिलाफ बगावत करने वाले काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी राय और सायोनी घोष समेत 20 बागी सांसदों ने खुद को 'असली तृणमूल' बताने की कानूनी लड़ाई लड़ने या सीधे भाजपा में शामिल होने के बजाय एक बेहद चौंकाने वाला रास्ता चुना है। इन बागियों ने 'नेशनलिस्ट सिटीजंस पार्टी आफ इंडिया' (एनसीपीआइ) का दामन थाम लिया है। यह ममता बनर्जी के वर्चस्व को ढहाने और दलबदल विरोधी कानून को बेअसर करने के लिए दिल्ली में बुनी गई एक बेहद चतुर और गहरी रणनीतिक बिसात है।

विधानसभा के 'ट्रैप' से सबक और कानूनी सावधानी : दरअसल, बंगाल विधानसभा में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में बागी विधायकों ने खुद को 'असली तृणमूल' घोषित कर विपक्षी बेंच पर बैठने का जो दांव खेला था, वह फिलहाल हाई कोर्ट के कानूनी पचड़े में फंसा है। लोकसभा के बागी सांसदों ने इससे सीख लेते हुए 'हाई-रिस्क' गेम खेलने से पूरी तरह परहेज किया। कानून के जानकारों के मुताबिक, तृणमूल का सांगठनिक ढांचा पूरी तरह से चेयरपर्सन यानी ममता बनर्जी-केंद्रित है। साल 1998 में मुकुल राय द्वारा जमा किए गए पार्टी संविधान के बाद हुए संशोधनों में राष्ट्रीय कार्यसमिति को सर्वोच्च शक्ति दी गई है, जो पूरी तरह ममता के प्रति वफादार है। ऐसे में बागी सांसद सदन में तो संख्याबल का दावा कर सकते थे, लेकिन पार्टी पर उनका कोई कानूनी हक नहीं बनता। इसी कानूनी पेचीदगी और सदस्यता जाने के खतरे से बचने के लिए उन्होंने किसी पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दल में सामूहिक विलय का सबसे सुरक्षित रास्ता चुना। विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य रूप से दो बड़े कारकों ने इन बागी सांसदों को अपनी रणनीति बदलने के लिए मजबूर किया है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इसका पहला और सबसे बड़ा कारण निर्वाचन आयोग के पास जमा तृणमूल कांग्रेस का संविधान है। यदि बागी सांसद तृणमूल पर कब्जा करने की कोशिश करते, तो पार्टी का यह संविधान उनके प्रयासों पर पानी फेर सकता था। इसके कारण वे न तो पार्टी के लोगो (प्रतीक चिह्न) पर दावा कर पाते और न ही पार्टी के संचित फंड पर नियंत्रण पा सकते थे। तृणमूल के मूल संविधान के मुताबिक, राज्य कार्यकारी समिति ही पार्टी के भीतर सर्वोच्च निर्णय लेने वाले प्राधिकरण की पहचान करती थी। बाद में संशोधित संविधान में राष्ट्रीय कार्यसमिति को सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय बनाया गया, जो पूरी तरह से ममता बनर्जी के इर्द-गिर्द केंद्रित है।

तृणमूल के मूल और संशोधित, दोनों ही संविधानों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों (सांसदों और विधायकों) की तुलना में पार्टी के संगठनात्मक पदाधिकारियों को अधिक शक्तियां और नियंत्रण दिया गया है। चूंकि राष्ट्रीय कार्य समिति और संगठन के पदाधिकारी सीधे तौर पर ममता बनर्जी और परोक्ष रूप से उनके भतीजे व महासचिव अभिषेक बनर्जी के प्रति वफादार हैं, इसलिए बागी सांसदों के लिए अंततः पार्टी या फंड पर कब्जा करना असंभव होता। यही कारण है कि उन्होंने आखिरी क्षणों में रणनीति बदली और त्रिपुरा की एक गुमनाम पार्टी का दामन थाम लिया।

ममता बनर्जी। फाइल

नेपथ्य में नहीं, बल्कि खुलेआम 'कमल' का हाथ

इस ड्रामे की पटकथा के असली सूत्रधार भाजपा के शीर्ष रणनीतिकारों को माना जा रहा है। बागी सांसदों की पहली गुप्त बैठक से लेकर पिछले एक हफ्ते की हर छोटी-बड़ी बैठक केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के दिल्ली स्थित सरकारी बंगले पर हुई थी। भाजपा ने इन सांसदों को सीधे अपने दल में शामिल न कर एक अचूक रणनीति अपनाई है। अगर सीधे विलय कराया जाता तो इसका बंगाल भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ समर्थकों में एक गलत संदेश जाता। माकपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता विकास रंजन भट्टाचार्य का कहना है कि भाजपा इन चेहरों को अपने पाले में लाने से ज्यादा उनके संख्याबल का इस्तेमाल करने की इच्छुक है। इस रणनीतिक विलय के जरिए भाजपा बिना किसी कानूनी या नैतिक जोखिम के संसद के आगामी सत्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण विधेयकों पर इन 20 सांसदों के मतों का सुनिश्चित समर्थन हासिल कर लेगी।

'हम हैं बंगाल में नंबर वन'

अब तक जिस पार्टी के नाम से राजनीतिक हलके पूरी तरह अनजान थे, उसने सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। फेसबुक पर एनसीपीआइ के नए आधिकारिक पेज पर खुद को संसद में 'बंगाल की सबसे बड़ी पार्टी' घोषित कर दिया है। पार्टी ने लिखा कि लोकसभा में अब एनसीपीआइ के पास 20 सांसद हैं, जबकि भाजपा के पास 12, तृणमूल के पास घटकर महज आठ और कांग्रेस के पास एक सांसद रह गया है। इस तरह तकनीकी रूप से एनसीपीआइ ने खुद को दिल्ली के दरबार में बंगाल की सबसे मजबूत आवाज के रूप में पेश किया है।

हावड़ा में एनसीपीआइ दफ्तर पर केंद्रीय बल का पहरा

दिल्ली में तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों के पाला बदलते इस बगावत के मुख्य चेहरों में शामिल उत्तर कोलकाता के सांसद सुदीप बनर्जी की सुरक्षा को केंद्र सरकार ने तत्काल बढ़ाते हुए उन्हें वाई कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया करा दी है। रातों-रात चर्चा में आई एनसीपीआइ के हावड़ा स्थित मुख्य कार्यालय पर भी केंद्रीय सुरक्षा बलों का कड़ा पहरा बैठा दिया गया है।

आंतरिक कलह और कांग्रेस से 'खतरे' की टाइमिंग

इस अप्रत्याशित विलय से एनसीपीआइ के भीतर भी एक नई कलह शुरू हो गई है। संस्थापक सदस्य और नेशनल आर्गेनाइजिंग जनरल सेक्रेटरी शांतनु दे ने इसे अपनी ही पार्टी के अध्यक्ष उतीयो कुंडू द्वारा किया गया 'विश्वासघात' करार दिया है। खुद को आरएसएस और भाजपा की विचारधारा का सिपाही बताने वाले शांतनु दे का आरोप है कि उन्हें बिना बताए यह सौदा किया गया। हालांकि, पूर्व अध्यक्ष शिउली कुंडू ने इस फैसले का स्वागत किया है। इसमें टाइमिंग भी बेहद दिलचस्प है। हाल ही में दिल्ली में गांधी परिवार के साथ ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की अलग-अलग बैठकों के बाद तृणमूल के कांग्रेस में विलय की अफवाहें तेज थीं।

बंगाल में छह वर्ष पूर्व नड्डा के काफिले पर हुए हमले की फाइल खुली दोबारा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: पुलिस ने बंगाल के डायमंड हार्बर में वर्ष 2020 में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हुए हमले के मामले की फाइल दोबारा खोल दी है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि उस समय जांच में कई महत्वपूर्ण पहलुओं की ठीक से पड़ताल नहीं हुई थी, जिसके कारण आरोपितों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। नड्डा के काफिले पर हमले की एफआइआर में टीएमसी नेता जहांगीर खान का नाम भी शामिल था।

पुलिस अब जहांगीर खान समेत हमले में कथित रूप से शामिल सभी आरोपितों की भूमिका और तथ्यों की फिर से जांच कर उन पर शिकंजा कस सकती है। बता दें कि यह हमला दिसंबर 2020 में दक्षिण 24 परगना जिले के शिराकोल इलाके में उस समय हुआ था, जब नड्डा एक राजनीतिक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे। उनके साथ भाजपा के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार भी मौजूद थे।

घटना के बाद दिलीप घोष ने दावा किया था कि यदि काफिले में बुलेटप्रूफ वाहन नहीं होता तो जानमाल का गंभीर नुकसान हो सकता था। नई राज्य सरकार ने सत्ता संभालने के बाद घोषणा की थी कि सभी अधूरी और लंबित आपराधिक जांचों की फाइलें दोबारा खोलकर जांच कराई जाएगी।

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका देने का दावा

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

मुंबई: महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बड़ा भूचाल आने के संकेत मिल रहे हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा विपक्षी खेमे में सेंधमारी के लिए चलाए जा रहे 'आपरेशन टाइगर' के अब अपने अंतिम और निर्णायक चरण में पहुंचने की चर्चा तेज हो गई है। इस रणनीति के तहत उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) में एक और बड़ी टूट का दावा किया जा रहा है।

शिंदे गुट के एमएलसी कृपाल तुमाने ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया है। उनके मुताबिक, रविवार को उद्धव ठाकरे के मुंबई स्थित निजी आवास 'मातोश्री' पर बुलाई गई संसदीय दल की बैठक में लोकसभा के जो सांसद व्यक्तिगत रूप से नहीं पहुंचे थे, उनमें से दो सांसद सीधे तौर पर उनके संपर्क में बने हुए हैं। कृपाल तुमाने ने आंकड़ों के साथ दावा किया कि संसद के आगामी मानसून सत्र के शुरू होने से पहले ही शिवसेना (यूबीटी) के नौ में से सात लोस सदस्य पाला बदलकर शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो जाएंगे। दलबदल कानून की पेचीदगियों से बचने के लिए रणनीति पूरी तरह तैयार कर ली गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह टूट केवल संसद तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसका सीधा असर महाराष्ट्र विधानसभा पर भी पड़ने जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान या उसके ठीक बाद शिवसेना (यूबीटी) के 20 में से 16 विधायक भी उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में आस्था जताएंगे।

इस संभावित टूट की सुगबुगाहट के बीच रविवार को उद्धव ठाकरे ने डैमेज कंट्रोल के लिए 'मातोश्री' पर आनन-फानन में अपने सभी लोकसभा सांसदों की एक आपात बैठक बुलाई थी। लेकिन इस बेहद महत्वपूर्ण बैठक ने उद्धव गुट की चिंताएं और बढ़ा दीं, क्योंकि कुल नौ लोकसभा सांसदों में से केवल चार सांसद ही भौतिक रूप से बैठक में शामिल होने पहुंचे। यद्यपि पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने सफाई देते हुए दावा किया कि शेष पांच सांसद आनलाइन जुड़े थे और पार्टी में कोई अंतर्विरोध नहीं है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इस अनुपस्थिति को बड़ी बगावत की रूपरेखा के रूप में देखा जा रहा है। दूसरी ओर अपने बेहद करीबियों और सांसदों के डगमगाते हौसले को देखकर उद्धव ठाकरे ने भी बेहद तल्ख और भावुक रुख अख्तियार कर लिया है। रविवार को हुई बैठक में उन्होंने अपने सांसदों को स्पष्ट शब्दों में अल्टीमेटम देते हुए कहा कि जो भी दल छोड़कर जाना चाहता है, वह सहर्ष जा सकता है। मैं किसी को जबरदस्ती रोकने वाला नहीं हूं। उद्धव ठाकरे ने अपनी बेबसी और भविष्य के आक्रामक इरादों को जाहिर करते हुए आगे कहा कि यह सच है कि अभी समय हमारे साथ नहीं है, परिस्थितियां विपरीत हैं।

▸ 'आपरेशन टाइगर' के अपने अंतिम और निर्णायक चरण में पहुंचने की चर्चा

उद्धव ठाकरे। फाइल

लोकसभा चुनाव लड़े बिना 20 सांसदों वाली पार्टी होगी एनसीपीआइ

नई दिल्ली, प्रेट्र : तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी लोकसभा सदस्यों द्वारा विलय की घोषणा से पहले नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी आफ इंडिया (एनसीपीआइ) का नाम बहुत कम लोगों ने सुना होगा। लेकिन, तृणमूल के बागी सांसदों ने जबसे एनसीपीआइ का दामन थामा है, उसके बाद से यह कम जानी-पहचानी पार्टी अचानक राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गई है। लोकसभा चुनाव लड़े बिना यह 20 सांसदों वाली पार्टी बन जाएगी।

लोकसभा अध्यक्ष इस विलय को मंजूरी दे देते हैं, तो एनसीपीआइ लोकसभा में छठी सबसे बड़ी पार्टी होगी। सत्तारूढ़ राजग में यह भाजपा के बाद दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बन जाएगी, जो तेदेपा (16 सांसद) और जदयू (12 सांसद) से काफी आगे होगी। यह अलग बात है कि इस पार्टी के पास वर्तमान में सांसद या विधायक तो दूर, कोई स्थानीय निकाय पार्षद तक नहीं है। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में एनसीपीआइ के पास कैश के तौर पर सिर्फ 75 रुपये बचे थे। यह जानकारी पार्टी की ओर से चुनाव आयोग को सौंपी गई सालाना आडिट रिपोर्ट में सामने आई है।

▸ तृणमूल के बागियों ने की है पार्टी में विलय की घोषणा, राष्ट्रीय स्तर पर आई सुर्खियों में

▸ स्पीकर यदि विलय को मंजूरी देते हैं, तो यह लोकसभा में छठी सबसे बड़ी पार्टी होगी

एनसीपीआइ का एक्स हैंडिल। इंटरनेट मीडिया

बंगाल में रजिस्ट्रेशन, त्रिपुरा से चुनावी पारी की शुरुआत

20 जनवरी, 2023 को नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी आफ इंडिया (एनसीपीआइ) को रजिस्टर किया गया था। इसे निर्बंधित गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का दर्जा दिया गया था। बंगाल में रजिस्टर्ड होने के बावजूद पार्टी ने त्रिपुरा में चुनावी मैदान में उतरने का फैसला किया। पार्टी को कुल 1.13 लाख रुपये का चंदा मिला। पार्टी के दस्तावेज में शेवली कुंडू का नाम कोषाध्यक्ष के तौर पर दर्ज है। वह उन दो संस्थाओं में भी निदेशक हैं, जो उसी पते पर रजिस्टर्ड है, जहां पार्टी का पता है। इन तीनों संस्थाओं का रजिस्टर्ड पता बंगाल के हावड़ा जिले के बानीपुर इलाके में है। पार्टी के अध्यक्ष उत्तमिया कुंडू हैं, जो शेवली कुंडू के पति हैं। एक फेसबुक पोस्ट में उत्तमिया कुंडू ने बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ एक तस्वीर शेयर की थी।

कभी दिया था 'दलबदलुओं को नकारें' का नारा

इसे एक राजनीतिक विडंबना ही कहेंगे कि तीन साल पहले जिस पार्टी ने 'दलबदलुओं को नकारें' का नारा दिया था, आज वही तृणमूल कांग्रेस के बागी नेताओं का स्वागत कर रही है। इस दल ने 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 'अपने अधिकारों की रक्षा के लिए राजनीतिक दल-बदलुओं को नकारें' के नारे के साथ चार उम्मीदवार उतारे थे। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी आफ इंडिया ने 2023 के त्रिपुरा चुनाव में चार सीटों—चावामानु, अंबासा, करमचारा और कैलाशहर से चुनाव लड़ा था। इन सीटों पर उसके उम्मीदवार या तो 'नोटा' से भी पीछे रहे या उन्हें 'नोटा' से बस कुछ ही ज्यादा वोट मिले। विधानसभा चुनाव में 536 वोट पाने वाले चावामानु से उम्मीदवार बरजेदा त्रिपुरा से जब प्रेट्र ने संपर्क किया तो उन्होंने तृणमूल के बागियों के विलय की खबर पर हैरानी जताई। कहा कि मैंने 2023 में चुनाव लड़ा था। अब तीन साल बाद क्या हुआ है?

ममता के आवास से निकलते समय कुणाल घोष पर फेंका गया सड़ा अंडा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास के बाहर सोमवार को तृणमूल विधायक कुणाल घोष पर सड़े अंडे से हमला किए जाने की घटना सामने आई। बेलेघाटा से विधायक कुणाल घोष पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक के बाद ममता के आवास से बाहर निकल रहे थे, तभी एक युवक ने उन पर अंडा फेंक दिया।

युवक हाथ में अंडा लेकर पहले से ही कुणाल के इंतजार में खड़ा था। उसने अपना नाम चंदन बताते हुए दावा किया कि वह कालीघाट का निवासी है। युवक ने कुणाल के खिलाफ कई आरोप लगाते हुए कहा कि विरोध दर्ज कराने के लिए उसने यह कदम उठाया है।

उसने कहा कि ऐसे नेताओं को सड़े अंडे ही मिलने चाहिए। कुणाल ने कहा कि यह पूरी तरह सुनियोजित शरारत और असभ्यता है। उन्होंने सवाल उठाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के आवास के बाहर सुरक्षा व्यवस्था मौजूद रहने के बावजूद हमलावरों को घटना के बाद वहां से जाने कैसे दिया गया।

कांग्रेस को राष्ट्रवादियों से दिक्कत है, कट्टरपंथी तत्वों से नहीं: भाजपा

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम में शनिवार को केरलम के तीन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के शामिल होने पर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी बयानबाजी हो रही है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने तिरुअनंतपुरम में आरएसएस के शताब्दी कार्यक्रम में केरल विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय और मलयालम विश्वविद्यालय के कुलपतियों के शामिल होने की आलोचना की और कहा कि वे जनता से माफी मांगें। इसके जवाब में भाजपा ने कांग्रेस पर पाखंड और दोहरे मानदंड का आरोप लगाया। कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रवादियों से दिक्कत है, कट्टरपंथी तत्वों से नहीं।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस को इस बात पर आपत्ति है कि कुलपति एक "राष्ट्रवादी संगठन" के कार्यक्रम में शामिल हुए, जबकि वह खुद मुस्लिम लीग, जमात और एसडीपीआइ जैसे संगठनों से समर्थन लेती रही है। यह पाखंड की हद है। केरलम में मुस्लिम लीग के नियंत्रण में चल रही कांग्रेस को कट्टरपंथी विचार रखने वाले संगठनों से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वह राष्ट्रवादी संगठनों को निशाना बनाती है। कांग्रेस को ऐसे लोगों से भी कोई दिक्कत नहीं है, जो इस्लामिक गणराज्य चाहते हैं और नक्सलियों को बलिदानी कहते हैं। केरल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में दावा किया कि अब तक सिर्फ तीन कुलपतियों ने मोहन भागवत के कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। मुख्यमंत्री का कार्यकाल खत्म होने से पहले राज्य के बाकी सभी कुलपति भी उनके कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

इससे पहले मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा था कि यह कदम केरलम की शैक्षिक परंपरा और कुलपतियों के पद की गरिमा के अनुकूल नहीं है। केरलम के लोग कुलपतियों का बहुत सम्मान करते हैं। सांप्रदायिकता का प्रचार करने वाले नेता के कार्यक्रम में शामिल होकर उन्होंने उस सम्मान को कम किया है। सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाला कोई भी काम स्वीकार्य नहीं है। गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने इसे बहुत गंभीर और अस्वीकार्य गलती बताया। कहा कि यह घटना ऐसे समय में हुई है जब सरकार केरलम के अकादमिक क्षेत्र को भगवा रंग में रंगने की संघ परिवार की कोशिशों का विरोध कर रही है।

▸ भागवत के कार्यक्रम में केरलम के कुलपतियों के शामिल होने पर विवाद

शहजाद पूनावाला। फाइल

कर्नाटक के बाद केरलम में भी महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा

तिरुअनंतपुरम, प्रेट्र : कांग्रेस-शासित कर्नाटक और तेलंगाना के बाद अब केरलम में भी महिलाओं को मुफ्त यात्रा का तोहफा मिला है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार का यह चुनाव के दौरान किया गया अहम वादा था। सोमवार को शुरू हुई इस योजना को मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने एक निर्णायक कदम बताया।

माकपा ने इस कदम का विरोध किया और कहा कि यह सुविधा कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की सिर्फ सामान्य बसों तक ही सीमित है, जबकि भाजपा ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि यूडीएफ ने अपना वादा पूरी तरह से लागू नहीं किया। प्रियदर्शिनी योजना की शुरुआत के साथ, केरलम भी उन दक्षिणी राज्यों में शामिल हो गया है (जिनमें कांग्रेस-शासित कर्नाटक और तेलंगाना भी हैं) जो महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा देते हैं। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु भी महिलाओं को ऐसी ही सुविधाएं देते हैं।

प्रियांक बोले, खुद को पंजीकृत कराए संघ, भागवत ने इसे राजनीति बताया

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर संगठन की कानूनी स्थिति और वित्तीय पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने संघ प्रमुख मोहन भागवत को एक खुला पत्र लिखकर आरएसएस से खुद को पंजीकृत करने, अपनी संपत्ति, आय-व्यय के स्रोतों को सार्वजनिक करने और संवैधानिक जवाबदेही तय करने की मांग की है। उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने उनकी इन मांगों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया।

इंटरनेट मीडिया पर अपना पत्र साझा करते हुए प्रियांक ने कहा कि देश-विदेश में 60 हजार से अधिक शाखाएं और करोड़ों स्वयंसेवक होने का दावा करने वाले संगठन को पारदर्शिता और कानून का पालन करना चाहिए। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की 2025-26 की रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में आरएसएस की 4,127 दैनिक शाखाएं और हजारों अन्य कार्यक्रम होते हैं। इतनी बड़ी जनभागीदारी और रूट मार्च जैसे आयोजनों को निजी या अनौपचारिक व्यवस्था नहीं माना जा सकता।

प्रियांक खरगे के मुख्य सवाल और मांगें: खरगे ने अपने पत्र में पूछा कि जब आम नागरिकों, एनजीओ, ट्रस्टों, मंदिरों और कंपनियों के लिए पंजीकरण और कानून का पालन अनिवार्य है, तो आरएसएस को इससे छूट क्यों मिलनी चाहिए? उन्होंने संघ से निम्नलिखित जानकारियां सार्वजनिक करने का आग्रह किया - संगठन की कानूनी स्थिति, संरचना और अधिकृत पदाधिकारियों के विवरण। दान, आय के स्रोत, कुल संपत्ति और खर्च का ब्यौरा। सार्वजनिक कार्यक्रमों, सामूहिक सभाओं और रूट मार्च के लिए ली जाने वाली मंजूरियां। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रवाद और अनुशासन की बात करने वाले संगठन को खुद भी संविधान के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। उन्होंने शताब्दी वर्ष को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि 'संवैधानिक आत्मनिरीक्षण' के तौर पर मनाने की सलाह दी।

केरलम के त्रिशूर में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने स्पष्ट किया कि संघ कोई गुप्त संगठन नहीं है और इसकी सभी गतिविधियां खुले मैदानों में जनता के सामने होती हैं। भागवत ने कहा, "संघ को छिपाने के लिए कुछ नहीं है। हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है और सरकार को अच्छी तरह पता है कि संघ का अस्तित्व है।" उन्होंने याद दिलाया कि संघ पर पहले दो बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है, जो इस बात का सबूत है कि सरकार इसकी पहचान से वाकिफ है। उन्होंने बताया कि संघ ने 1950 में ही अपना लिखित संविधान सरकार को सौंप दिया था और पिछले 100 वर्षों में किसी भी प्राधिकरण ने पंजीकरण के लिए दबाव नहीं डाला।

▸ कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने संघ प्रमुख को पत्र लिखकर की मांग

▸ भागवत का पलटवार- संघ कोई गुप्त संगठन नहीं है

प्रियांक खरगे। फाइल

> जब आम नागरिकों, एनजीओ, ट्रस्टों, मंदिरों और कंपनियों के लिए पंजीकरण और कानून का पालन अनिवार्य है, तो आरएसएस को इससे छूट क्यों मिलनी चाहिए?
> – कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे

> संघ को छिपाने के लिए कुछ नहीं है। हिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है और सरकार को अच्छी तरह पता है कि संघ का अस्तित्व है। ऐसी मांगों का मकसद केवल संघ के काम में बाधा डालना है।
> – संघ प्रमुख मोहन भागवत

महारैली

'शिक्षा बचाओ, देश बचाओ' महारैली से कल कोटा में आंदोलन की शुरुआत, नीट पेपरलीक, सीबीएसई विवाद पर युवाओं को सरकार विरुद्ध गोलबंद करेंगे

शिक्षा-परीक्षा-रोजगार बनेगा राहुल गांधी का औजार

संजय मिश्र ● जागरण

जनता से जुड़े मुद्दों-सवालों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस के आंदोलन का पहला चरण युवाओं को उद्वेलित कर रहे पेपर लीक-सीबीएसई मार्किंग विवाद, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और महंगाई जैसे मुद्दे पर विशेष रूप से केंद्रित होगा। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी 17 जून को राजस्थान के कोटा से 'शिक्षा बचाओ, देश बचाओ' महारैली के जरिये इस आंदोलन की शुरुआत करते हुए शासन व्यवस्था द्वारा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किए जाने और इसके खिलाफ प्रतिरोध की आवाजों को कुचलने के प्रयासों को जोर-शोर से उठाएंगे। युवाओं को फोकस करते हुए राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरू होने जा रहे इस आंदोलन से साफ है कि बीते दिनों पेपर लीक के चलते रद नीट परीक्षा और सीबीएसई-आनलाइन मार्किंग प्रणाली जैसे मुद्दे पर आनलाइन जन्मी कारोरोच जनता पार्टी के प्रति जेन-जी के हैरतअंगेज समर्थन को देखते हुए मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस युवाओं को सरकार के खिलाफ गोलबंद करने के दिख रहे मौके को चूकना नहीं चाहती।

देश के युवाओं का मिजाज भांपते हुए कांग्रेस ने राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन अप्रत्याशित रूप से रद किए जाने की पृष्ठभूमि में प्रदेश अध्यक्षों की बैठक बुलाकर पहले चरण के आंदोलन की घोषणा की गई। मगर आंदोलन की जो रूपरेखा तैयार की है उससे साफ है कि इसमें युवाओं को उद्वेलित करने वाले मुद्दों पर कांग्रेस का जोर रहेगा। इसी रणनीति के तहत पहले चरण के आंदोलन के लिए कांग्रेस ने देश में शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के सबसे बड़े केंद्र माने जाने वाले कोटा, प्रयागराज, पटना और दिल्ली को चुना है जहां युवाओं से राहुल गांधी का बड़े स्तर पर सीधे संवाद का कार्यक्रम रखा गया है। नेता विपक्ष ने कोटा के कार्यक्रम में पेपर लीक, शिक्षा और रोजगार के सवालों को उठाने के लिए सोमवार को युवाओं से जुड़ने की अपील कर पार्टी की रणनीति को और स्पष्ट कर दिया। इस संदर्भ में एक्स पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा 'देश के हर युवा से मेरी एक बात-आज इस देश में मेहनत का फल नहीं, सपने देखने की सजा मिलती है। हर पेपर लीक, हर रद परीक्षा, हर अधूरी भर्ती, सिर्फ सिस्टम की विफलता नहीं, लाखों सपनों पर प्रहार है। मैं जानता हूं आप थक चुके हैं। गुस्से में हैं पर याद रखिए जब सरकार सुनने को तैयार न हो, तब आवाज ऊंची करनी पड़ती है। इसलिए मैं आप सबको बुला रहा हूं 17 जून, कोटा। आइए, मिलकर एक ऐसी हुंकार बनें जिसे अनसुना करना नामुमकिन हो। कोटा से शुरुआत फिर देश के हर कोने तक। ये आपके भविष्य की लड़ाई है और मैं आपके साथ हूं।'

युवाओं के सवालों को लेकर मोदी सरकार को घेरने की राहुल गांधी की शुरू होने जा रही यह पहल इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि बीते आठ जून को विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए की बैठक में कई दलों के नेताओं ने युवाओं की काकरोच जनता पार्टी की आनलाइन मुहिम के प्रति दिखाए समर्थन को सरकार से बढ़ती निराशा-नाराजगी का प्रतीक बताते हुए विपक्ष के युवाओं की आवाज बनने की बात कही थी।

राहुल गांधी। फाइल

SABSE BADI DEALS, SABSE BADA FAAYDA!
JOIN INDIA'S MOST TRUSTED
DEALS CHANNEL
Loot Blink
SAVE MORE SPEND LESS!
100% REAL DEALS
LIMITED TIME OFFERS
BEST PRICES GUARANTEED
SAB PE BADI BACHAT!
UP TO 90% DISCOUNT DEALS
BIGGEST DISCOUNTS • BEST BRANDS • LIMITED STOCK
LIMITED STOCK
JOIN KARO AUR PAO SABSE BADI LOOT DEALS!
boat Airdopes 141 TWS Earbuds
₹2,990
₹249
92% OFF
YOU SAVE ₹2,741
Noise Pulse 2 Smart Watch
₹4,999
₹349
93% OFF
YOU SAVE ₹4,650
iPhone 13 128GB
₹59,900
₹5,399
91% OFF
YOU SAVE ₹54,501
SAMSUNG
32" HD Smart TV
89% OFF
YOU SAVE ₹25,800
realme
Narzo N55 (6GB+128GB)
₹13,999
₹799
94% OFF
YOU SAVE ₹13,200
ASUS
Vivobook 15 (i3 12th Gen, 8GB/512GB SSD)
90% OFF
YOU SAVE ₹40,491
GREEN SOUL
Office Chair Ergonomic
₹14,999
₹1,499
92% OFF
YOU SAVE ₹17,500
SAMSUNG
980 500GB NVMe SSD
₹6,999
91% OFF
YOU SAVE ₹6,400
WILDCRAFT
Backpack
₹1,999
₹149
93% OFF
YOU SAVE ₹1,850
PHILIPS
Trimmer Series 3000
₹1,995
₹199
90% OFF
YOU SAVE ₹1,796
AGARO
Air Fryer 4.5L
₹6,999
₹699
90% OFF
YOU SAVE ₹6,300
PUMA
Men's Running Shoes
₹3,999
91% OFF
YOU SAVE ₹3,650
ZEBRONICS
Study Headphones with Mic
₹1,499
₹169
89% OFF
YOU SAVE ₹1,330
PORTABLE
Laptop Table Foldable
₹1,299
₹129
90% OFF
YOU SAVE ₹1,170
boAt
Stone 650 Bluetooth Speaker
₹3,999
₹199
95% OFF
YOU SAVE ₹3,800
UPTO 90% OFF ON TOP BRANDS
PRICE DROP ALERTS BE THE FIRST TO KNOW
100% GENUINE PRODUCTS
FAST DELIVERY ACROSS INDIA
DEALS ITNI BADI, KI CHOOK GAYE TO PACHTAOGE!
ABHI JOIN KARO AUR LOOTNA SHURU KARO!
JOIN OUR WHATSAPP CHANNEL
Instant Deal Alerts
Exclusive Offers
Limited Stock Updates
CLICK HERE
JOIN OUR TELEGRAM CHANNEL
Latest Deals & Offers
Price Drops Alerts
Limited Time Offers
CLICK HERE
SAVE TIME SHOP SMART
SAVE MONEY LIVE BETTER
SMART CHOICES. BRIGHTER FUTURE!
SHOP SMART. SAVE BIG. SHINE BRIGHT.
JOIN 1 LAKH+ SMART SHOPPERS & SAVE THOUSANDS EVERY MONTH!

6 हजार रुपये में बिहार के पांच पर्यटन स्थल का भ्रमण पर्यटकों को हेलीकाप्टर से कराने की घोषणा की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को। इसके लिए अनुदान का प्रविधान किया गया है।

री-नीट पेपर के नाम पर 1000 से अधिक छात्र ठगे

अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने राजस्थान से की दो आरोपितों की गिरफ्तारी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को राजस्थान के दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है जो एक अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी का नेटवर्क चला रहे थे। यह नेटवर्क छात्रों और उनके माता-पिता को री-नीट एग्जाम के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का झूठा वादा करता था और फिर उनसे पैसे ठगता था। जांच में सामने आया है कि एक हजार से अधिक छात्रों से ठगी की गई है। पुलिस ने आरोपित जयपुर निवासी सुमेर सिंह मीणा और कोटा के निवासी आकाश मीणा को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। उन पर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और आइटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आइएएनएस के अनुसार, अहमदाबाद पुलिस के संयुक्त आयुक्त (अपराध) शरद सिंघल ने कहा कि री-नीट परीक्षा का कोई प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि आरोपितों ने टेलीग्राम पर बनाए गए ग्रुपों के माध्यम से यह दर्शाया कि उनके पास 21 जून को होने वाली नीट-यूजी की फिर से होने जा रही परीक्षा का प्रश्न पत्र है और इसी के नाम पर उन्होंने छात्र से धन ऐंठा। उन्होंने कहा कि इंटरनेट मीडिया चैनलों का इस्तेमाल झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए किया गया और फिर साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया।

प्रेट्र के अनुसार, आरोपितों के विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से लगभग 1.50 करोड़ रुपये के लेन-देन किए जाने की जानकारी मिली है। जांच में यह भी पाया गया कि आरोपित टेलीग्राम चैनलों और " ट्रेड विद कारोल" और "पंकज भारद्वाज" नामक ग्रुपों के जरिये निवेश से संबंधित साइबर धोखाधड़ी में भी शामिल थे। ये ग्रुप लोगों को हाई रिटर्न का वादा करके निवेश करने के लिए लुभाते थे और उनसे ठगी करते थे।

1.50 करोड़ के लेन-देन किए जाने की जानकारी, आरोपित निवेश से संबंधित साइबर धोखाधड़ी में भी शामिल थे

प्रतीकात्मक

छात्रों के रिफंड की ठगी की बड़ी साजिश नाकाम, बिहार से युवक गिरफ्तार

अहमदाबाद से आइएएनएस के अनुसार अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच और एनटीए ने मिलकर नीट-यूजी 2026 के छात्रों को निशाना बनाने वाली साइबर धोखाधड़ी की एक बड़ी कोशिश को नाकाम किया है और इस मामले में बिहार निवासी 19 वर्षीय नवीन को गिरफ्तार किया है। आरोपित परीक्षा फीस रिफंड के पैसे को छात्रों के खातों से उड़ाकर अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करने की कोशिश कर रहा था। उसने कमजोर पासवर्ड और पासवर्ड रिकवरी सिस्टम की कमियों का फायदा उठाकर नीट उम्मीदवारों के पोर्टल अकाउंट्स का अनधिकृत एक्सेस हासिल किया। एनटीए के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी द्वारा दी गई डिजिटल कड़ियों, तकनीकी जांच और बैंक खातों के रिकार्ड के आधार पर पुलिस ने आरोपी को बिहार से ढूंढ निकाला। जांच में सामने आया कि आरोपित ने एक छात्र की जानकारी का इस्तेमाल करके एक फर्जी आइडी बनाई। इसके बाद उसने उस छात्र की जानकारी के बिना नीट-यूजी 2026 के आनलाइन पोर्टल पर गलत तरीके से लागिन कर लिया। लागिन करने के बाद उसने उन छात्रों को चुना जो फीस रिफंड के हकदार थे और उनके बैंक अकाउंट की जगह अपना अकाउंट नंबर डाल दिया ताकि रिफंड का पैसा सीधे उसके अपने बैंक खातों में आ जाए।

चार लाख से अधिक छात्रों ने फिर से होने वाले नीट-यूजी के लिए प्रवेश पत्र डाउनलोड किए

नई दिल्ली, एएनआइ : नीट-यूजी की 21 जून को फिर से होने वाली परीक्षा के नजदीक आते ही चार लाख से अधिक छात्रों ने अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लिए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने एक एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। एनटीए ने सोमवार को कहा- "लगभग 4,00,000 छात्रों ने अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लिए हैं। हमारे सर्वरों पर लोड है मगर हमारी टीमें यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं कि सभी उम्मीदवार अपने प्रवेश पत्र बिना किसी परेशानी के डाउनलोड कर सकें।" इससे पहले शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि एनटीए ने पुन: परीक्षा में शामिल होने वाले नीट उम्मीदवारों को अतिरिक्त 15 मिनट देने का निर्णय लिया है। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि 21 जून को होने वाली परीक्षा सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित की जाएगी। सभी छात्र विश्वास बनाएं रखें और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। साथ ही उन्होंने समाज से भी सहयोग की अपील की।

री-नीट में सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन किया जाए

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सोमवार को दोबारा होने वाली नीट-यूजी के लिए राज्यों की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा में सुरक्षा प्रोटोकाल का सख्ती से पालन किया जाए। तीन मई को हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद रद कर दिया गया था, जिससे लाखों अभ्यर्थी निराश हो गए थे। दोबारा परीक्षा 21 जून को होनी है।

गोविंद मोहन ने विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करते हुए तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान छात्रों की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर विशेष ध्यान दिया गया। गृह सचिव ने निर्देश दिया कि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन किया जाए और परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी के आयोजित की जाए। बैठक में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन, स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और डाक विभाग के सचिव, सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, बीसीएएस और एनटीए के महानिदेशक तथा रक्षा मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से छात्रों की यात्रा आसान बनाने का अनुरोध किया गया।

मप्र में चार वर्ष पुराने मामले में उन्मादी भीड़ की हिंसा में 14 को उम्रकैद

नईदुनिया प्रतिनिधि, नर्मदापुरम

- नर्मदापुरम जिले में युवक की पीट-पीटकर कर दी गई थी हत्या
- अदालत ने मामले में सभी आरोपितों को ठहराया हत्या का दोषी

मध्य प्रदेश में नर्मदापुरम जिले के बरखड़ गांव में चार साल पहले हुई माब लिंचिंग (उन्मादी भीड़ की हिंसा) मामले में 14 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। सिवनी मालवा की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश तबस्सुम खान ने शुक्रवार को सभी आरोपितों को हत्या का दोषी ठहराया। इन लोगों ने गोवंश तस्करी के संदेह में नाजिर अहमद को पीट-पीटकर मार डाला था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, दो-तीन अगस्त, 2022 की दरमियानी रात को महाराष्ट्र के अमरावती जिले के तीन लोग गोवंश से भरा ट्रक लेकर महाराष्ट्र की ओर जा रहे थे। बरखड़ के पास स्थानीय गोरक्षकों के एक दल ने उनका पीछा कर रोका। गोवंश तस्करी का आरोप लगाकर ट्रक में सवार नजीर अहमद, शेख लाला और मुश्ताक की पिटाई शुरू कर दी। नजीर अहमद की मौत हो गई। जबकि ट्रक चालक शेख लाला और साथी मुश्ताक घायल हुआ। पुलिस ने पिटाई करने वालों के विरुद्ध हत्या और हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया। वहीं गोवंश को ले जा रहे लोगों के विरुद्ध गोवंश वध प्रतिषेध अधिनियम के प्रविधानों के तहत अलग से मामला दर्ज किया था। नजीर अहमद के शव के पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गहरे घाव, खोपड़ी में फ्रैक्चर और पूरे शरीर पर अनेक चोटों का उल्लेख था। कोर्ट ने इसे अत्यंत क्रूरता के साथ किया हमला बताया।

प्रतीकात्मक

दोषियों के स्वजन ने पुलिस प्रिजन वैन को घेरा

कोर्ट के सजा के आदेश के बाद पुलिस ने 14 दोषियों को हिरासत में ले लिया। इसकी सूचना मिलते ही कोर्ट परिसर में हंगामा हो गया। पुलिस जब इन्हें जेल ले जाने के लिए वैन में बैठा रही थी तो दोषियों के स्वजन विरोध करने लगे। कुछ लोग वाहन के आगे लेट गए तो कुछ ने दोषियों को छुड़ाने की कोशिश की। स्वजन का कहना था कि वे लोग तो गोसेवा के लिए गए थे, लेकिन उन्हें यह दिन देखना पड़ा।

हरिद्वार में भीषण जाम, 28 किमी रुड़की जाने में लगे सात घंटे

जागरण संवाददाता, रुड़की (हरिद्वार)

- धर्मनगरी में सोमवती अमावस्या स्नान पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने से हाईवे पर रेंगे वाहन
- घंटों जाम में फंसी रहीं रोडवेज की बसें, शहर से हाईवे तक यातायात व्यवस्था लड़खड़ाई

सोमवती अमावस्या पर्व स्नान को देखते हुए प्रशासन की ओर से रोडवेज बसों को लक्सर होते हुए हरिद्वार के लिए संचालित किया गया था। रुड़की डिपो से सुबह छह बजे बस हरिद्वार के लिए रवाना हुई। यह बस सात घंटे बाद हरिद्वार पहुंच पाई। सुबह कोटद्वार जाने वाली बस सेवा करीब दो घंटे बाद लक्सर पहुंची। सुबह साढ़े 10 बजे हल्द्वानी को संचालित बस भी जाम में फंस गई। अन्य राज्यों के डिपो की बसें भी जाम में फंसी रहीं। इस कारण यात्रियों को खासी दिक्कतें हुईं। श्रद्धालुओं के उमड़ने से हरिद्वार में सुबह से शाम तक जाम लगा रहा। इससे प्रशासन के सभी इंतजाम धरे रह गए।

सोमवती अमावस्या पर्व स्नान के कारण श्रद्धालुओं की भीड़ से सोमवार को हरिद्वार-दिल्ली हाईवे पर घंटों जाम लगा रहा। जागरण

बीकानेर में किडनी प्रकरण के बाद 33 प्रकार के दवाओं पर रोक

जासं, जयपुर : बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में पिछले दो सप्ताह में प्रसव के बाद छह प्रसूताओं की किडनी खराब होने का मामला सामने आया था। अब प्रसूताओं के इलाज में इस्तेमाल किए गए 33 प्रकार के दवाओं, इंजेक्शन और खून के सैंपल को जांच के लिए चिकित्सा विभाग ने गाजियाबाद, जयपुर, मुंबई व पुणे की लैब में भेजे हैं। अगले दो से तीन दिन में रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है। इस बीच जिन दवाओं और इंजेक्शन से प्रसूताओं का उपचार किया गया था, उनका अब इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। अब रिपोर्ट आने के बाद ही अधिकारिक तौर पर जानकारी मिल सकेगी कि किडनी खराब होने का कारण क्या था। अस्पताल अधीक्षक डा.बी.सी.घीया ने बताया कि ट्रांसफ्यूजन के दौरान उपयोग में लिए गए रक्त और की बेअदबी के खिलाफ जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सत्कार (संशोधित) अधिनियम 2026 को विधानसभा में सर्वसम्मति से पास किया था। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने इस अधिनियम के कुछ प्रविधानों पर सवाल उठाए थे। एसजीपीसी का कहना था कि इसके कुछ प्रविधान सिख परंपरा के विपरीत हैं। इससे सिख संगत गुरु घर से दूर हो जाएगी। पांचों सिंह साहिबान के फैसले को सुनाते हुए श्री अकाल तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने कहा कि एसजीपीसी ने सरकार की ओर से बनाए गए जागत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कानून 2026 के कुछ प्रविधानों पर कड़ी आपत्ति दिया गया था। 11 मई को श्री अकाल तख्त साहिब की तरफ से पंजाब सरकार को पत्र लिखकर आपत्तियां भी दर्ज कराई गई थीं, लेकिन सरकार ने जिद्दी रवैया अपनाते हुए सिख भावनाओं को पूरी तरह से नजरंदाज कर दिया।

पंजाब के सभी सिख विधायक और कैबिनेट 29 को श्री अकाल तख्त साहिब पर तलब

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- जत्थेदार ने पंजाब सरकार की ओर से वेअदबी विरोधी कानून में संशोधन नहीं करने पर दिया आदेश

श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने पंजाब विधानसभा के सभी सिख विधायकों व कैबिनेट को 29 जून को श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष तलब किया है। जत्थेदार ने यह आदेश अकाल तख्त की ओर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के खिलाफ सरकार की ओर से बनाए गए कानून में जरूरी संशोधन नहीं करने पर दिया है। ज्ञानी गड़गज ने यह आदेश सोमवार दोपहर को पांच सिंह साहिबान की बैठक के बाद श्री अकाल तख्त की फसील से सुनाया।

बता दें कि 13 अप्रैल 2026 को पंजाब सरकार ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी

श्री अकाल तख्त साहिब की फसील से आदेश जारी करते हुए श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज। साथ हैं ज्ञानी टेक सिंह, ज्ञानी अमरजीत सिंह, ज्ञानी परविंदरपाल सिंह व ज्ञानी केवल सिंह। राघव शिकारपुरिया >>

जताई थी। इस बारे में पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधावां को 8 मई को श्री अकाल तख्त में बुलाकर सिख भावनाओं के मुताबिक कानून में बदलाव करने के लिए 15 दिन का समय

आपत्तिजनक आडियो-वीडियो प्रकरण में जेल भेजे गए पूर्व विधायक राठौर

जागरण संवाददाता, देहरादून: अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़े कथित आडियो-वीडियो प्रकरण में नामजद हरिद्वार के ज्वालापुर से पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

इस संबंध में पांच जनवरी को भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम की ओर से डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि सुरेश राठौर व उर्मिला सनावर ने कुछ राजनीतिक दलों के साथ मिलकर साजिश के तहत झूठे व मनगढ़ंत आडियो-वीडियो तैयार कर उन्हें इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित किया, जिससे भाजपा और उसके वरिष्ठ नेताओं की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। शिकायत में यह आरोप भी लगाया गया था कि इन सामग्रियों के प्रसारण से प्रदेश में शांति व्यवस्था प्रभावित करने और सामाजिक तनाव पैदा करने की कोशिश की गई।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में ईडी ने अभिषेक बनर्जी से की 11 घंटे पूछताछ

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

- सीबीआइ की चार्जशीट में दर्ज 100 करोड़ रुपये जुटाने की योजना को लेकर भी पूछे गए सवाल

बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच में ईडी ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से मैराथन पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता स्थित सीजीओ काम्प्लेक्स में सुबह 11 बजे पहुंचे अभिषेक से पूछताछ में जांच एजेंसी ने कथित धनशोधन, वित्तीय लेनदेन, भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं तथा जांच में सामने आए विभिन्न साक्ष्यों के आधार पर उनसे सवाल किए। रात 10 बजे अभिषेक ईडी कार्यालय से निकले। उनसे लगभग 11 घंटे पूछताछ की गई।

ईडी अधिकारियों ने बैंक रिकार्ड, डिजिटल दस्तावेजों और अन्य आरोपितों के बयानों के आधार पर उनका पक्ष जाना। एजेंसी ने कथित अवैध धन के स्रोत, उसके संभावित प्रवाह और विभिन्न खातों व संस्थाओं के माध्यम से हुए लेन-देन से जुड़े पहलुओं पर भी जानकारी मांगी। जांच के दौरान पहले जमा कराए गए दस्तावेजों और बाद में जुटाए गए साक्ष्यों के बीच पाए गए अंतर को लेकर भी स्पष्टीकरण लिया गया। साथ ही अभिषेक बनर्जी से जुड़ी कंपनी लिप्स एंड बाउंड्स तथा अन्य व्यावसायिक संस्थाओं के वित्तीय लेनदेन के संबंध में भी जानकारी मांगी गई।

कोलकाता में सोमवार को पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय जाते तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी। प्रेट्र

100 करोड़ जुटाने की कथित योजना जांच के केंद्र में : ईडी की पूछताछ का एक प्रमुख आधार सीबीआइ की चार्जशीट में दर्ज वह कथित आडियो बातचीत रही, जिसमें शिक्षक भर्ती प्रक्रिया से जुड़े अभ्यर्थियों से 100 करोड़ रुपये जुटाने की योजना पर चर्चा होने का दावा किया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, वर्ष 2017 की इस कथित रिकार्डिंग में कालीघाट के काकू के नाम से चर्चित सुजयकृष्ण भद्र, तृणमूल के पूर्व युवा नेता शांतनु बनर्जी और कुंतल घोष के बीच बातचीत दर्ज होने का दावा किया गया था। बातचीत में इस राशि के संभावित वितरण को लेकर भी चर्चा होने का दावा किया गया है। जांच एजेंसियों का कहना है कि इसी कथित बातचीत के आधार पर ईडी यह जानने की कोशिश कर रही है कि उसमें जिस 'अभिषेक' का उल्लेख किया गया था, उसका संबंध अभिषेक बनर्जी से है या नहीं। हालांकि इन आरोपों की सत्यता का अंतिम निर्णय अदालत में होना बाकी है।

पीएम की अपील से प्रेरित बेटे की शादी के लिए सोना नहीं खरीदेगा परिवार

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील से प्रेरित होकर महाराष्ट्र के वर्धा जिले के पुलगांव निवासी सतीश गौरीशंकर चौबे का परिवार बेटे की शादी में सोने के आभूषण नहीं खरीदेगा। यह परिवार मूल रूप से राजस्थान के झुंझुनूं से वर्षों पहले महाराष्ट्र आकर बस गया था। सतीश के साफ्टवेयर इंजीनियर बेटे यश का विवाह एक जुलाई को होना है। इस संबंध में सतीश ने पीएम को पत्र लिखकर परिवार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि होने वाली बहू के लिए नया मंगलसूत्र खरीदने पर चर्चा चल रही थी, लेकिन उनकी पत्नी सीमा ने अपना ही मंगलसूत्र पालिश और मरम्मत कराकर बहू को उपहार में देने का निर्णय किया। अपने पत्र में सतीश ने लिखा कि यह सिर्फ पैसा बचाने का मामला नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय हित में जिम्मेदार खर्च की भावना को अपनाने का प्रयास है। पीएम मोदी ने 10 मई को हैदराबाद की एक रैली में विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक वर्ष तक सोने की खरीद और विदेश यात्रा टालने, ईंधन के विवेकपूर्ण इस्तेमाल की अपील की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने दीपक प्रकाश को बिहार में दोबारा मंत्री बनाने पर मांगा जवाब

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- बिना निर्वाचित हुए दीपक प्रकाश को दोबारा मंत्री बनाने को सुप्रीम कोर्ट में दी गई है चुनौती

बिहार के पंचायती राज मंत्री और राजग साथी उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बगैर निर्वाचित हुए दीपक प्रकाश को दोबारा बिहार में मंत्री बनाए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर नोटिस जारी कर दीपक प्रकाश, बिहार सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। ये नोटिस प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने जारी किए। सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने पूछा कि क्या वह अभी भी मंत्री हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने इसका 'हां' में जवाब दिया।

दीपक प्रकाश को बगैर निर्वाचित हुए बिहार में दोबारा मंत्री बनाए जाने को राकेश कुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी है। इसमें कहा गया है कि दीपक प्रकाश विधान सभा या विधान परिषद के सदस्य नहीं हैं और बिना निर्वाचित हुए दोबारा मंत्री नियुक्ति किए गए हैं जो गलत है। संविधान के अनुच्छेद 164(4) के तहत गैर-विधायक को मंत्री बनने की छह महीने की छूट सिर्फ एक बार के लिए होती है।

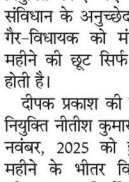

सुप्रीम कोर्ट

कहा, सिर्फ एक बार के लिए होती है गैर-विधायक को मंत्री बनने की छह महीने की छूट

दीपक प्रकाश की मंत्री पद पर पहली नियुक्ति नीतीश कुमार की सरकार में 20 नवंबर, 2025 को हुई थी। उन्हें छह महीने के भीतर विधायक या विधान परिषद सदस्य निर्वाचित होना था जिसकी अवधि 20 मई, 2026 को समाप्त हो रही थी। छह महीने पूरे होने से पहले ही 15 अप्रैल, 2026 को नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और सात मई, 2026 को सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने। नई सरकार में दीपक प्रकाश को फिर मंत्री बनाया गया है। याचिका में दीपक प्रकाश की दोबारा नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा गया है कि ऐसा करना गैर-विधायक को छह महीने के लिए मंत्री नियुक्त करने की संवैधानिक शक्ति को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ाना है।

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के एसआर चौधरी बनाम पंजाब राज्य के 2001 के फैसले का हवाला देते हुए कहा गया है कि अनुच्छेद-164(4) के तहत मिलने वाली छह महीने की छूट उसी विधानसभा के कार्यकाल में दोबारा नहीं ली जा सकती और न ही इसे फिर से शुरू किया जा सकता है। इसे इस्तीफे, कैबिनेट में फेरबदल, मुख्यमंत्री बदलने, मंत्रालय भंग होने या दोबारा नियुक्ति के जरिये रीसेट नहीं किया जा सकता।

आशंका

संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन की चेतावनी, कृषि और खाद्य सुरक्षा पर पड़ सकता है इसका बड़ा प्रभाव

अल नीनो के प्रभाव से भारत में कमजोर पड़ सकता है मानसून

नई दिल्ली, प्रेट्र: प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु संबंधी घटना अल नीनो का नया दौर शुरू हो गया है। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र की संस्था खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने चेतावनी दी है कि इसका भारत सहित एशिया के कई देशों की कृषि और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। विशेष रूप से भारत में मानसून कमजोर पड़ने की आशंका जताई गई है, जिससे धान और मक्का जैसी वर्षा आधारित खरीफ फसलों का उत्पादन प्रभावित हो सकता है।

एफएओ के अनुसार, अल नीनो के प्रभाव से भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। इससे खेती के लिए आवश्यक नमी में कमी आएगी और फसलों की वृद्धि के महत्वपूर्ण चरणों में उत्पादन पर दबाव बढ़ेगा। धान और मक्का जैसी फसलें मुख्य रूप से मानसूनी बारिश पर निर्भर होती हैं, इसलिए इनके उत्पादन में गिरावट की आशंका बनी हुई है।

संयुक्त राष्ट्र की इस एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अल नीनो का प्रभाव केवल कृषि क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर वैश्विक खाद्य बाजारों और कीमतों पर भी पड़ सकता है। उत्पादन में कमी आने से खाद्यान्न आपूर्ति प्रभावित होगी और कई देशों को आयात पर अधिक निर्भर होना पड़ सकता है।

भारत सहित इन देशों में सूखे का खतरा: एफएओ का विश्लेषण पिछले 41 वर्षों की उपग्रह तस्वीरों और जलवायु आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, फिलीपींस, इंडोनेशिया और तिमोर-लेस्ते जैसे देशों में सूखे का खतरा बढ़ सकता है। इन क्षेत्रों में कृषि पर निर्भर लाखों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा प्रभावित होने की आशंका है। रिपोर्ट में 2015-16 के अल नीनो का उदाहरण देते हुए बताया गया है कि उस दौरान भारत में मक्का उत्पादन में चार प्रतिशत और धान उत्पादन में एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

राजस्थान के चूरू में सोमवार दोपहर को आई भीषण आंधी के दौरान उठता धूल का गुबार पूरे क्षेत्र के पीछे दीवार की तरह दिखाई दिया। एएनआइ

किसानों पर पड़ेगा सीधा असर

एफएओ के प्राकृतिक संसाधन अधिकारी जार्ज अल्वार-बेल्ट्रान ने कहा कि कम बारिश का सबसे पहला और सीधा असर किसानों पर पड़ता है। फसलें खराब होने के बाद पशुधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी संकट में आ जाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा अल नीनो पहले के मुकाबले अधिक गंभीर साबित हो सकता है, क्योंकि वैश्विक तापमान पहले से ही रिकार्ड स्तर पर है और कई देश खाद्य असुरक्षा तथा आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

बालिग विवाहित जोड़े को अपनी मर्जी से साथ रहने का अधिकार: हाई कोर्ट

विधि संवाददाता, जागरण • प्रयागराज

- दंपती की याचिका पर सुनवाई, जरूरत पड़ने पर पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि बालिग पति-पत्नी को अपनी इच्छा के अनुसार शांतिपूर्ण वैवाहिक जीवन जीने का पूरा अधिकार है और किसी भी व्यक्ति को उनके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि दंपती को किसी प्रकार की धमकी, उत्पीड़न या परेशानी का सामना करना पड़ता है तो वे संबंधित पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक या पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस मामले की जांच कर आवश्यक सुरक्षा उपलब्ध कराएगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति कुनाल रवि सिंह की एकलपीठ ने बदायूं निवासी चांदनी और गुड्डू की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। दंपती ने अदालत से अपने वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप रोकने और सुरक्षा प्रदान करने की मांग की थी। अदालत को बताया कि उन्होंने 15 मई 2026 को बदायूं के पिपरौल स्थित आर्य समाज मंदिर में विवाह किया है।

संबंधित दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि बालिग व्यक्तियों को अपनी पसंद से विवाह करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है और ऐसे विवाह के कारण किसी प्रकार की धमकी, हिंसा या उत्पीड़न स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अदालत ने याचिका का निस्तारण करते हुए निर्देश दिया कि दंपती उत्तर प्रदेश विवाह पंजीकरण नियमावली-2017 के तहत दो माह के भीतर अपने विवाह का पंजीकरण कराएं।

11 करोड़ से अधिक बुजुर्ग बढ़ते देश में जलवायु संकट की मार झेल रहे हैं। हेल्पएज इंडिया की रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार, देश में 16 प्रतिशत बुजुर्गों के पास न कोई काम है और न ही आय का नियमित स्रोत, 55 प्रतिशत के पास खेती योग्य जमीन नहीं है, 49 प्रतिशत की मुख्य आय पेंशन पर निर्भर है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार, 16 जून, 2026

मंदिर प्रबंधन में अंतर्कलह ने खोली चढ़ावा चोरी

ट्रस्ट पदाधिकारी के ड्राइवर रहे व्यक्ति के रामजन्मभूमि परिसर में बढ़ते दखल से परेशान था एक धड़ा

इसी धड़े ने सूचनाएं जुटाकर ट्रस्ट पदाधिकारी को बताया, आरोपितों को रंगे हाथ पकड़वाने की बनाई रणनीति

लवलेश कुमार मिश्र • जागरण

अयोध्या : श्रीराम मंदिर के दानपात्रों की धनराशि चोरी करने का खेल शायद सामने भी नहीं आ पाता, यदि इसके सूत्रधार वे नहीं बनते, जो मंदिर प्रबंधन में दखल बढ़ाने को लेकर परेशान थे। इन्हीं लोगों ने रणनीति के तहत पहले सूचनाएं एकत्र कीं, फिर ट्रस्ट के एक पदाधिकारी को जानकारी देकर आरोपित को रंगे हाथ पकड़वाया। इसे छिपाने का प्रयास हुआ तो जानकारी लीक कर दी गई। सूत्र बताते हैं कि ट्रस्ट के एक पदाधिकारी के ड्राइवर रहे रामशंकर यादव 'टिन्नू' का बहुत कम समय में इतना हस्तक्षेप बढ़ गया कि वह न केवल राम मंदिर का प्रबंधन देखने लगा, बल्कि परिसर के अन्य आयोजनों व कार्यों का भी दायित्व संभालने लगा। इस दखल से उन्हीं पदाधिकारी के समर्थकों का एक धड़ा नाराज चल रहा था।

लंबे समय से विहिप से जुड़े होने के बाद भी मंदिर की व्यवस्था में ट्रस्ट से जुड़े कुछ लोग उतना प्रभावी नहीं हो पाए, जितना ड्राइवर टिन्नू हो गया। इसी बीच, इस धड़े के मुखिया को गणना के दौरान चढ़ावा चोरी की जानकारी मिली। पता चला कि यह गड़बड़ी लंबे समय से चल रही है। इस प्रकरण से उक्त ट्रस्ट पदाधिकारी को सूचित कर रंगे हाथ पकड़वाने के बारे में सोचा गया। गत पांच जून को दोपहर में अचानक ट्रस्ट पदाधिकारी रामजन्मभूमि के यात्री सुविधा केंद्र (पीएफसी) पहुंच गए। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने तुरंत सुरक्षाकर्मी को बुला कर निकलते समय एक गणना कर्मी की तलाशी करा दी, तो कुछ धन बरामद हो गया। उससे पीएफसी के कमरे में ले जाकर गहन पूछताछ हुई तो दूसरे लोगों के नाम भी सामने आ गए। इसी के बाद गणना कार्य से जुड़े अनुकल्प मिश्र, लवकुश, अविनाश शुक्ला, राजेश पाठक को रोका गया। बाथरूम से भी बड़ी नकदी मिली। यह सब देख ट्रस्ट पदाधिकारी आवेशित हो गए और सबके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने की चेतावनी देकर निकल गए। उन्हें मनाने व समझाने का प्रयास शुरू हुआ, इसी बीच कोई फोन आ गया और वह दबाव के चलते पीछे हट गए। हालांकि यह रणनीति जरूर बनी कि इन कर्मियों से पूछताछ कर पैसे बरामद कर लिए जाएं। बात बाहर न जाए, इसलिए विधिक कार्रवाई न कराई जाए। तबसे इसी रणनीति पर सारी प्रक्रिया चलती रही, परंतु उसी धड़े ने सारी जानकारी परिसर के बाहर लोगों को दे दी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव तक यह मामला पहुंचा, तो उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर दिया। तभी से चढ़ावा चोरी का प्रकरण सुर्खियों में छाया हुआ है।

दुर्गापुरी कालोनी स्थित इसी होटल में ट्रस्ट पदाधिकारी के ड्राइवर रहे व्यक्ति की है हिस्सेदारी। जागरण

सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर राम मंदिर चंदे में गड़बड़ी की जांच की मांग

नई दिल्ली, एएनआइ: भक्तों द्वारा दिए गए दान और चढ़ावे के प्रबंधन में अनियमितताओं और हेराफेरी के आरोपों को लेकर सुप्रीम कोर्ट को एक पत्र याचिका भेजी गई है। पत्र में मंदिर के दान को लेकर उठे सवालों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की गई है। वकील अनूप प्रकाश अवस्थी द्वारा भेजी गई इस पत्र याचिका में सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में कथित गड़बड़ियों की जांच के लिए एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दे। साथ ही मामले की जांच सीबीआइ जैसी एजेंसी से कोर्ट की निगरानी में कराने की मांग भी की गई है। पत्र में कहा गया है कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर देश के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक है, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु बड़ी मात्रा में दान और चढ़ावा अर्पित करते हैं। ऐसे में मंदिर के धन के संग्रह, लेखा-जोखा, संरक्षण और खर्च में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि मंदिर में दान प्रबंधन से जुड़े कुछ व्यक्तियों के पास उनकी ज्ञात आय से कहीं अधिक संपत्ति होने की खबरें सामने आई हैं। हालांकि, इन आरोपों की सत्यता की पुष्टि केवल सक्षम और स्वतंत्र जांच के माध्यम से ही हो सकती है। याची ने कहा है कि इन आरोपों ने देश और दुनिया के करोड़ों राम भक्तों के बीच चिंता पैदा कर दी है। जनता की आस्था से जुड़े ऐसे मामलों में निष्पक्ष, व्यापक और स्वतंत्र जांच आवश्यक है, ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे और मंदिर निधि के प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

बठिंडा में सोलर सीसीटीवी कैमरा लगाकर सेना की जासूसी, दो गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, बठिंडा

- तीन माह से सीसीटीवी कैमरे की लाइव फुटेज पाकिस्तान व कनाडा तक पहुंचाई जा रही थी
- राजस्थान, फाजिल्का और फिरोजपुर बार्डर की सैन्य मूवमेंट पर रखी जा रही थी नजर

बठिंडा पुलिस की तरफ से सेना की जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया आरोपित। सुनील कुमार।

पंजाब पुलिस ने सोलर सीसीटीवी कैमरा लगाकर सेना की जासूसी कर रहे गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों ने मार्च माह में कैमरा बठिंडा-मलोट मुख्य राजमार्ग पर बिजली के एक खंभे पर लगाया था और इससे सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। यही नहीं, सिम कार्ड लगे कैमरे की लाइव फुटेज पाकिस्तान और कनाडा में बैठे देशविरोधी तत्वों तक पहुंचाई जा रही थी। गिरोह पिछले करीब तीन महीने से सक्रिय था और राजस्थान, फाजिल्का व फिरोजपुर सीमा क्षेत्रों की सैन्य गतिविधियों की निगरानी कर रहा था। इससे पहले पठानकोट में हाईवे पर सोलर कैमरे लगा जासूसी करने के मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कपूरथला में भी जासूसी के लिए सोलर कैमरा पकड़ा गया था।

सोमवार को एसपी सिटी नरिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने बठिंडा में नौ जून को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (आफिशियल सीक्रेट्स एक्ट) समेत अन्य गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान 10 जून को अमृतसर के गांव सराये के 40 वर्षीय अशोक सिंह को गिरफ्तार किया गया। उससे पूछताछ के बाद 14 जून को इसी गांव के 22 वर्षीय आकाशदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया। उनसे पूछताछ में पता चला है कि गिरोह में दो अन्य लोग भी हैं। इनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

आरोपितों ने कैमरा लगाने से पहले बठिंडा शहर और सैन्य छावनी क्षेत्र की रेकी की थी। इसके बाद मलोट रोड का चयन किया, क्योंकि इसी मार्ग से राजस्थान स्थित सैन्य रेंजों की ओर सेना के वाहन और अन्य सुरक्षा बलों की आवाजाही होती है। बठिंडा देश की सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

बिहार से संदिग्ध जासूस गिरफ्तार, पाक हैंडलर को भेजता था संदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण • पटना: बिहार पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और मध्य प्रदेश एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में मधुबनी से एक संदिग्ध जासूस को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान इजहारुल हक के रूप में हुई है। बिहार एटीएस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में उसके भारत विरोधी साजिश रचने वाले पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में रहने व देश विरोधी और गोपनीय सूचनाएं देने की बात सामने आई है। आरोपित के पास से रेडमी नोट-5 और ओप्पो कंपनी के दो-दो एंड्रायड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मोबाइल फोन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। दरअसल, यह कार्रवाई मध्य प्रदेश एसटीएफ थाना में दर्ज कांड संख्या 06/2026 की जांच के क्रम में की गई है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 तथा गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

एसआइटी ने ट्रस्ट सदस्यों से ली जानकारी

प्रथम पृष्ठ से आगे

एसआइटी के सदस्यों के यहां पहुंचने पर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय, राम मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव व व्यवस्था से जुड़े अन्य लोग उपस्थित रहे। एसआइटी सदस्यों ने इनके साथ लगभग दो घंटे बैठक कर दानपात्रों में श्रद्धालुओं की ओर से डाली गई धनराशि की गणना की प्रक्रिया, इसमें संलग्न रहने वाले सभी कर्मियों की संख्या, वाउचर बनाने व इसकी इंट्री करने और गिनती के बाद बैंक में जमा कराने की प्रक्रिया, दानपात्रों की कुल संख्या व इसमें प्रतिदिन आने वाले औसतन धन की मात्रा, गोपनीय कक्ष के लाकर में नकदी रखने के दौरान उसकी सुरक्षा व्यवस्था, कैमरों की संख्या आदि की जानकारी ली।

सूत्रों ने बताया कि इसके बाद एसआइटी ने गोपनीय कक्ष के कैमरों के संचालन की स्थिति भी परखी। हालांकि, सभी कैमरे संचालित मिले। एसआइटी के प्रत्येक सवालों का जवाब चंपतराय व गोपाल राव ने दिया। सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ताओं ने इसी बीच उन संदिग्ध कर्मियों से भी पूछताछ की, जिन्हें दबोचा गया है और इनसे नकदी बरामद हुई है। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। बताते हैं कि कैमरों के सीडीआर की भी पड़ताल की गई। सूत्रों ने बताया कि कमिश्नर विजय विश्वास पंत को साथ में ले जाकर व्यवस्थापक गोपाल राव ने रामलला का दर्शन कराया और मंदिर प्रांगण में रखीं दानपेटिकाओं को भी दिखाया। कुछ देर रुकने के बाद यहां से कमिश्नर फिर परकोटे के मंदिरों की ओर गए और निरीक्षण करते हुए पीएफसी में चले गए। देरशाम तक एसआइटी के सभी सदस्य परिसर में ही जांच-पड़ताल करते रहे।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष व सेवानिवृत्त आइएएस नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि एसआइटी जांच और इसके बाद संभावित कार्रवाई से श्रद्धालुओं का विश्वास मजबूत होगा। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण की चर्चा से रामभक्तों की आस्था को चोट पहुंची है। सोमवार सुबह सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए मिश्र ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर राज्य सरकार ने त्वरित गति से एसआइटी गठित की है। दल के सदस्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मार्गदर्शन लेकर अयोध्या पहुंच गए हैं। जांच में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

प्रतिबंधित मांझे ने लहूलुहान की उप्र के मंत्री के भतीजे की गर्दन, तीन घंटे चली सर्जरी

जागरण संवाददाता, बरेली

- बरेली में गर्दन, गाल और अंगुली पर तलवार की तरह चला मांझा

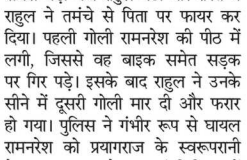

ईशान अस्पताल में भर्ती मंत्री संजय सिंह के भतीजे आदित्यवीर सिंह गंगवार। जागरण

कोर्ट ने रोकथाम के आदेश दिए, सरकार ने सख्त कानून बनाए...इसके बावजूद खुलेआम बिकने वाला प्रतिबंधित नायलान मांझा सड़क पर खून बहा रहा। सोमवार को उप्र सरकार में गन्ना राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के भतीजे आदित्य की गर्दन पर मांझा तलवार की तरह चला। उन्होंने बचने के लिए हाथ आगे बढ़ाया तो एक अंगुली कटकर लटक गई। उनकी गर्दन, गाल व अंगुली के घाव इतने गहरे थे कि चिकित्सकों को तीन घंटे सर्जरी करनी पड़ी। उन्हें देखने पहुंचे मंत्री ने प्रतिबंधित मांझा की बिक्री व उपयोग पर नाराजगी जताते हुए डीएम अविनाश सिंह को तुरंत इस पर सख्ती से रोक लगाने को कहा।

पीलीभीत से विधायक व मंत्री संजय सिंह गंगवार के भाई अजय सिंह गंगवार पीलीभीत में ब्लाक प्रमुख हैं। अजय की पत्नी सीमा गंगवार रेलवे में कार्यरत है, जो बरेली में रहती हैं। स्वजन के अनुसार, सोमवार सुबह नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले उनके पुत्र आदित्यवीर सिंह अपने दोस्त के साथ क्रिकेट की प्रैक्टिस करने स्टेडियम गए थे। प्रैक्टिस के बाद श्यामगंज पुल से गुजर रहे थे, उसी दौरान बिना हेलमेट स्कूटी चला रहे आदित्यवीर की गर्दन में मांझा उलझ गया। वह हड़बड़ी में स्कूटी समेत नीचे गिर गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आदित्यवीर की गर्दन से खून का फव्वारा फट पड़ा था। ऐसे में कुछ वाहन सवार रुके, एंबुलेंस बुलाकर तुरंत आदित्यवीर को 300 मीटर दूर ईशान अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की सूचना पर मंत्री अपने कार्यक्रम रद कर अस्पताल पहुंचे। ईशान अस्पताल के डाक्टर कौशल कुमार ने बताया कि आदित्यवीर को खून से लथपथ अवस्था में लाया गया था। तत्काल सर्जरी की, जिसमें तीन घंटे से अधिक समय लगा। मांझा की धार से उनकी गर्दन की कई नसें कट गईं। ऊपरी होंठ, दायां गाल और एक अंगुली भी कटकर लटक गई थी। उनकी हालत खतरे से बाहर है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि पूर्व में भी प्रतिबंधित मांझे के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई कराई।

खतरनाक है नायलान का मांझा : देसी मांझा सूती धागे पर चावल की लुगदी लपेटकर बनाया जाता है। इसमें हल्की धार होती है, मगर कहीं फंसने पर तुरंत टूट भी जाता है। इससे इतर, चाइनीज पद्धति पर बनने वाला नायलान मांझा खतरनाक होता है। इस पर लोहे व शीशे का बुरादा चढ़ाकर खतरनाक धार चढ़ाई होती है। नायलान का होने के कारण यह कहीं फंसने पर टूटता भी नहीं।

राजौरी में भू-धंसाव, कई मकानों और सड़क पर दरारें

- प्रभावित क्षेत्र से पांच परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा, निगरानी बढ़ाई गई

राजौरी जिले की मंजाकोट तहसील के कालाबन क्षेत्र में धंसी हुई जमीन। जागरण >>

जागरण संवाददाता, राजौरी

राजौरी के कालाबन क्षेत्र में भू-धंसाव के कारण रविवार को सड़कों पर दरारें पड़ गई और यह दरारें घरों व कुछ दुकानों तक जा पहुंचीं। इससे पांच मकान व कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। पांच परिवारों को घरों से निकालकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। इन दरारों की चपेट में कुछ कृषि भूमि भी आई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि राजमार्ग 144-ए के निर्माण में प्रकृति की अनदेखी के कारण यह परेशानी सामने आई है। जमीन धंसने से कई मकानों और दुकानों में दरारें हैं और मुख्य सड़क को नुकसान पहुंचा है। भारी मशीनों से की गई ड्रिलिंग और पहाड़ी कटिंग के दौरान सुरक्षा मानकों का पर्याप्त पालन नहीं किया गया। इससे जमीन कमजोर हुई और ऐसी स्थिति पैदा हुई है। थन्ना मंडी के विधायक मुजफ्फर इकबाल खान ने सोमवार को जिला उपायुक्त अभिषेक शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त राजस्व जहांगीर खान, तहसीलदार और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया।

जबलपुर में ब्यूटीशियन की गोली मारकर हत्या, आरोपित ने खुद को भी उड़ाया

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर : मध्य प्रदेश के जबलपुर में सोमवार दोपहर ब्यूटीशियन शक्ति कोहली की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपित दीपेश राठौर ने उसी बंदूक से खुद को भी गोली मार ली। दिनदहाड़े हुई इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए। महिला पति से अलग रहकर कई वर्षों से ब्यूटीशियन के रूप में कार्य कर रही थी। कुछ समय पूर्व शक्ति ने ब्यूटी पार्लर खोलने के लिए किराए पर मकान लिया था। इस मकान में पार्लर के इंटीरियर के काम दौरान उसकी आरोपित से पहचान हुई थी।

आरोपित ने महिला से ब्यूटी पार्लर खोलने में मदद की बात कही और वह पार्लर में साझेदार बन गया। हालांकि, विरोध के कारण आवासीय परिसर में पार्लर खोलने का फैसला बदल दिया गया। इसके बाद से दोनों में तनातनी हो गई थी। सोमवार को महिला मकान खाली करने पहुंची थी। इसी दौरान आरोपित भी वहां आ गया।

कोर्ट में हत्यारोपितों को देख भड़के हिंदू संगठन, पुलिस से धक्का-मुक्की

जागरण संवाददाता, देहरादून

- भाजपा नेता हत्याकांड में एक और गिरफ्तार, आरोपित न्यायिक हिरासत में भेजे गए

देहरादून कोर्ट में आरोपितों की पेश करने पहुंची पुलिस। इस दौरान आरोपितों को पीटने को पहुंचे हिंदू संगठन के सदस्यों को रोकती पुलिस। अनिल डोगरा >>

भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला सोशल मीडिया सह संयोजक विनोद कश्यप के हत्याकांड में पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की कुल संख्या अब पांच हो गई है। वहीं, सोमवार को जब सहसपुर पुलिस पांचों आरोपितों को देहरादून न्यायालय में पेश करने पहुंची तो बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने आरोपितों तक पहुंचने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और आक्रोशित कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई, जिससे न्यायालय परिसर के बाहर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। हालांकि, भारी पुलिस बल की मौजूदगी में स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और कार्यकर्ताओं को खदेड़ दिया गया। न्यायालय में पेशी के बाद पांचों आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार भेज दिया गया।

बैरागीवाला निवासी विनोद कश्यप की शनिवार की शाम खेत में पानी को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद हथौड़े, लाठी-डंडों और अन्य हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस हमले में विनोद कश्यप के अलावा उनके भाई अशोक कुमार, राजेश और बहन सुषमा भी गंभीर रूप से घायल हुए। पुलिस ने 12 नामजद और 30 से 35 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार रविवार को रज्जाक और उसके भाई जावेद, सलमान और शहबाज को गिरफ्तार किया गया था। सोमवार को पुलिस ने इम्तियाज को भी गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के अनुसार कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी और पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की गाड़ी से खींचने का प्रयास : न्यायालय परिसर के बाहर हिंदू जागरण मंच के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि हत्या जैसे गंभीर मामले में आरोपितों को पुलिस संरक्षण दिया जा रहा है।

साधु की हत्या का मुख्य आरोपित मुठभेड़ में ढेर, साथी गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, उन्नाव: निर्माणाधीन मंदिर में लाउडस्पीकर पर भजन बजाने की खुन्नस में साधु मिलनदास की चाकू से गोदकर हत्या के मुख्य आरोपित एक लाख रुपये के इनामी इजराइल को सोमवार तड़के पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। इसके पहले हत्यारोपित की फायरिंग से दारोगा न्यूटन सिंह बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने से बच गए, जबकि दाहिने हाथ में गोली लगने से स्वाट टीम के सिपाही विकास भदौरिया घायल हो गए। उन्हें सीएचसी बांगरमऊ में भर्ती कराया गया है।

एसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय को पता चला कि ताजपुर गांव के पास उन्नाव-बालामऊ रेलवे लाइन के अंडरपास के नीचे इजराइल अपने साथी शानू का इंतजार कर रहा है। वह स्वाट प्रभारी जयप्रकाश सिंह व पुलिस टीम के साथ वहां पहुंचे। पुलिस को देखते ही इजराइल ने तमंचे से फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वह ढेर हो गया।

यूपीएससी ने जारी किया सिविल सेवा प्रीलिम्स का परिणाम, 13,343 सफल

- सिविल सेवा परीक्षा 2026 के लिए कुल 1,016 रिक्तियां घोषित की गई
- प्रीलिम्स में सफल उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा के लिए भरना होगा आनलाइन फार्म

नई दिल्ली, प्रेट्र : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा प्रीलिम्स 2026 का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया। इसमें 13,343 उम्मीदवार सफल हुए हैं। उन्हें अब सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 2026 के लिए शार्टलिस्ट किया गया है।

यूपीएससी ने अपने आधिकारिक बयान में बताया कि इस वर्ष सिविल सेवा परीक्षा 2026 के लिए कुल 1,016 रिक्तियां घोषित की गई हैं। इन पदों के लिए चयन प्रक्रिया के अगले चरण यानी मुख्य परीक्षा में शामिल होने के लिए 13,343 अभ्यर्थियों को पात्र घोषित किया गया है। पिछले वर्ष 1,087 रिक्तियों के मुकाबले 14,161 उम्मीदवारों को मुख्य परीक्षा के लिए चयनित किया गया था।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 24 मई को देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया गया था। यूपीएससी हर वर्ष आइएएस, आइएफएस, आइपीएस तथा अन्य केंद्रीय सेवाओं के लिए अधिकारियों के चयन हेतु तीन चरणों प्रारंभिक परीक्षा (प्रीलिम्स), मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार का आयोजन करता है। आयोग ने सफल उम्मीदवारों के लिए एक विशेष आनलाइन विंडो भी उपलब्ध कराने की घोषणा की है। यह विंडो 19 जून से 28 जून तक यूपीएससी की वेबसाइट पर सक्रिय रहेगी। इस दौरान अभ्यर्थियों को अपनी व्यक्तिगत जानकारी अपडेट करनी होगी तथा सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में शामिल होने के लिए 200 रुपये का शुल्क जमा करना होगा। हालांकि महिला, दिव्यांग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों को शुल्क से छूट दी गई है।

यूपीएससी ने स्पष्ट किया है कि मुख्य परीक्षा के लिए योग्य घोषित सभी उम्मीदवारों को निर्धारित अवधि के भीतर पोर्टल पर लाग इन कर आवश्यक विवरण भरना और आवेदन पत्र जमा करना अनिवार्य होगा।

गाजीपुर में बिजली विभाग के 1.85 लाख बकाये से परेशान पान विक्रेता ने दी जान

जागरण संवाददाता, गाजीपुर

- दो पंक्तियों के सुसाइड नोट में बिजली विभाग से परेशान होने की बात लिखी

प्रतीकात्मक

गाजीपुर में बिजली विभाग की ओर से जारी 1.12 लाख रुपये की आरसी (वसूली प्रमाणपत्र) और 73 हजार रुपये जुर्माने के दबाव से परेशान एक पान विक्रेता ने सोमवार को सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से दो पंक्तियों का सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें बिजली विभाग से परेशान होने की बात लिखी गई है। परिवार ने विभाग और तहसील कर्मियों पर लगातार दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने पान की दुकान चलाने वाले सुरेंद्र कश्यप अपनी पत्नी ज्ञानती के साथ जीवनयापन करते थे। उन्होंने वर्ष 2014 में एक किलोवाट का घरेलू बिजली कनेक्शन लिया था। बकाया बिल जमा न होने पर विभाग ने कनेक्शन काट दिया था। बाद में 17 सितंबर 2025 को विजिलेंस टीम की जांच में बाईपास कनेक्शन मिलने पर उनके खिलाफ डेढ़ किलोवाट बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज किया गया। उन पर करीब 65 हजार रुपये जुर्माना और आठ हजार रुपये समन शुल्क लगाया गया। उधर, दिसंबर 2025 तक बिजली बिल की बकाया राशि बढ़कर 1.12 लाख रुपये हो गई, जिसके बाद विभाग ने आरसी जारी कर दी। स्वजन के अनुसार सुरेंद्र लगातार विभाग और तहसील के चक्कर लगा रहे थे। 11 जून को राजस्व विभाग ने यह रिपोर्ट लगाकर आरसी वापस कर दी थी कि उनके नाम कोई चल या अचल संपत्ति नहीं है, जिससे वसूली की जा सके। इसके बावजूद वह मानसिक तनाव में थे। पत्नी ज्ञानती ने बताया कि उनके पति अक्सर कहते थे कि 'मर जाऊंगा तो बिल और जुर्माना माफ हो जाएगा।' उनका आरोप है कि बिजली विभाग और तहसील कर्मी लगातार वसूली का दबाव बना रहे थे। सोमवार सुबह सुरेंद्र ने सल्फास खा लिया। गंभीर हालत में उन्हें सीएचसी सैदपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

बाइक पर पीछे बैठे बेटे ने पिता की गोली मारकर की हत्या

जागरण संवाददाता, कौशांबी: सोमवार को रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। ड्यूटी पर जा रहे सफाईकर्मी रामनरेश कोरी की उनके ही बेटे ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गया। सदर निवासी 45 वर्षीय रामनरेश कोरी पंचायतीराज विभाग में सफाई कर्मचारी थे और इन दिनों जिलाधिकारी कार्यालय में संबद्ध थे। सोमवार सुबह करीब 10 बजे वह बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। बाइक पर पीछे उनके साथ सबसे बड़ा बेटा राहुल बैठा था। रास्त में राहुल ने तमंचे से पिता पर फायर कर दिया। पहली गोली रामनरेश की पीठ में लगी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद राहुल ने उनके सीने में दूसरी गोली मार दी और फरार हो गया। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल रामनरेश को प्रयागराज के स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल भेजा, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

डाक्टरों को तलब करने से पहले विशेषज्ञ राय जरूरी

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

- महिला की प्रसव के बाद मृत्यु के मामले में अदालत ने की टिप्पणी
- अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को त्रुटिपूर्ण बताते हुए रद किया

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट

चिकित्सकीय लापरवाही (मेडिकल नेग्लिजेंस) के मामलों में डाक्टरों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कहा है कि स्वतंत्र और सक्षम चिकित्सा विशेषज्ञ की राय के बिना किसी डाक्टर को आपराधिक मुकदमे में तलब करना कानून की दृष्टि में टिकाऊ नहीं है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल मरीज की मृत्यु हो जाने या उपचार असफल रहने भर से डाक्टर के खिलाफ आपराधिक लापरवाही का मामला नहीं बनता है। कोर्ट ने एक अधीनस्थ अदालत द्वारा जारी समन आदेश को रद करते हुए कहा कि मजिस्ट्रेट ने उपलब्ध चिकित्सा साक्ष्यों का सही मूल्यांकन नहीं किया और विशेषज्ञ चिकित्सकीय राय का इंतजार किए बिना डाक्टरों को मुकदमे का सामना करने के लिए बुला लिया। अदालत ने इसे गंभीर त्रुटि माना।

मामला तरनतारन में एक महिला की प्रसव के बाद मृत्यु से जुड़ा था। शिकायतकर्ता पति का आरोप था कि उसकी पत्नी ने एक नर्सिंग होम में जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया। आरोप था कि इसके बाद महिला की हालत बिगड़ गई, अत्यधिक रक्तस्राव हुआ और उसे दूसरे अस्पताल रेफर करना पड़ा, जहां उसकी मृत्यु हो गई। पति ने डाक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आपराधिक शिकायत दायर की थी।

हाई कोर्ट में डाक्टरों की ओर से कहा गया कि रिकार्ड पर ऐसा कोई चिकित्सकीय साक्ष्य नहीं है जो उनकी लापरवाही साबित करता हो। एक जांच टीम ने भी रिपोर्ट में डाक्टरों को दोषमुक्त करार दिया था। अदालत ने पाया कि मजिस्ट्रेट ने केवल इस आधार पर समन जारी कर दिया कि महिला की मृत्यु प्रसव संबंधी जटिलताओं के कारण हुई। अदालत ने कहा कि किसी डाक्टर के खिलाफ आपराधिक प्रक्रिया शुरू होते ही उसे गिरफ्तारी के भय, जमानत की कार्यवाही और पेशेवर प्रतिष्ठा को नुकसान जैसी गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि बाद में वह निर्दोष भी साबित हो जाए, तब भी उसकी प्रतिष्ठा को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं होती।

7 साल के एक बच्चे की केरल के मलप्पुरम में सोमवार को शिगेला संक्रमण से मौत हो गई। इस साल केरल में इस बीमारी से हुई यह चौथी मौत है। मृतक अर्जाव की मौत कोझिकोड सरकारी मेडिकल कालेज अस्पताल में इलाज के दौरान हुई।

न्यूज गैलरी

ट्रांसजेंडर कानून पर हाई कोर्ट में हो रही सुनवाई पर सुप्रीम रोक

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026' के प्रविधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हाई कोर्ट में आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी। याचिका में हाई कोर्ट में चल रहे सभी केस को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की गई थी। पीठ ने संबंधित हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता रहे प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए हाई कोर्ट में चल रही कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। सोमवार सुनवाई के दौरान पीठ ने संकेत दिया कि वह या तो अलग-अलग हाई कोर्ट में लंबित मामलों को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर कर सकती है या उन्हें एक साथ जोड़कर सुनवाई के लिए किसी हाई कोर्ट को सौंप सकती है। (प्रेट्र)

बिहार में चोरी के आरोपित दो युवकों की बेरहमी से पिटाई, मौत

नालंदा : बिहार के राजगीर थाना क्षेत्र में मंदिर के पास उन्मादी भीड़ ने सोमवार तड़के चोरी के आरोप में दो युवकों की बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल दोनों को इलाज के लिए पीएमसीएच भेजा गया, जहां उपचार के दौरान दोनों युवकों ने दम तोड़ दिया। नालंदा एसपी भारत सोनी ने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। स्वजन के अनुसार, दोनों युवक रविवार को गांव के कुछ दोस्तों के साथ राजगीर मेला घूमने गए थे। मंदिर के पास चोरी के आरोप में दोनों को पकड़कर कुछ लोगों ने बंधक बना लिया और उनकी बेरहमी से पिटाई की। (जासं)

आरजी मामले की दोबारा जांच को एजेंसी का अस्पताल का दौरा

कोलकाता : आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में वर्ष 2024 में दुष्कर्म के बाद प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या के मामले की जांच के सिलसिले में सीबीआइ के अधिकारियों की एक टीम सोमवार को अस्पताल पहुंची। सीबीआइ टीम में संयुक्त निदेशक स्तर के एक अधिकारी समेत कुल छह अधिकारी शामिल थे। टीम ने अस्पताल के प्राचार्य, चिकित्सा अधीक्षक, उप-प्राचार्य और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की। साथ ही अस्पताल के उस स्थान का भी निरीक्षण किया, जहां यह अपराध हुआ था। अस्पताल परिसर में नौ अगस्त 2024 की रात महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। आरजी कर घटना के तुरंत बाद साक्ष्य नष्ट करने और मामले को दबाने की कोशिश किए जाने के भी आरोप लगे थे। (राब्यू)

'लिव-इन केवल निजी आजादी का प्रश्न नहीं, माता-पिता की गरिमा भी होती है प्रभावित'

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कहा- ऐसे संबंधों को वैधता देने वाली सुरक्षा नहीं दी जा सकती

दयानंद शर्मा • जागरण

चंडीगढ़ : पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे जोड़े को पुलिस सुरक्षा देने से इन्कार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि भारतीय समाज में विवाह एक पवित्र संस्था है और घर छोड़कर लिव-इन में रहना केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं है, बल्कि इससे माता-पिता के सम्मान और गरिमा का अधिकार भी प्रभावित होता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में केवल कुछ दिनों तक साथ रहने का दावा कर पुलिस सुरक्षा नहीं मांगी जा सकती। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संदीप मौदगिल की पीठ ने पटियाला निवासी लिशा और एक अन्य युवक द्वारा दाखिल याचिका को खारिज कर दिया।

याचिका में कहा गया था कि वे दोनों बालिग हैं, एक-दूसरे से प्रेम करते हैं और भविष्य में विवाह करना चाहते हैं। फिलहाल वे लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं, लेकिन स्वजन उनके संबंध का विरोध कर रहे हैं और उन्हें परेशान किया जा रहा है। इस कारण उन्होंने पुलिस सुरक्षा दी जाए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि भारत विविध परंपराओं, संस्कृतियों और सामाजिक मूल्यों वाला देश है, जहां विवाह को विशेष सामाजिक और कानूनी मान्यता प्राप्त है। हालांकि समय के साथ समाज का एक वर्ग पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित होकर लिव-इन रिलेशनशिप जैसे आधुनिक जीवन-शैली के विकल्प अपना रहा है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक ऐसे संबंध को कानूनी संरक्षण प्रदान कर दिया जाए।

अदालत ने टिप्पणी की कि घर से भागकर रहने वाले बच्चे न केवल परिवार की सामाजिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करते हैं, बल्कि माता-पिता के सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अधिकार का भी उल्लंघन करते हैं। पीठ ने कहा कि किसी संबंध को लिव-इन रिलेशनशिप का दर्जा देने के लिए कुछ आवश्यक शर्तों का पूरा होना जरूरी है। इसमें दोनों व्यक्तियों का विवाह योग्य आयु का होना और समाज के सामने पति-पत्नी की तरह रहना शामिल है। अदालत ने पाया कि याचिका में स्वयं स्वीकार किया गया है कि युवक अभी विवाह योग्य आयु प्राप्त नहीं कर पाया है और भविष्य में आयु पूरी होने पर विवाह करने की बात कही गई है। ऐसे में इस संबंध को वैध स्वरूप नहीं दिया जा सकता।

▶ लिव इन में रह रहे जोड़े को पुलिस सुरक्षा देने से कोर्ट ने किया इन्कार

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट

'जांच एजेंसी को अपेक्षित जवाब न देना गैर-सहयोग नहीं माना जा सकता'

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी आरोपित का जांच में सहयोग करने का दायित्व इस बात तक सीमित नहीं माना जा सकता कि वह जांच एजेंसी को वही जवाब दे, जो एजेंसी सुनना चाहती है। अदालत ने कहा कि अपेक्षित उत्तर नहीं देने मात्र से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि आरोपित जांच में सहयोग नहीं कर रहा। इसी आधार पर कोर्ट ने फरीदाबाद में दर्ज धोखाधड़ी और जालसाजी के एक मामले में महिला आरोपित को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी।

कोर्ट ने कहा, किसी आरोपित की यह जिम्मेदारी अवश्य है कि वह जांच में शामिल हो। वह जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो और आवश्यक सहयोग दे, लेकिन उसे ऐसे बयान देने या ऐसे प्रश्नों का उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता जो उसके खिलाफ साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल हो सकते हैं या जिनकी जानकारी उसके पास ही न हो।

मेरे भाई को खान सर ने मरवाया, रौशन आनंद ने किया दावा

जागरण संवाददाता, पटना

▶ फैजल खान ने वीडियो जारी कहा, मुझे साजिश के तहत फंसाने का किया जा रहा प्रयास

पटना के खान ग्लोबल स्टडीज और ज्ञानबिंदु कोचिंग के बीच बीते दो जून को हुए फायरिंग, तोड़फोड़ और मारपीट के आरोपित ज्ञानबिंदु कोचिंग संस्थान के निदेशक रौशन आनंद को सोमवार की सुबह जमानत मिल गई। पटना के बेउर जेल से बाहर आते ही रौशन आनंद ने खान ग्लोबल स्टडीज के संचालक फैजल खान उर्फ खान सर और किसान कोल्ड स्टोरेज के मालिक आरएस प्रसाद पर अपने छोटे भाई प्रिंस यादव की हत्या कराने का आरोप लगाया है। जेल से छूटने के बाद रौशन आनंद सैकड़ों समर्थक व छात्र-छात्राओं के साथ कोचिंग सेंटर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे मामले को एक सोची-समझी साजिश करार दिया। कहा-झूठे मुकदमे में फंसाकर मुझे जेल भेजा गया और मेरे भाई की हत्या करवा दी गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि कोचिंग के वर्चस्व को लेकर फैजल खान शुरू से उनसे विवाद कर रहा था और पुलिस इस मामले में एकतरफा कार्रवाई कर रही है। इस घटना के बाद दर्ज एफआइआर में रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव भी नामजद आरोपित थे और गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे थे।

जेल में रची गई हत्या की साजिश: रौशन आनंद के कोचिंग सेंटर पहुंचते ही बड़ी संख्या में छात्र व उनके समर्थकों ने नारेबाजी शुरू कर दी और फैजल खान गो बैक... के नारे लगाए। रौशन आनंद ने भावुक होकर कहा कि जेल के भीतर भी उनकी हत्या की साजिश रची गई थी। फैजल खान के बाडीगार्ड ने हत्या का प्रयास किया।

जेल से रिहा होने के बाद प्रेस वार्ता करते पटना के ज्ञानबिंदु कोचिंग संस्थान के निदेशक रौशन आनंद। जागरण

'तीसरे पक्ष की साजिश'

फैजल खान ने कहा कि प्रिंस की हत्या नहीं हुई है, बल्कि वह पहले से बीमार था। एक न्यूज विलप का हवाला दिया, जिसमें प्रिंस के दोस्तों को यह कहते सुना जा सकता है कि प्रिंस का पहले से उपचार चल रहा था। दो बार दिल का दौरा पड़ चुका था। इस विवाद का फायदा उठाकर किसी तीसरे पक्ष ने यह पूरी साजिश रची है ताकि दोनों को बर्बाद किया जा सके।

सबवेंशन प्लान के तहत केंद्र से नई स्कीम बनाने की मांग पर सुनवाई होगी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया जिसमें केंद्र को ऐसी स्कीम बनाने का निर्देश देने की मांग की गई है कि अगर सबवेंशन प्लान के तहत खरीदार को फ्लैट नहीं सौंपा जाता है, तो ऋणदाता और बिल्डर दोनों को दिए गए ऋण की रकम का बराबर नुकसान उठाना पड़े।

सबवेंशन प्लान के तहत बैंक स्वीकृत धनराशि को सीधे बिल्डर के अकाउंट में भेजते हैं और फिर बिल्डर को स्वीकृत ऋण पर तब तक ईएमआइ चुकानी होती है, जब तक फ्लैट खरीदार को सौंप नहीं दिया जाता। जब बिल्डर त्रिपक्षीय समझौते के अनुसार बैंक को ईएमआइ चुकाने में चूक करने लगता है, तो बैंक फ्लैट खरीदार से ईएमआइ की मांग करने लगता है। पीठ ने केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर याचिका पर जवाब मांगा है।

गुजरात में बैन कंपनी को छत्तीसगढ़ में मिला था दवाओं की सप्लाई का ठेका

जितेंद्र सिंह दहिया • नईदुनिया

▶ दवाओं की घटिया गुणवत्ता के कारण जीएमएससीएल ने किया था यूनिक्योर को ब्लैकलिस्ट

रायपुर : गुणवत्ता परीक्षण में विफल रहने के बाद 16 जुलाई 2025 को एस्पिरिन टैबलेट आइपी को गुजरात में ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। इसके बावजूद, छत्तीसगढ़ में उसी साल्ट की खरीद प्रक्रिया 17 जुलाई 2025 को आगे बढ़ाई गई। दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन नईदुनिया ने लगातार ब्लैकलिस्टेड यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड कंपनी से दवा खरीद के मामले को उजागर किया है। पड़ताल से पता चला है कि यूनिक्योर कंपनी को दवाओं की घटिया गुणवत्ता के कारण गुजरात मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड (जीएमएससीएल) द्वारा ब्लैकलिस्ट किया गया था। इसके बावजूद, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) ने उसी अवधि में कंपनी को दवाओं की सप्लाई के लिए टेंडर जारी किए।

जीएमएससीएल के रिकार्ड के अनुसार, यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड की एस्पिरिन टैबलेट आइपी (75 एमजी और 150 एमजी) को 16 जुलाई 2025 से 15 जुलाई 2028 तक ब्लैकलिस्ट किया गया। इसके बावजूद, छत्तीसगढ़ में एस्पिरिन 325 एमजी टैबलेट के लिए 17 जुलाई 2025 को टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ी। सोडियम वाल्प्रोएट पर भी विवाद सामने आया है। जीएमएससीएल ने यूनिक्योर कंपनी की सोडियम वाल्प्रोएट 200 एमजी टैबलेट को 26 जून 2025 से 25 जून 2027 तक प्रतिबंधित किया था।

छत्तीसगढ़ में अवैध मदरसे पर 16 वर्ष बाद चला बुलडोजर, सवा एकड़ क्षेत्र को कराया खाली

नईदुनिया प्रतिनिधि, भिलाई

▶ हाई कोर्ट के निर्देश पर तीन घंटे में अवैध मदरसे के साथ गिराए गए छह अन्य मकान

▶ कई बार दिया गया था कब्जा हटाने का नोटिस, गरीबों के लिए आवास बनाने का आदेश

छत्तीसगढ़ में दुर्ग जिले के भिलाई नगर निगम में सोमवार सुबह सरकारी भूमि पर 16 वर्ष पहले अतिक्रमण कर बनाए गए मदरसे पर बुलडोजर चला दिया गया। हाई कोर्ट के निर्देश पर तीन घंटे तक चली कार्रवाई में अवैध मदरसे के साथ ही छह कच्चे मकान भी गिराए गए। इस अभियान के दौरान करीब सवा एकड़ क्षेत्र को खाली कराया गया। यहां प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास बनाए जाएंगे।

राधिका नगर के जिस भूखंड पर अवैध कब्जा कर मदरसा बनाया गया था, वह जमीन जरूरतमंदों के लिए किफायती आवास बनाकर देने के लिए आरक्षित थी। भूखंड को कब्जामुक्त कराने को निगम द्वारा कई बार कानूनी नोटिस भेजे गए, लेकिन कब्जा नहीं हटा। भिलाई निगम की ओर से अवैध कब्जे को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। मामले में हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए अवैध निर्माण को तुरंत हटाकर गरीबों के लिए आवास बनाने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में निगम ने बुलडोजर कार्रवाई कर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। सितंबर 2024 में भिलाई निगम प्रशासन ने सुपेला स्थित सैलानी बाबा दरबार (करबला मैदान) क्षेत्र में भी अवैध निर्माण हटाया था। तब मस्जिद का स्वागत द्वार, चारदीवारी सहित किनारे बनाए गए 22 दुकानों पर बुलडोजर चला दिया था।

भिलाई के राधिका नगर वार्ड में सोमवार की सुबह अवैध मदरसे की बिल्डिंग को ढहाता बुलडोजर। नईदुनिया

सामान्य विवाद में आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध नहीं होता स्थापित: हाई कोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़: पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मंदिर निर्माण को लेकर हुए पारिवारिक विवाद से जुड़े आत्महत्या के एक मामले में आरोपितों को अग्रिम जमानत प्रदान कर दी। अदालत ने कहा कि रिकार्ड पर ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, जिससे प्रथम दृष्टया यह साबित हो सके कि आरोपितों ने मृतक को आत्महत्या के लिए उकसाया था या उसकी आत्महत्या में कोई सक्रिय भूमिका निभाई थी।

जस्टिस एनएस शेखावत ने गुरचरण सिंह एवं अन्य द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने कहा कि केवल सामान्य विवाद, नाराजगी या कटु संबंधों के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध स्वतः स्थापित नहीं हो जाता है। बठिंडा जिले के कोटफत्ता थाने में 16 मार्च 2026 को एफआइआर दर्ज की गई थी।

'कुमकुम भाग्य' की टीवी अभिनेत्री संचिता उगाले ने की आत्महत्या

पालघर, प्रेट्र : कुमकुम भाग्य और वागले की दुनिया जैसे पापुलर शो में काम करने वाली टेलीविजन अभिनेत्री संचिता उगाले ने महाराष्ट्र के पालघर में अपने घर पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। वह 22 साल की थीं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि उगाले ने रविवार शाम करीब सात बजे नालासोपारा इलाके में स्थित अपने घर पर कथित तौर पर छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। उस समय वह घर पर अकेली थीं। पुलिस ने कहा, "हमें मौके पर कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली और कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ।"

टेलीविजन अभिनेत्री संचिता उगाले के पिता ने पुलिस को बताया कि उन्हें किसी गड़बड़ी का शक नहीं है और न ही वह उनकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार मानते हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संचिता उगाले। फाइल

पुलिस ने बताया कि उन्होंने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है और इस कदम के पीछे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। उगाले ने कुछ फिल्में भी की थीं।

बता दें, टेलीविजन अभिनेत्री संचिता उगाले ने अभिनेता विक्की कौशल की ब्लाकस्टर फिल्म 'छावा' में तारा रानी का रोल निभाया और इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर "साइलेंस 2: द नाइट आउल बार शूटआउट में मनोज बाजपेयी के साथ काम किया।

यूसुफ पठान को भूखंड पर दावा साबित करने के लिए चार सप्ताह का मिला समय

अहमदाबाद, प्रेट्र : गुजरात हाई कोर्ट ने पूर्व क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस सांसद यूसुफ पठान को सोमवार को वडोदरा में एक भूखंड पर अपनी दावेदारी साबित करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। इसके साथ ही अदालत ने उन्हें चेतावनी दी कि यदि भूखंड खाली करने में और देरी हुई तो उन्हें अधिक जुर्माना देना होगा। उनके अधिवक्ता शालीन मेहता ने मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति डीएन रे की खंडपीठ से दो या तीन हफ्ते का समय देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि भूखंड पर कब्जे का दावा राज्य सरकार की नीति के तहत आगे बढ़ाया जा रहा है। संबंधित नीति को अदालत के रिकार्ड में प्रस्तुत किया जा चुका है।

मेहता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि नीति के तहत हमें (विवादित जमीन) मिल जाएगी, क्योंकि अन्य क्रिकेटर भी इस नीति के तहत इसके हकदार हैं।

निशानेबाजों की पसंदीदा .22 बोर राइफल बनाएगी वेब्ले एंड स्काट

पंकज मिश्र • जागरण

▶ संडीला में शुरू हुआ निर्माण, खिलाड़ियों और नए निशानेबाजों के लिए होगी उपयोगी

हरदोई : शस्त्र निर्माण में विश्व प्रसिद्ध कंपनी वेब्ले एंड स्काट अब अपनी संडीला स्थित इकाई में बनी .22 बोर राइफल बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। फैक्ट्री में इसका निर्माण शुरू हो चुका है। निशानेबाजी के प्रशिक्षण और खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार की जा रही यह राइफल गुणवत्ता, सटीकता और किफायती कीमत के कारण खिलाड़ियों तथा शूटिंग के शौकीनों के लिए बेहतर विकल्प साबित होगी। इसकी संभावित कीमत करीब एक लाख रुपये रखी गई है। वेब्ले एंड स्काट इंडिया ने स्याल ग्रुप से मिलकर संडीला में शस्त्र निर्माण इकाई स्थापित की है।

2021 से कंपनी विभिन्न माडल की पिस्टल और रिवाल्वर बाजार में उतार चुकी है। 26 उत्पादों के लक्ष्य के तहत अब .22 बोर राइफल को शामिल किया गया है। कंपनी के निदेशक सुरेंद्र पाल सिंह स्याल ने बताया कि उत्पादन से पहले सभी आवश्यक परीक्षण पूरे कर लिए गए हैं, जिससे इसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि .22 कैलिबर राइफल को निशानेबाजी की दुनिया में सबसे उपयोगी और भरोसेमंद हथियारों में माना जाता है।

सामान्य व्यक्ति की पहुंच वाली एक लाख रुपये रहेगी कीमत, एक माह में होगी उपलब्ध

सुरेंद्र पाल सिंह।

उज्जैन में कुत्ते ने मासूम पर किया हमला, चेहरे पर लगाने पड़े 55 टांके

नईदुनिया, इंदौर : मध्य प्रदेश में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को उज्जैन और धार जिलों में दो घटनाएं सामने आईं। उज्जैन जिले के देलवाड़ी गांव में तीन साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। तभी अचानक एक कुत्ता उस पर टूट पड़ा। इस घटना में घायल उसे चेहरे, आंख और नाक के पास गंभीर चोटें आई हैं, चेहरे पर 55 टांके लगाने पड़े।

वहीं धार में तीन साल की हितांशी को कुत्ते ने गंभीर रूप से जख्मी कर दिया है। उसे भी इंदौर रेफर किया गया, जहां नाक की सर्जरी कर चेहरे पर 40 टांके लगाए गए।

धार जिला अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में यहां कुत्ते के काटने के बाद 3,220 लोग इलाज के लिए पहुंचे। वहीं 2026 के साढ़े पांच महीनों में ही 1,341 मरीज पहुंच चुके हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद समाज सेवा का नया अध्याय लिख रहे ये वरिष्ठ नागरिक

जागरण विशेष बठिंडा के पुनर्ज्योति आई अस्पताल में पांच वरिष्ठ नागरिकों की प्रेरक टीम 2014 से लगातार कर रही निःस्वार्थ भाव से मदद

जीवन जिंदल • जागरण

रामपुरा फूल (बठिंडा): आमतौर पर सेवानिवृत्ति के बाद लोग नए कार्य की तलाश में जुट जाते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जोकि आराम, परिवार और निजी जीवन को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन बठिंडा जिले के रामपुरा फूल में इसके विपरीत पांच वरिष्ठ नागरिकों ने एक मिसाल पेश की है। इनका समूह पिछले एक दशक से अधिक समय से संत त्रिवेणी गिरी पुनर्ज्योति आई अस्पताल में बिना किसी वेतन या स्वार्थ के लगातार सेवाएं दे रहा है। वर्ष 2014 से शुरू हुई यह पहल आज एक संगठित स्वयंसेवी व्यवस्था का रूप ले चुकी है।सेवानिवृत्ति के बाद खाली समय और समाज के लिए कुछ करने की भावना ने इस पहल की नींव रखी।

रामपुरा फूल के तत्कालीन मंडी सुपरवाइजर मिलवर्तन भंडारी इस चेरिटेबल अस्पताल में आते थे तो देखते थे कि अधिक स्टाफ न होने से मरीजों को बहुत असुविधा होती है। बुजुर्गों को ज्यादा कठिनाई होती है। वह बताते हैं कि ऐसे में उन्होंने अपने परिचित साथियों के साथ मिलकर नियमित सेवा देने का निर्णय लिया। 2014 में सेवानिवृत्ति के बाद वह इस अस्पताल से जुड़े। फिर अन्य सेवानिवृत्त साथियों को जोड़ा।

इस तरह करते हैं मदद: ये बुजुर्ग स्वयंसेवक मरीजों की पर्ची बनवाने में सहायता करते हैं। विभागों तक मरीजों को पहुंचाते हैं। बुजुर्ग और असहाय मरीजों की देखभाल करते हैं। नेत्र जांच शिविरों में व्यवस्था संभालते हैं। भीड़ नियंत्रण और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में मदद करते हैं। शिविर लगाए जाने के दौरान ये सुबह से शाम तक अस्पताल में मौजूद रहकर व्यवस्था को सुचारु बनाते हैं। इन सभी वरिष्ठ नागरिकों की एक खास ताकत उनका लंबा प्रशासनिक और संस्थागत अनुभव भी है। भंडारी कहते हैं कि आने वाले समय में अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र जांच जागरूकता अभियान चलाने, अन्य लोगों को जोड़ने और अस्पताल की सेवाओं को और अधिक सुगम बनाने के लिए काम करना है।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

डाक्टर के कमरे में मरीजों को लेकर पहुंचे विजय कुमार जिंदल (बाएं से पहले) और फकीर चंद (मध्य में खड़े) • जागरण

ये हैं प्रमुख स्वयंसेवक

मिलवर्तन भंडारी: पूर्व मंडी सुपरवाइजर, मार्केट कमेटी

फकीर चंद: पूर्व सब पोस्टमास्टर, डाक विभाग

विजय कुमार जिंदल: पंजाब स्टेट सिविल सप्लाइज कार्पोरेशन लिमिटेड से सेवानिवृत्त

रजिंद्र सिंह दयोल: पूर्व फार्मासिस्ट, स्वास्थ्य विभाग

अशोक कुमार: पंजाब नेशनल बैंक से सेवानिवृत्त

मरीजों की नजर में ये हैं 'अपने लोग'

आंखों का आपरेशन करवा चुकीं सुरिंदर कौर कहती हैं कि ये बुजुर्ग स्वयंसेवक उन्हें परिवार के सदस्य की तरह सहयोग देते हैं, जिससे इलाज की प्रक्रिया आसान और तनावमुक्त हो जाती है। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्र से आए एक मरीज ने बताया कि पहली बार अस्पताल आने पर उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था, पर इन्होंने न केवल पूरी प्रक्रिया सरल भाषा में समझाई, बल्कि जब भी जरूरत पड़ी तो मदद की।

परिवार की तरह संभालते हैं काम: राकेश तायल

पुनर्ज्योति आई अस्पताल संचालित करने वाली संस्था के अध्यक्ष राकेश तायल का कहना है कि इन वरिष्ठ नागरिकों का योगदान अस्पताल की व्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। इनके अनुशासन, अनुभव और समर्पण के कारण अस्पताल संचालन अधिक सुचारु और मानवीय बन गया है। यह स्वयंसेवी टीम सिर्फ मदद नहीं करती, बल्कि अस्पताल के कार्यों को एक परिवार की तरह संभालती है।

राकेश तायल

सेवा से मिलता है असली संतोष

मरीजों के लिए पर्चा तैयार करते स्वयंसेवी मिलवर्तन भंडारी (दाएं से पहले) • जागरण

मिलवर्तन भंडारी कहते हैं कि सेवानिवृत्त के बाद जब अस्पताल में सेवा का अवसर मिला तो जीवन को नई दिशा मिल गई। मरीजों की मदद से मिलने वाला आशीर्वाद किसी भी पारिश्रमिक से अधिक मूल्यवान है। विजय कुमार जिंदल का कहना है कि समाजसेवा से जुड़कर व्यक्ति न केवल सक्रिय रहता है, बल्कि समाज में उसकी उपयोगिता भी बनी रहती है। वह मानते हैं कि सेवानिवृत्त के बाद अनुभव और समय का उपयोग समाजहित में होना चाहिए। इनके ही साथी फकीर चंद कहते हैं कि जब हम किसी मरीज की मदद करते हैं तो वे हम सभी को दुआ देते हैं। इससे मन को बड़ा सुकून मिलता है।

कानपुर में 225 करोड़ की साइबर ठगी का नेटवर्क ध्वस्त, छह गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, कानपुर

▶ झांसा देकर किराये पर बैंक खाते खुलवाते व ठगी की रकम मंगाने को साइबर ठगों को देते थे

▶ खुलवा चुके थे 450 खाते, बदले में देते थे 10 हजार महीना किराया, खातों में मंगाई 2500 लोगों से ठगी रकम

साइबर ठगी के बड़े नेटवर्क का राजफाश कर पुलिस ने रविवार को छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ये विभिन्न राज्यों में सक्रिय साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। इन म्यूल खातों में ठगी की रकम मंगाई जाती, फिर उसका निवेश क्रिप्टो करेंसी में कर दिया जाता। इसके बाद टेलीग्राम ग्रुप बनाकर पर्सन-टू-पर्सन (पीटूपी) ट्रेडिंग के जरिये क्रिप्टो करेंसी को भारतीय मुद्रा में बदलकर दूसरे खातों में भेज देते। इनसे 450 खातों की जानकारी मिली, जिनमें 2500 लोगों से ठगी गई 225 करोड़ की रकम का लेनदेन सामने आया है। ठगी में जनसेवा केंद्र के नाम से खुले खाते के शामिल होने की जानकारी मिली तो मामला खुला। गिरोह जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर म्यूल खाते खुलवाता और इसके लिए उन्हें 10 हजार रुपये प्रतिमाह किराया देता था।

डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि कानपुर के अशरफ खान, कमल, सूरज कुमार, राजदीप, भीमरतन और कन्नौज के राजन कटियार को पकड़ा गया है। अशरफ मास्टरमाइंड है। सूरज व राजन नए सदस्यों को ट्रेनिंग देते थे। ये चार साल से साइबर ठगों के लिए काम कर रहे थे। इनके उपलब्ध कराए खातों की शिकायतें तेलंगाना, बंगाल, कर्नाटक, उत्तराखंड, बिहार, तमिलनाडु, गुजरात समेत कई राज्यों से मिलीं। इसके आधार पर 25 ऐसे खातों की पड़ताल की गई, जिनके खिलाफ एनसीआरबी पोर्टल पर 27 शिकायतें दर्ज थीं। इनमें शिवराजपुर के श्रीराम जनसेवा केंद्र के नाम से संचालित एक खाते में करीब 10 करोड़ रुपये का लेनदेन मिला। यह खाता शुभांशी के नाम पर था, जिसके खिलाफ 15 शिकायतें हैं।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार, 16 जून, 2026

दैनिक जागरण
विवाद में संवाद ही सेतु बनता है

समझौता कितना टिकाऊ

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर सहमति बनना पश्चिम एशिया के साथ-साथ पूरी दुनिया के लिए राहतकारी तो है, लेकिन जब तक इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते और यह स्पष्ट नहीं हो जाता कि दोनों पक्षों में वस्तुतः किन-किन बिंदुओं पर सहमति बनी है, तब तक स्थायी शांति की आशा नहीं की जा सकती। समझौते के बिंदुओं को लेकर ईरानी मीडिया जो दावे कर रहा है, वे अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों से मेल नहीं खाते। ट्रंप कह रहे हैं कि होर्मुज समुद्री मार्ग जल्द खुल जाएगा और ईरान को वहां से निकलने वाले जहाजों से टैक्स वसूलने का अधिकार नहीं होगा, लेकिन ईरान कह रहा है कि यह समुद्री मार्ग उसकी व्यवस्थाओं के तहत खुलेगा। एक तो इसका आशय स्पष्ट होना आवश्यक है और दूसरे, करीब सौ दिन पहले अमेरिका के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने वाले इजरायल का संतुष्ट होना भी। यह ध्यान रहे कि इजरायल कह रहा है कि वह लेबनान के उन क्षेत्रों से पीछे नहीं हटेगा, जो उसने अपने अधिकार में ले लिए हैं। उसने यह भी चेतावनी दी है कि यदि लेबनान की धरती से उस पर हमला हुआ तो ईरान समर्थित हिजबुल्ला को वह हर हाल में निशाना बनाएगा।

ईरान की ओर से भी यह रेखांकित किया जा रहा है कि अंतिम वार्ता तब तक शुरू नहीं होगी, जब तक उसकी फ्रीज संपत्तियों का कम से कम आधा हिस्सा जारी नहीं कर दिया जाता और उसके तेल पर लगे प्रतिबंध निलंबित नहीं कर दिए जाते। ऐसे में आगामी शुक्रवार तक प्रतीक्षा करनी होगी, जब जिनेवा में इस समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद अगले 60 दिन तक ईरान के साथ उसके परमाणु कार्यक्रमों और अन्य विषयों पर वार्ता होगी। स्पष्ट है कि यह भी देखना होगा कि इस वार्ता का नतीजा क्या रहता है? यदि ईरान इजरायल के लिए खतरा बने हिजबुल्ला, हमास और हाऊती जैसे संगठनों को उसके खिलाफ उकसाता रहता है तो पश्चिम एशिया कभी भी सुलग सकता है। ईरान के साथ समझौते को लेकर ट्रंप यह प्रकट कर रहे हैं कि उनके मन-मुताबिक समझौता हुआ, लेकिन सच तो यह है कि फिलहाल ईरान का पलड़ा भारी दिख रहा है और इसके लिए वही अधिक जिम्मेदार हैं। जो भी हो, होर्मुज समुद्री मार्ग के पहले की तरह खुलने एवं वहां से नौवहन में कोई बाधा न खड़ी होने से ही दुनिया की चिंताएं खत्म होंगी और तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाओं के समक्ष जो गंभीर संकट पैदा हुआ, वह दूर होगा। इसमें भी समय लगेगा, क्योंकि होर्मुज से बारूदी सुरंगों को हटाने का काम करना होगा। एक तथ्य यह भी है कि ईरान ने खाड़ी के देशों में तेल और गैस संयंत्रों पर जो हमले किए, उनके चलते वे क्षतिग्रस्त हो गए हैं और उनका उत्पादन प्रभावित हुआ है।

सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास

देहरादून में विकासनगर क्षेत्र के बैरागीवाला में पानी को लेकर हुआ विवाद दो समुदायों के बीच संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई और फिर कुछ व्यक्तियों ने घेरकर एक परिवार के सदस्यों पर जानलेवा हमला कर दिया। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य दो सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना को बिल्कुल भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस प्रकार की घटनाओं को हतोत्साहित करना बेहद जरूरी है। इस तरह की घटना न केवल आपसी सौहार्द को बिगाड़ती है, बल्कि सांप्रदायिक वातावरण को बिगाड़ने में भूमिका निभाती हैं। इसका परिणाम कानून-व्यवस्था की बदहाली के रूप में सामने आता है। ऐसी घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड की शांति और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की इस घटना पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह उचित ही है। उत्तराखंड में इस प्रकार का वातावरण उत्पन्न करने के पीछे क्या कारण हैं, इसकी तह में जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के क्रम में पुलिस आपरेशन प्रहार चला रही है। इसमें संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। विशेष रूप से प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन्हीं क्षेत्रों में हिंसा की घटनाएं भी बढ़ रही है। विकासनगर में बसने वालों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। इस पर नजर रखी जानी आवश्यक है।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयासों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। इस मामले में उत्तराखंड सरकार ने सख्ती अपनाकर संदेश दिया है

फ्रांस में नई करवट लेंगे भारत-अमेरिका संबंध

डा. मनिष दाभाडे

जी-7 के दौरान मोदी को अमेरिका के समक्ष भारतीय नाविकों की मौत पर जवाबदेही की मांग के साथ ही व्यापार समझौते पर भी बात आगे बढ़ानी होगी

अवधेश राजपूत

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जी-7 में साझेदार देश के रूप में बुलाना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है। जब मोदी फ्रांस के एवियां-ले-बैंस में जी-7 शिखर सम्मेलन में पहुंचेंगे, उससे ठीक पहले दुनिया एक बड़े कूटनीतिक उलटफेर की गवाह बनी है। अमेरिका और ईरान के बीच 14 जून को एक युद्धविराम समझौते पर सहमति बनी है, जिस पर 19 जून को हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते के तहत होर्मुज जलमार्ग निर्बाध रूप से खुलेगा, अमेरिकी नाकेबंदी हटेगी और परमाणु वार्ता के लिए साठ दिन का ढांचा तैयार होगा। इस समझौते ने मोदी-ट्रंप की संभावित मुलाकात का पूरा संदर्भ ही बदल दिया है और संभव है कि इसमें भारत के तीखे सवाल गौण होकर रह जाएं। ऐसा ही एक सवाल तीन नाविकों की मौत से जुड़ा है। ये अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी में मारे गए। विदेश मंत्रालय ने इस मामले में अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो से कहा कि यह हमला 'न्यायसंगत नहीं था।' यह विरोध सही था, लेकिन यहां एक अलग ही उलटबांसी है। वह यह कि जिस सैन्य अभियान में ये जानें गईं, उसे अमेरिका ने खुद कूटनीति से वापस खींच लिया। ये मौतें अमेरिका के उस दांव के कारण हुईं, जिसे बाद में पलट दिया गया। एवियां में मोदी को बिना किसी राजनयिक लाग-लपेट के इन मौतों पर जवाबदेही की मांग करनी होगी।

अगर अमेरिका-ईरान समझौते पर दृष्टि डालें तो यह भारत के लिए बहुत बड़ी राहत है। होर्मुज जलमार्ग का भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्व है। भारत के कच्चे तेल आयात का लगभग चालीस प्रतिशत इसी रास्ते से आता है। गैस की आपूर्ति भी एक बड़ी हद तक इसी मार्ग के जरिये होती है। नाकेबंदी के कारण न केवल आपूर्ति बाधित थी, बल्कि ढुलाई लागत भी बढ़ गई थी। आपूर्ति श्रृंखला में गतिरोध से महंगाई का दबाव बढ़ने लगा। स्वाभाविक है कि इस जलमार्ग का खुलना भारत के लिए अच्छी खबर है। हालांकि इस खुशखबरी के बीच नाविकों की मौत के मुद्दे को अनदेखा नहीं किया जा सकता। एक परिपक्व विदेश नीति यही करती है कि समझौते के स्वागत के साथ ही नाविकों के मुद्दे पर जवाबदेही की मांग करो।

एवियां में मोदी-ट्रंप संभावित मुलाकात की बात करें तो यह पिछले वर्ष व्हाइट हाउस में मुलाकात के बाद दोनों की पहली द्विपक्षीय भेंट होगी। मोदी का वह अमेरिकी दौरा ठोस नतीजों का निमित्त बना था। उसमें सैन्य साझेदारी, तकनीकी हस्तांतरण और वाणिज्य के स्तर पर संयुक्त पहल शुरू हुई। सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआइ, क्वांटम कंप्यूटिंग और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सहयोग का ढांचा बना, 500 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य तय हुआ और मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण हुआ। इसके बावजूद व्यापार के मोर्चे पर तस्वीर जटिल बनी हुई है। फरवरी में अंतरिम समझौते की रूपरेखा तो बनी और टैरिफ 25 से 18 प्रतिशत हुआ, लेकिन आखिरी मंजिल अभी दूर है। नए श्रम-उल्लंघन शुल्क की सुनवाई जुलाई में होगी। भारतीय टेक्नोलाजी पेशेवरों के लिए एच-1बी वीजा का संकट जारी है। इसकी वजह से आठ लाख भारतीय पेशेवर प्रभावित हैं। अच्छी बात है कि जयशंकर ने यह मुद्दा सीधे उठाया है और उठाते रहना भी चाहिए।

व्यापक संबंधों की दशा-दिशा को देखें तो मई में नई दिल्ली में हुई क्वाड बैठक में हिंद-प्रशांत समुद्री निगरानी का नया ढांचा बना, महत्वपूर्ण खनिजों पर द्विपक्षीय समझौता हुआ और बीस अरब डालर की सप्लाई चेन मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई गई, जो चीन के दुर्लभ खनिजों पर वर्चस्व का जवाब है। रक्षा सहयोग अब खरीदार-विक्रेता के पुराने ढांचे से निकलकर सह-विकास और सह-उत्पादन की दिशा में बढ़ रहा है। ईरान समझौते के बाद खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता आने से अमेरिकी रणनीतिक ध्यान हिंद-प्रशांत की ओर और मुड़ेगा और वहां भारत की केंद्रीयता बढ़ेगी ही। चीन की आक्रामकता हिमालय से लेकर दक्षिण चीन सागर तक कम नहीं हुई है और यही वह मूल कारण है, जो इस साझेदारी को अपरिहार्य बनाता है। इसके साथ ही हमें एक कड़वी सच्चाई पर भी गौर करना होगा और वह यह कि वर्ष 2047 तक तक विकसित भारत का संकल्प रणनीतिक एकाकीपन से पूरा नहीं हो पाएगा। दुनिया का सबसे बड़ा वेंचर कैपिटल बाजार, सबसे उन्नत टेक इकोसिस्टम, सबसे गहन रक्षा प्रौद्योगिक आधार और भारतीय वस्तुओं के लिए सबसे विशाल बाजार, ये सब अमेरिका में ही हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में कहा भी कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता विकसित भारत की यात्रा को गति देगा। यही इस रिश्ते की असली धुरी है।

ट्रंप का दूसरा कार्यकाल अब तक भारी अनिश्चितताओं से भरा रहा है, जिसमें मोदी की नीति-संयम, स्पष्टता और टकराव से परहेज वाली रही है। यह दूरदृष्टि का ही परिचायक है। जब भारत पर टैरिफ लगे, तो जवाबी कारवाई नहीं हुई। जब दूसरे देशों ने अमेरिका-विरोधी गठबंधन का प्रलोभन दिया तो भी भारत ने जल्दबाजी नहीं दिखाई। इस संदर्भ में जयशंकर का यह कथन उल्लेखनीय रहा, 'रिश्तों में मुद्दे और मतभेद हमेशा रहेंगे, जहां मायने यह रखता है कि उनसे निपट आगे बढ़ने की क्षमता हो।' ईरान समझौता खुद इसी सबक की पुष्टि करता है कि उग्र से उग्र टकराव भी धैर्यपूर्ण कूटनीति से सुलझाए जा सकते हैं।

एवियां में मोदी को तीन काम एक साथ करने हैं। नाविकों की मौत पर ठोस जवाबदेही और भविष्य में व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता लेनी है, खासकर तब जब होर्मुज अमेरिका की सहमति से खुल रहा है। व्यापार समझौते के अटके अंतिम हिस्से को पूरा कराने के लिए दबाव बनाना है और दोनों देशों के बीच बनी रणनीतिक संरचना को उस नींव के रूप में पुष्ट करना है, जो किसी भी राजनीतिक तूफान से परे है। भारत-अमेरिका संबंध आज जितने गहरे हैं और जितने जरूरी हैं, इतिहास में पहले कभी नहीं थे। एवियां में संबंधों को सही दिशा में बढ़ाना होगा।

(लेखक जेएनयू में एसोसिएट प्रोफेसर और 'द इंडियन फ्यूचर्स' के संस्थापक हैं)
response@jagran.com

भविष्य की दिशा में बढ़ती भारतीय रेल

रमेश कुमार दुबे

तेज गति के साथ विद्युतीकरण के जरिये रेलवे डीजल पर निर्भरता घटाकर स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ा रहा है

स्वयं को समय के अनुरूप ढालने में जुटा रेलवे। फाइल

पिछले दिनों पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल का सीमित और समझदारी से इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा दें और जहां निजी वाहन की जरूरत हो वहां कारपूलिंग अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि हमें विदेशी मुद्रा बचानी होगी। प्रधानमंत्री की अपील का जनता पर कितना असर पड़ा यह तो आने वाला समय ही बताएगा, लेकिन भारतीय रेल द्वारा विद्युतीकरण मुहिम के जरिये डीजल की बचत की जा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल ने विद्युतीकरण के जरिये 185 करोड़ किलो लीटर डीजल बचाया। यह मात्रा देश की कुल चार दिन की डीजल की मांग के बराबर है। सबसे बड़ी बात यह है कि विद्युत कर्षण (रेल के पहियों को खींचने में लगने वाली ऊर्जा) पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ डीजल ट्रैक्शन की तुलना में 70 प्रतिशत किफायती भी है।

उल्लेखनीय है कि 2014 से पहले देश में मात्र 21,801 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने रेल विद्युतीकरण को प्राथमिकता दी। तत्कालीन रेल मंत्री के निर्देशन में रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू किया गया। इस मिशन का लक्ष्य रेलवे के पूरे नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण करना है। रेलवे ने यह मिशन डीजल इंजनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने और ट्रेनों की सामान्य गति को बढ़ाने के लिए तैयार की है। डीजल इंजनों की कार्यक्षमता काफी कम होती है और इन्हें चलाने में बहुत लागत आती है। मार्च 2026 तक रेलवे के कुल 70,175 किलोमीटर ब्राडगेज नेटवर्क में 69,906 किलोमीटर नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। अर्थात कुल ब्राडगेज नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकृत किया जा चुका है। अब मात्र 269 किलोमीटर रेलवे नेटवर्क ऐसा है, जिसका विद्युतीकरण किया जाना बाकी है। जिन राज्यों में रेल विद्युतीकरण अभी लंबित है, उनमें गोवा, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम और राजस्थान शामिल हैं। वर्ष 2014 से पहले देश में प्रतिदिन औसत 1.42 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ। वहीं रेल विद्युतीकरण मिशन शुरू होने के बाद 2019-2025 में प्रतिदिन औसतन 15 किलोमीटर रेललाइनों का विद्युतीकरण किया गया। 2023-24 में रेल विद्युतीकरण का रिकार्ड बना जब प्रतिदिन औसतन 19.7 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ। यह परिवर्तन भारतीय रेल को अधिक तेज, स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाते हुए नए भारत की विकास रीढ़ को और मजबूत कर रहा है।

स्पष्ट है कि 1925 में बांबे वीटी (वर्तमान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस) और कुर्ला के बीच हार्बर लाइन पर चली पहली बिजली चालित रेलगाड़ी के 100 वर्ष बाद भारतीय रेल ने शत प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। रेल विद्युतीकरण के मामले में भारत दुनिया की कई अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ चुका है। जहां भारत में 96.6 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हो चुका है वहीं ब्रिटेन में 39 प्रतिशत, रूस में 52 प्रतिशत और चीन में 82 प्रतिशत रेलमार्गों का ही विद्युतीकरण हो पाया है। रेल विद्युतीकरण की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रेलवे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों क इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहा है। नवंबर 2025 तक रेलवे अपने कुल परिचालन में 898 मेगावाट सौर ऊर्जा का इस्तेमाल कर रहा था। 2014 में मात्र 3.68 मेगावाट सौर ऊर्जा का इस्तेमाल रेलवे कर रहा था। 898 मेगावाट में से 629 मेगावाट का उपयोग रेलगाड़ियों को चलाने के लिए किया जा रहा है, जबकि 269 मेगावाट अन्य जरूरतों को पूरा करने में। इनमें स्टेशन की लाइटिंग, वर्कशाप, सर्विस बिल्डिंग और रेलवे क्वार्टर शामिल हैं।

वर्तमान में 2,626 रेलवे स्टेशन सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं। इस तरह के उपाय 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारतीय रेल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। भारत ने हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन तथा 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। रेलवे ने हरित ऊर्जा स्रोतों को विविधीकरण करते हुए हरियाणा कजींद-सोनीपत रूट पर देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली 10 कोच वाली ट्रेन को मंजूरी दे दी है। इससे प्रदूषण काफी कम होगा। रेलवे अपने ऊर्जा स्रोतों को विविधीकृत कर रहा है। वर्तमान में रेलवे ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए 4,260 मेगावाट सौर और 3,427 मेगावाट पवन ऊर्जा के लिए समझौता किया है। इसके अलावा भी रेलवे ने 1,500 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लिए अनुबंध किया है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर पावर लिमिटेड अपने सोलर पार्क से भारतीय रेलवे को सौर ऊर्जा की आपूर्ति कर रही है। 2025-26 में रेलवे ने 81 लाख पौधे लगाए, 185 जल पुनर्चक्रण संयंत्र एवं 8,313 वर्षा जल संचयन संरचनाएं भी स्थापित किए। भारतीय रेल पर्यावरण संरक्षण में मौन क्रांति ला रहा है।

(लेखक केंद्रीय सचिवालय सेवा में अधिकारी हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

सच्चिदानंद का सामर्थ्य

यद्यपि विश्व की कोई भी भाषा जगतपति के स्वरूप तथा सामर्थ्य का वर्णन यथार्थरूप में नहीं कर सकती है, तथापि इनके नाम का पर्याय स्वरूप जो सच्चिदानंद शब्द है, वह अपने गंभीर भाव से ईश्वर की अनंत शक्ति का उद्बोधक हो जाता है। इस शब्द का पदच्छेद करने पर इसमें सत्, चित् और आनंद शब्दों का समाहन दिखता है। इनमें से सत् का अर्थ है सदा एक जैसा बना रहने वाला तथा जिसका कोई आदि, मध्य तथा अंत का पता न हो। शास्त्र कहते हैं कि यह सृष्टि पंच भौतिक तत्वों से बनी है और इसका आदि, मध्य तथा अंत सदा प्रत्यक्ष होता है। जबकि इनके अतिरिक्त कोई भी ऐसा नहीं है, जो नित्य रूप से यहां रहता हो। श्रीमद्भगवद्गीता में स्पष्ट रूप से यह कहा गया है कि जिसने यहां जन्म लिया, उसका मरण निश्चित है, क्योंकि वह संसार अनित्य है।

यही स्थिति 'चित्' अर्थात चेतना की भी है। पूरे संसार में जो व्यक्ति अपनी चेतना का दंभ भरकर घूमता-फिरता है और अपने आपको संपूर्ण भूमि का भू-स्वामी मान कर आनंदित होता है, उसकी चेतना और आनंद कब तक रहेगा, किसी को पता नहीं, क्योंकि उसका यह चैतन्य उसका अपना नहीं है। इसीलिए उसकी नित्यता का कोई ठिकाना नहीं है।

ऐसी ही अनित्यता सांसारिक आनंद की भी है। इस धरती पर कोई भी ऐसा व्यक्ति या पदार्थ नहीं है, जो शाश्वत रूप से आपको आनंद से भर सके, जिसके बाद आपको कुछ भी पाने की इच्छा न रहे। और यदि कुछ ऐसा आपको मिल ही गया तो आपके जैसा वह भी क्षणिक और अनित्य ही है। इसीलिए शास्त्र तथा आचार्य कहते हैं कि ईश्वर का सच्चिदानंद स्वरूप ही ऐसा है जिसमें सत्, चित् एवं आनंद की पूर्णता है और सच्चिदानंद का स्मरण ही आनंद की प्राप्ति का हेतु है। व्यक्ति को इसी आनंद की प्राप्ति के लिए ही प्रयासरत रहना चाहिए।

डा. गदाधर त्रिपाठी

महिला कर्मचारियों के अधिकार का सवाल

सुनीता मिश्रा

चाइल्ड केयर लीव कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि कामकाजी महिलाओं की एक वास्तविक आवश्यकता है

दिल्ली हाई कोर्ट ने कामकाजी महिलाओं के हक में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि निजी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षिकाओं को भी अपने बच्चों की देखभाल के लिए चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) पाने का अधिकार है। अदालत ने एक निजी विद्यालय की शिक्षिका की याचिका पर एकल पीठ के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें महिला को चाइल्ड केयर लीव अधिकार के रूप में देने से इन्कार कर दिया गया था। यह निर्णय केवल एक शिक्षिका को राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के बीच मौजूद अधिकारों की असमानता पर भी गंभीर प्रश्न खड़ा करता है।

हाल के वर्षों में भारत में महिला कार्यबल की भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, महिला श्रम बल भागीदारी दर वर्ष 2017-18 के 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 40 प्रतिशत तक पहुंच गई। यह परिवर्तन भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज दोनों के लिए सकारात्मक संकेत है। कार्यबल में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी न केवल समग्र उत्पादकता बढ़ाती है, बल्कि नवाचार को प्रोत्साहित करती है, परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाती है और देश की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को भी बढ़ाती है। इसके बावजूद परिवार और बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा आज भी महिलाओं के कंधों पर ही रहता है। एक ओर उन्हें विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करना होता है, तो दूसरी ओर अपने बच्चों के पालन-पोषण, स्वास्थ्य आदि का भी ध्यान रखना पड़ता है।

ऐसे में चाइल्ड केयर लीव कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि कामकाजी महिलाओं की एक वास्तविक और मानवीय आवश्यकता है। संविधान के अनुच्छेद 21 में दिए गए मौलिक अधिकार के तहत प्रत्येक कर्मचारी को अपने बच्चे की देखभाल के लिए इस अवकाश को लेने का अधिकार है, जिसे संस्थान द्वारा खारिज नहीं किया जा सकता। सरकार और शिक्षा नियामक संस्थाओं को इस विषय में स्पष्ट दिशानिर्देश तैयार करने की आवश्यकता है। इनमें अवकाश की अवधि, पात्रता की शर्तें, आवेदन की प्रक्रिया एवं वैकल्पिक व्यवस्था के संबंध में संतुलित प्रविधान किए जा सकते हैं।

श्रम कानूनों और कार्यस्थल की नीतियों का उद्देश्य केवल उत्पादकता बढ़ाना या आर्थिक लाभ अर्जित करना नहीं है। उनका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक कर्मचारी मानवीय अधिकारों के साथ अपना जीवन व्यतीत कर सके। दिल्ली हाई कोर्ट का यह निर्णय इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जरूरत इस बात की है कि इसे व्यापक नीति का स्वरूप दिया जाए, ताकि निजी और सरकारी क्षेत्र की महिला कर्मचारियों के बीच अधिकारों की खाई कम हो सके।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

राम भक्तों की श्रद्धा पर आघात

'चढ़ावे की चोरी' शीर्षक से प्रकाशित संपादकीय पढ़ा। अयोध्या के श्रीराममंदिर के पावन परिसर से आई चढ़ावे की खबरों ने देश के करोड़ों श्रद्धालुओं को मर्मांतक वेदना से भर दिया है। हमारा यह आराध्य मंदिर सदियों के धैर्य और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जीवंत प्रतीक है। दर्शन को आए रामभक्तों द्वारा दानपात्रों में अर्पण की जाने वाली धनराशि की चोरी होना अत्यंत लज्जास्पद और पीड़ादायक है। दानपात्रों में गिरने वाली वह राशि मात्र मुद्रा नहीं, बल्कि कतारों में लगे दरिद्र नारायण की अगाध श्रद्धा और अंतर्मन के आंसुओं का अर्घ्य थी। प्रभु की सेवा के पुनीत दायित्व के बीच ऐसा घृणित कृत्य करोड़ों भक्तों के निश्छल विश्वास के कत्ल जैसा है। जहां दूर-दूर से आए श्रद्धालु भाव-विभोर होकर शीश नवा रहे थे, वहीं उत्तरदायी पदों पर बैठे कुछ लोगों द्वारा उस समर्पण को अपवित्र करना अक्षम्य है। यद्यपि शासन द्वारा विशेष जांच दल का गठन और शीर्ष स्तर पर त्वरित हस्तक्षेप एक आवश्यक कदम है, किंतु इस कृत्य से श्रद्धालुओं के आस्थावान अंतःकरण पर जो गहरा आघात लगा है, उसकी पूर्ति केवल जांच से संभव नहीं है। इस अपराध के दोषियों को कानून के दायरे में कठोर दंड दिया जाए।

प्रमोद कुमार गोयल, मेरठ

भगवान के घर में चोरी

कभी-कभी ऐसी खबरें सुर्खियां बनती हैं, जो देश की सभ्यता, संस्कृति, ईमानदारी और मानवता की छवि को गहरा आघात पहुंचाती हैं। इन दिनों यह खबर चर्चा में है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के अयोध्या मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान में कुछ लोगों ने गड़बड़ी की है। जो लोग ऐसी हरकतों को अंजाम देते हैं, उनके बारे में यही कहा जा सकता है कि जो भगवान के घर में ही बेईमानी करने का प्रयास करते हैं और भगवान से भी नहीं डरते, वे अन्य मामलों में क्या-क्या नहीं कर सकते। अयोध्या के राम मंदिर में जो कुछ भी हुआ, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। हालांकि सरकार ने इस मामले की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है और जांच की जिम्मेदारी विशेष जांच दल (एसआइटी) को सौंपी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ सिक्कों या थोड़े से लाभ के लिए लोग अपना ईमान तक बेच देते हैं? ऐसी बेईमानी करने वालों को न तो परमात्मा का भय होता है और न ही कानून का। अपार धन-दौलत, सोना-चांदी केवल मंदिरों में ही नहीं, बल्कि विभिन्न धर्मों के अनेक धार्मिक स्थलों में भी जमा है। इस संपदा का उपयोग मानव कल्याण के लिए किया जाना चाहिए। इस धन-संपदा पर सवाल खड़े करना या उसे राजनीति का विषय बनाना उचित नहीं है।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

पुरुषों को भी समझें

यह सच है कि पुरुषों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को हमारे समाज में गंभीरता से नहीं लिया जाता। पुरुषों पर पूरे परिवार को चलाने के लिए जीविका अर्जन, उनकी जरूरतों को पूरा करने का वित्तीय भार होता है। उन पर वित्तीय दायितव को लेकर सदैव एक मानसिक दबाव रहता है। हमारे समाज में बचपन से पुरुषों को रोना, अपनी भावनाओं को व्यक्त करना कमजोरी की निशानियां बता एक ऐसी परवरिश दी जाती है कि वे न चाहते हुए भी स्वयं को मजबूत और "सब ठीक है" दिखाते हैं। खुल कर अपने मन की बात न कहना, अपना दर्द किसी से साझा न करना और अपनी समस्या घरवालों से न बांटना, यह सब उन्हें भावनात्मक और मानसिक रूप से तोड़ देता है। उन्हें केवल परिवार के मुखिया और संरक्षक के रूप में देखा जाता है। बदलते परिवेश में विवाह के बाद अब पुरुष भी हिंसा, मानसिक और भावनातमक प्रताड़ना का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि परिवार उन्हें समझे, उनकी बात सुनें और उनसे खुलकर संवाद किया जाए ताकि वे अपने मन के भाव, विचारों की अभिव्यक्ति और दर्द को व्यक्त कर सकें। पुरुषों को अपने शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर भी जागरूकता की आवश्यकता है।

अभिलाषा गुप्ता, मोहाली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन. नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण)-विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

21 प्रतिशत ही थी उपस्थिति मिमी चक्रवर्ती की लोकसभा में, जब वह वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद अगले पांच वर्षों तक तृणमूल कांग्रेस से सांसद रही थीं। अपने पूरे कार्यकाल में उन्होंने सदन में केवल सात बार ही अपनी बात रखी थी।

कैलाश बिश्नोई
उच्च शिक्षा मामलों के जानकार

आजकल

प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न

नीट परीक्षा को लेकर हाल के वर्षों में सामने आए विवादों ने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। इसी संदर्भ में संसदीय समिति ने अमेरिका के सैट और चीन के गाओकाओ जैसे वैश्विक माडलों से सीख लेने की संस्तुति की है। वर्ष में दो से तीन अवसर, कंप्यूटर आधारित परीक्षा, मजबूत सुरक्षा तंत्र और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्धता जैसे सुझाव केवल परीक्षा आयोजन की पद्धति बदलने का प्रयास नहीं हैं। वस्तुत: इनका लक्ष्य ऐसी मूल्यांकन व्यवस्था विकसित करना है जो सुरक्षा, समावेशन और विश्वसनीयता के नए मानक स्थापित कर सके

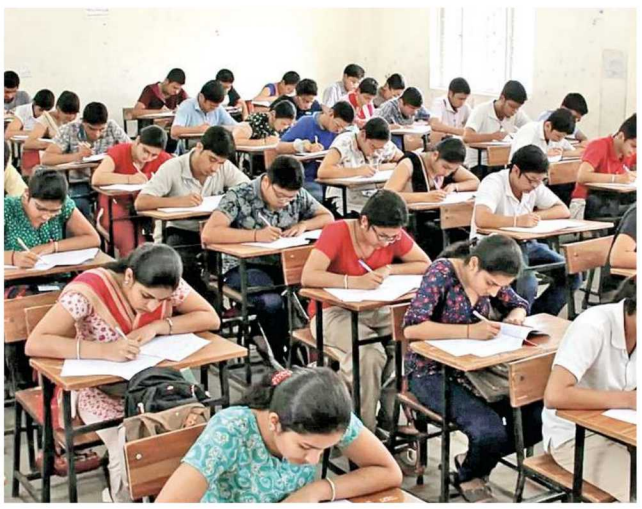

प्रतियोगी परीक्षाओं की पूरी व्यवस्था में पारदर्शिता होने से उसकी विश्वसनीयता कायम रहती है। फाइल

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल चयन का माध्यम नहीं हैं, वे करोड़ों युवाओं की आकांक्षाओं, परिवारों के सपनों और राष्ट्र की मानव संसाधन निर्माण प्रक्रिया का आधार भी हैं। विशेष रूप से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) अब केवल एक परीक्षा नहीं रह गई है, यह देश के चिकित्सा शिक्षा तंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्रवेश-द्वार व्यवस्था बन चुकी है। ऐसे में जब इस परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तब केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता कठघरे में खड़ी दिखाई देती है।

इसी संदर्भ में संसदीय समितियों द्वारा प्रस्तुत हालिया सिफारिशें महज प्रशासनिक सुधारों का दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे भारत की परीक्षा प्रणाली के व्यापक पुनर्गठन की दिशा में एक गंभीर विमर्श का संकेत भी देती हैं। इन सुझावों के केंद्र में परीक्षा की सुरक्षा, अभ्यर्थियों का मनोवैज्ञानिक कल्याण, संस्थागत जवाबदेही व तकनीकी आधुनिकीकरण जैसे अनेक आयाम निहित हैं। सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव वर्ष में दो या तीन बार नीट आयोजित करने का है। यह विचार केवल परीक्षा की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मूल्यांकन दर्शन (असेसमेंट फिलासफी) में एक मौलिक परिवर्तन का संकेत देता है। वर्तमान व्यवस्था में एक ही दिन और कुछ घंटों का प्रदर्शन किसी विद्यार्थी के वर्षों के परिश्रम का निर्णायक आधार बन जाता है। ऐसी संरचना स्वाभाविक रूप से अत्यधिक तनाव, अनिश्चितता और मनोवैज्ञानिक दबाव उत्पन्न करती है।

अमेरिका में स्कालास्टिक असेसमेंट टेस्ट तथा अमेरिकन कालेज टेस्टिंग जैसी परीक्षाओं का बहु-अवसर माडल इसी कारण विकसित हुआ था कि किसी एक दिन की असफलता किसी छात्र के पूरे भविष्य का निर्धारण न कर दे। यदि भारत भी इसी दिशा में आगे बढ़ता है तो यह विद्यार्थियों के लिए अधिक मानवीय, समावेशी और लचीली परीक्षा व्यवस्था का निर्माण कर सकता है। साथ ही, यदि किसी परीक्षा में तकनीकी अथवा प्रशासनिक गड़बड़ी हो जाए तो इस कारण लाखों छात्रों का एक पूरा शैक्षणिक वर्ष दांव पर नहीं लगेगा, हालांकि यह प्रस्ताव जितना आकर्षक प्रतीत होता है, उतना ही जटिल भी है। बहु-स्तरीय परीक्षा प्रणाली का अर्थ है अधिक प्रश्नपत्र निर्माण, विस्तृत सुरक्षा प्रबंधन, अनेक मूल्यांकन चक्र, स्कोर सामान्यीकरण तथा परिणामों की तुलनीयता सुनिश्चित करना। भारत जैसे देश में यह कार्य केवल प्रशासनिक इच्छाशक्ति से नहीं, बल्कि परिष्कृत संस्थागत क्षमता से संभव होगा।

कंप्यूटर आधारित परीक्षा/ सीबीटी की दिशा में बढ़ने का विचार इसी व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है। वस्तुत: प्रश्नपत्र लीक की अधिकांश घटनाएं छपाई, पैकेजिंग, परिवहन तथा भंडारण की पारंपरिक प्रक्रिया से जुड़ी रही हैं। यदि प्रश्नपत्र डिजिटल एन्क्रिप्शन के माध्यम से परीक्षा प्रारंभ होने के कुछ मिनट पूर्व ही केंद्रों तक पहुंचें और निर्धारित समय पर विशेष कोड द्वारा खुलें, तो सुरक्षा जोखिमों में कमी लाई जा सकती है।

परंतु समझना होगा कि टेक्नोलाजी स्वयं कोई जादुई समाधान नहीं है। तकनीकी व्यवस्था उतनी ही विश्वसनीय होती है जितनी उसकी संरचना, निगरानी और रखरखाव व्यवस्था। ग्रामीण भारत के अनेक क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली आपूर्ति तथा डिजिटल अवसंरचना अभी भी समान स्तर पर उपलब्ध नहीं हैं। यदि तकनीकी संक्रमण सामाजिक और भौगोलिक असमानताओं को बढ़ा देता है, तो सुधार का उद्देश्य ही प्रभावित हो सकता है। यही वजह है कि किसी भी सीबीटी माडल को चरणबद्ध, परीक्षण-आधारित तथा समावेशी दृष्टिकोण के साथ लागू करना होगा।

ऐसे में बायोमेट्रिक सत्यापन और चेहरे की पहचान प्रणाली की सिफारिश भी समयोचित प्रतीत होती है। डमी उम्मीदवार, साल्वर गैंग और प्रतिरूपण की घटनाएं केवल परीक्षा सुरक्षा को नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की अवधारणा को भी आघात पहुंचाती हैं। जब कोई अयोग्य व्यक्ति छलपूर्वक अवसर प्राप्त करता है, तब वास्तव में किसी योग्य विद्यार्थी का अधिकार छिनता है। फिर भी यहां गोपनीयता, डाटा सुरक्षा तथा डिजिटल राइट्स के प्रश्नों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस पूरी बहस का सबसे महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की संस्थागत स्थिति से जुड़ा हुआ है। संसदीय पैनल ने जिस प्रकार यूपीएससी और सीबीएसई का उदाहरण देते हुए एनटीए की कार्यप्रणाली पर प्रश्न उठाए हैं, वह केवल आलोचना नहीं, बल्कि एक गहरी संस्थागत समीक्षा की मांग है। यूपीएससी की विश्वसनीयता किसी एक नियम या तकनीक से नहीं बनी। वह दशकों की संस्थागत संस्कृति, स्वायत्तता, पेशेवर दक्षता और उत्तरदायित्व का परिणाम है। यदि एनटीए को वास्तव में राष्ट्रीय परीक्षा प्रणाली का केंद्रीय स्तंभ बनना है, तो उसे भी वैधानिक दर्जा, स्पष्ट जवाबदेही संरचना तथा दीर्घकालिक संस्थागत स्वायत्तता प्रदान करनी होगी।

नीट विवाद ने देश को असहज प्रश्नों के सामने लाकर खड़ा किया है। यदि संसदीय समितियों की संस्तुतियों को दूरदर्शिता, संतुलन और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ लागू किया गया, तो संभव है कि आने वाले वर्षों में भारत केवल विश्व की सबसे बड़ी परीक्षा प्रणाली का ही नहीं, बल्कि सबसे विश्वसनीय प्रणाली का भी उदाहरण बन सके। जब व्यवस्था यह भरोसा दिला सके कि अवसर समान हैं, प्रक्रिया निष्पक्ष है और परिणाम योग्यता आधारित हैं, तभी शिक्षा व्यवस्था अपने वास्तविक लोकतांत्रिक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगी।

सामाजिक न्याय और अवसर की समानता का सिद्धांत

प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और भर्ती घोटालों की घटनाएं अब अलग-अलग मामलों की सूची भर नहीं रह गई हैं। वे भारतीय परीक्षा प्रणाली के समक्ष खड़े एक गहरे संस्थागत संकट का संकेत बन चुकी हैं। वर्ष 2021 की यूपीटीईटी परीक्षा हो, राजस्थान की रीट भर्ती, बिहार लोक सेवा आयोग की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा, तेलंगाना लोक सेवा आयोग का भर्ती घोटाला, 2024 का नीट और यूजीसी-नेट विवाद अथवा 2024 की उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा, हर घटना एक ही प्रश्न पूछती दिखाई देती है कि क्या देश की चयन और मूल्यांकन व्यवस्था अपनी विश्वसनीयता बचा पाने की स्थिति में है। दुखद तथ्य यह है कि प्रत्येक विवाद के बाद जांच बैठती है, गिरफ्तारियां होती हैं, समितियां गठित होती हैं, किंतु कुछ समय बाद वही प्रश्न किसी नई परीक्षा के साथ पुनः खड़ा हो जाता है। समस्या अब किसी एक परीक्षा या एक एजेंसी की नहीं रह गई है। यह शैक्षिक प्रशासन, परीक्षा प्रबंधन और सार्वजनिक संस्थाओं में घटते विश्वास का प्रश्न बन चुकी है।

इस संकट की जड़ को केवल तकनीकी कमजोरी या सुरक्षा चूक के रूप में नहीं देखा जा सकता। इसके पीछे एक व्यापक परीक्षा उद्योग विकसित हो चुका है, जिसमें राजनीतिक संरक्षण, प्रशासनिक शिथिलता, शिक्षा माफिया, तकनीकी एजेंसियां और कुछ मामलों में कोचिंग नेटवर्क तक की संदिग्ध भूमिका की चर्चा बार-बार सामने आती रही है। इस समस्या का एक सामाजिक और आर्थिक पक्ष भी है, जिस पर गंभीरता से चर्चा नहीं होती। भारत में सरकारी क्षेत्र में रोजगार केवल नौकरी नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक प्रतिष्ठा का माध्यम माना जाता है। यही कारण है कि एक-एक परीक्षा में लाखों अभ्यर्थी शामिल होते हैं। सीमित अवसर और विशाल प्रतिस्पर्धा का यह अंतर कुछ लोगों को अनैतिक रास्तों की ओर धकेलता है। जिनके पास आर्थिक संसाधन और प्रभाव है, वे परीक्षा प्रणाली में सेंध लगाने का प्रयास करते हैं, जबकि परिश्रम और योग्यता के आधार पर आगे बढ़ने वाला सामान्य अभ्यर्थी स्वयं को असहाय महसूस करता है। परिणामस्वरूप चयन प्रक्रिया की मेरिटोक्रेटिक प्रकृति प्रभावित होती है। इससे केवल योग्य युवाओं का अवसर नहीं छिनता, बल्कि सार्वजनिक संस्थानों में दक्ष मानव संसाधन के स्थान पर संदिग्ध योग्यता वाले व्यक्तियों के प्रवेश का खतरा भी बढ़ जाता है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए इससे अधिक चिंताजनक स्थिति नहीं हो सकती।

स्थिति को और गंभीर बनाने वाला पहलू न्यायिक और प्रशासनिक विलंब है। अक्सर पेपर लीक या भर्ती अनियमितता के मामले वर्षों तक जांच और मुकदमों में उलझे रहते हैं। इस दौरान हजारों अभ्यर्थियों की आयु सीमा समाप्त हो जाती है, कैरियर योजनाएं प्रभावित होती हैं और मानसिक तनाव असाधारण स्तर तक पहुंच जाता है। कई बार परीक्षाएं रद होती हैं, फिर पुनर्परीक्षा आयोजित होती है, उसके बाद परिणाम न्यायालय में चुनौती का विषय बन जाते हैं। ऐसे वातावरण में युवाओं के भीतर संस्थागत अविश्वास पनपना स्वाभाविक है। किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसका युवा वर्ग होता है। यदि वही वर्ग यह महसूस करने लगे कि परिश्रम से अधिक प्रभाव और धन निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली की समस्या नहीं रह जाती, बल्कि सामाजिक न्याय और अवसर की समानता के सिद्धांत पर भी प्रश्नचिह्न लग जाता है।

स्पष्ट है कि अब आंशिक सुधारों से काम नहीं चलेगा। आवश्यकता चयन और भर्ती प्रक्रिया में संरचनागत बदलाव की है। रीक्षा केवल चयन की प्रक्रिया नहीं होती, वह समाज में अवसर की समानता और योग्यता आधारित प्रगति के विश्वास की आधारशिला भी होती है। इसलिए पेपर लीक को एक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास के विरुद्ध गंभीर चुनौती के रूप में देखने की आवश्यकता है। (कैलाश बिश्नोई)

खरी-खरी

मुद्दों से भटकाव

राजेंद्र कुमार सिंह

यदि आप अच्छा काम कर रहे हैं तो आपके पैर खींचने और मीनमेख निकालने वालों की कमी नहीं होगी। यह परंपरा नई नहीं है, सदियों पुरानी है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम तक इससे अछूते नहीं रहे। उनके जीवन और निर्णयों पर भी प्रश्न उठाए गए। आलोचना का दंश उन्होंने भी झेला। किंतु समय की कसौटी पर उनके व्यक्तित्व की प्रतिष्ठा बनी रही और वे आज भी मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में स्मरण किए जाते हैं।

आज के दौर में भी तस्वीर बहुत अलग नहीं है। जो व्यक्ति, संस्था या विचार आगे बढ़ता दिखाई देता है, उसके प्रति कुछ लोगों के भीतर ईर्ष्या का अंकुर फूटने लगता है। हमारे देश में एक दिलचस्प परंपरा और भी है। जब कोई ऐसा मुद्दा उभरता है जिससे सत्ता, व्यवस्था या प्रभावशाली लोगों की असहजता बढ़ सकती है, तब अचानक कोई दूसरा विवाद सुर्खियों में आ जाता है। ऐसा लगता है मानो असली मुद्दे पर पर्दा डालने के लिए नया मंचन शुरू कर दिया गया हो।

हाल के दिनों में पेपर लीक और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता का प्रश्न देशभर में चर्चा का विषय बना। यह केवल एक प्रशासनिक गड़बड़ी नहीं थी, बल्कि लाखों युवाओं के भविष्य, उनकी मेहनत और उनके सपनों से जुड़ा मामला था। स्वाभाविक रूप से इस पर गंभीर बहस होनी चाहिए थी। लेकिन तभी समानांतर विवादों की एक नई फसल उगती दिखाई दी। मूल मुद्दे से ध्यान हटाने के लिए बहस का केंद्र बदलने लगा। परिणाम यह हुआ कि असली प्रश्न पीछे छूटता गया और कृत्रिम विवाद आगे निकलते गए।

सएक ही दिशा में चलने वाले लोग आपस में उलझ पड़े। बहस मुद्दे पर कम और व्यक्तियों पर अधिक होने लगी। जनता पहले जैसी भोली नहीं रही। वह समझने लगी है कि जब भी कोई ऐसा मुद्दा सामने आता है जो सत्ता या व्यवस्था को असहज कर सकता है, तब अक्सर बहस की दिशा बदलने की कोशिशें तेज हो जाती हैं। नया विवाद पैदा कर पुरानी परेशानी को ढंकने का प्रयास किया जाता है। लेकिन हर बार यह रणनीति सफल हो जाए, ऐसा भी नहीं है। कभी-कभी जनता मुद्दे और भटकाव के बीच का अंतर पहचान लेती है। तब सारा तिलिस्म टूटने लगता है।

पोस्ट

भारत में अब एक ऐसी पार्टी भी होगी, जिसे बिना चुनाव लड़े ही रातोंरात 20 लोकसभा सदस्य मिल गए।

साहिल जोशी@sahiljoshii

जेवर की माटी से विमान की पहली उड़ान ने आसमान चूमा, तो हर उत्तर प्रदेश वासी का मन गर्व से झूम उठा है। यह देखना सबसे सुखद रहा कि इस ऐतिहासिक उड़ान के यात्री वे 172 किसान भाई-बहन बने, जिन्होंने विकास के लिए अपनी जमीन सहर्ष अर्पण की थी। उनका लखनऊ पधारना एक गौरवशाली क्षण रहा।

मालिनी अवस्थी@maliniawasthi

दुनिया अब एक सप्ताह का भी और युद्ध बर्दाश्त नहीं कर सकती। यदि अमेरिका और ईरान वास्तव में किसी समझौते पर पहुंच गए हैं तो यह निश्चित ही स्वागतयोग्य है। हालांकि असली चुनौती अब शुरू होगी, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को खुला और शुल्क-मुक्त रखने के साथ ही ऊर्जा एवं व्यापार के प्रवाह को सामान्य बनाए रखना होगा। दोनों पक्षों ने एक दूसरे को बहुत क्षति पहुंचा ली, अब परस्पर लाभ सुनिश्चित करने वाली शांति के लिए साझा प्रयास करें।

मिलिंद देवरा@milinddeora

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या भारत वैश्विक झटकों को सहन करने के लिहाज से बेहतर स्थिति में है?

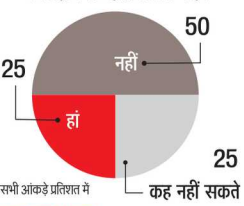

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या ईरान-अमेरिका के बीच समझौते से दोनों के बीच स्थायी शांति संभव दिख रही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

खैर मनाओ हो गया बड़े युद्ध का अंत,
ट्रंप-मोजतबा बन गए सीधे-सादे संत।
सीधे-सादे संत किया आखिर समझौता,
हो करके बर्बाद शांति को भेजा न्यौता।
नेता का शव शांति पूर्वक अब दफनाओ,
पुन: न बिगड़े मूड ट्रंप का खैर मनाओ!

-ओम प्रकाश तिवारी

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

ग्लैमर की सियासत, खोखली विरासत

भारतीय राजनीति और सिनेमा का रिश्ता बहुत पुराना है। दक्षिण भारत में एमजी रामचंद्रन या एनटी रामाराव ने जब रुपहले पर्दे से निकलकर सत्ता के शीर्ष को छुआ, तो वह केवल एक चुनावी समझौता नहीं था। वह विचारधारा और संगठन के धरातल पर बुनी गई एक मजबूत राजनीतिक जमीन थी। राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस ने अमिताभ बच्चन या सुनील दत्त के जरिये इस ग्लैमर को भुनाया, तो भाजपा ने 'रामायण' और 'महाभारत' के दौर में अपने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को इसके जरिये नई धार दी। लेकिन बंगाल की राजनीति में ममता बनर्जी ने साल 2009 से मनोरंजन जगत के सितारों पर जिस तरह की 'संस्थागत निर्भरता' दिखाई, उसने राजनीति के स्थापित व्याकरण को ही बदल कर रख दिया। दीदी स्वयं इस रंगमंच की सबसे बड़ी निर्माता और निर्देशक बनकर उभरीं। उन्होंने टालीवुड की चमक को चुनावी नैया पार लगाने का 'शार्टकट' तो बनाया, लेकिन समय के क्रूर पहिए ने आज यह साबित कर दिया है कि यह 'स्टार-मोह' न तो राज्य के हित में रहा और न ही स्वयं उनकी राजनीतिक दूरदर्शिता के पक्ष में।

साल 2026 के विधानसभा चुनाव के नतीजों ने इस ग्लैमरस तिलिस्म को पूरी तरह तोड़ दिया है। तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे कई सितारे परास्त हो चुके हैं, तो वहीं 2024 में लोकसभा चुनाव जीतने वाली फिल्मी हस्तियां जैसे शताब्दी राय और सायोनी घोष बागी हो चुकी हैं। यह सांगठनिक बिखराव साफ बता रहा है कि बंगाल में ग्लैमर की सियासत अंततः एक खोखली विरासत ही साबित हुई है। यही कारण है कि सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की नई कैबिनेट के 41 मंत्रियों की सूची में टालीवुड का एक भी चेहरा शामिल नहीं है।

अब टालीवुड के भीतर से ही 'राजनीति मुक्त फिल्म उद्योग' की आवाजें मुखर होने लगी हैं। सुप्रसिद्ध अभिनेत्री-निर्माता ऋतुपर्णा सेनगुप्ता जहां नए मंत्रियों से जनता की बुनियादी जरूरतें पूरी करने और कलाकारों के लिए एक सुरक्षित कार्यक्षेत्र की गुहार लगा रही हैं, वहीं सिनेमा हाल के मालिक अरिजीत दत्त जैसे लोग बेबाकी से पूछ रहे हैं कि चाहे संसद हो या विधानसभा, इन सितारों ने अपनी कला और फिल्म उद्योग के पुनरुद्धार के लिए आखिरकार किया ही क्या है?

दीदी की इस 'स्टार ब्रिगेड' की सबसे बड़ी विफलता यह रही कि इनमें से अधिकांश चेहरे सालभर की मैदानी और सांगठनिक राजनीति के लिए कभी बने ही नहीं थे। इनका चरित्र किसी गंभीर राजनेता का नहीं, बल्कि 'सभा-शिल्पी' जैसा था, जिनका काम केवल रैलियों में मंच की शोभा बढ़ाना था।

तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद व अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती (बाएं) और नुसरत जहां (दाएं)। फाइल

लेकिन इस ग्लैमरस सिक्के का दूसरा पहलू जनता के साथ एक बड़ा लोकतांत्रिक धोखा था। राजनीति में आने की कोई वैचारिक प्रतिबद्धता न होने का खामियाजा अंततः आम मतदाता और संसदीय मर्यादाओं को भुगतना पड़ा। उदाहरण के तौर पर, जाधवपुर जैसी प्रतिष्ठित सीट से महज 30 साल की उम्र में सांसद बनीं मिमी चक्रवर्ती की पांच साल में संसद में उपस्थिति केवल 21 प्रतिशत थी और उन्होंने पूरे कार्यकाल में सिर्फ सात बार अपनी बात रखी। तीन बार के सांसद देव (दीपक अधिकारी) का रिकार्ड तो और भी निराशाजनक रहा, अपने तीसरे कार्यकाल में उनकी उपस्थिति घटकर महज आठ प्रतिशत रह गई और उन्होंने एक बार भी सदन में जनहित की आवाज नहीं उठाई। मुनमुन सेन, संध्या राय और नुसरत जहां का भी कमोबेश यही हाल रहा।

जब भाजपा ने राज्य में अपनी जमीन मजबूत करनी शुरू की, तो उसने भी कुछ हद तक इसी राह पर चलते हुए रूपा गांगुली, बाबूल सुप्रियो, रुद्रनील घोष और लाकेट चटर्जी जैसे चेहरों को आगे किया। लेकिन हालिया चुनावों ने साफ कर दिया कि जनता अब जागरूक हो चुकी है। इस बार का चुनाव व्यक्तियों के ग्लैमर पर नहीं, बल्कि 'प्रतीकों', जन-सरोकारों और काम के मुद्दों पर लड़ा गया, जहां तृणमूल के सितारे धराशायी हो गए और केवल सक्रिय चेहरे ही टिक पाए।

ममता बनर्जी ने जिस राजनीतिक थियेटर का निर्माण किया था, उसमें स्टार वैल्यू तो भरपूर थी, लेकिन 'कंटेंट' पूरी तरह गायब था। नतीजतन, आज वह रंगमंच बिखर चुका है। इस पूरे घटनाक्रम से भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बड़ा सबक निकलता है- राजनीति में लोकप्रियता किराए पर ली जा सकती है, लेकिन जन-आकांक्षाओं के प्रति जवाबदेही और सांगठनिक निष्ठा का कोई विकल्प नहीं हो सकता। यदि राजनीति की जमीन को बचाना है, तो रैलियों के 'सभा-शिल्पियों' को छोड़कर

मंथन

नए भारत के निर्माण की राह

तमाम सामाजिक चुनौतियों के बीच आज सबसे बड़ी चुनौती प्रतिबद्धता का संकट है। ऐसे में यदि कोई संस्था पिछले सौ वर्षों से राष्ट्र निर्माण में निरंतर सक्रिय है तो उसका योगदान अतुलनीय है

डा. सुकांशिका वत्स
असिस्टेंट प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

आधुनिक भारत की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती के रूप में बेरोजगारी, शिक्षा, तकनीक, सामाजिक विषमता जैसे अनेक मुद्दे हैं। किंतु इन सबके बीच एक संकट ऐसा भी है जिसकी चर्चा अपेक्षाकृत कम होती है। यह है प्रतिबद्धता का संकट। वस्तुतः हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां विकल्प तो बहुत हैं, लेकिन निष्ठाएं कम होती जा रही हैं। लोग संस्थाओं से जुड़ते हैं, पर लंबे समय तक नहीं। किसी संगठन के साथ कुछ वर्षों तक चलना कठिन हो गया है। ऐसे समय में यदि कोई संस्था एक शताब्दी तक स्वयं को बनाए रखती है, और कार्यकर्ताओं की नई पीढ़ियां तैयार करती है, तो वह भी अध्ययन का विषय बन जाती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ऐसी ही एक संस्था है। संघ के बारे में मतभेद हो सकते हैं और होने भी चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में यह स्वाभाविक है। किंतु मतभेदों से परे एक प्रश्न ऐसा है जो गंभीरता से पूछे जाने योग्य है। आखिर वह कौन-सी शक्ति है जो व्यक्ति को केवल समर्थक नहीं, आजीवन कार्यकर्ता बना देती है? संघ को समझने की सबसे बड़ी भूल शायद यह है कि उसे केवल राजनीति के दायरे में समझा जाए। राजनीति उसके प्रभाव का एक आयाम हो सकती है, किंतु उसकी संपूर्ण व्याख्या नहीं।

जो संस्थाएं केवल परिणामों के आधार पर अपने कार्य का मूल्यांकन करती हैं, वे परिस्थितियों के साथ बदल जाती हैं। किंतु जो संस्थाएं अपने कार्य को एक सतत साधना के रूप में देखती हैं, वे समय के साथ गहरी जड़ें विकसित करती हैं। संघ के संदर्भ में यह बात उसके प्रचारकों और पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के जीवन में सबसे अधिक दिखाई देती है। भारत को केवल मानचित्र पर नहीं समझा जा सकता। उसे लोगों, भाषाओं, परिवारों, त्योहारों और स्मृतियों के माध्यम से समझा जाता है। संभवतः यही कारण है कि संघ की संगठनात्मक यात्रा केवल विचारों के प्रसार की यात्रा नहीं रही, बल्कि संबंधों के निर्माण की यात्रा भी रही है। एक मराठी भाषी स्वयंसेवक असम में काम करता है, एक उत्तर भारतीय दक्षिण भारत में, एक दक्षिण भारतीय पंजाब में।

भाषाई अस्मिता के बीच संतुलन : भारत की भाषाई विविधता उसकी सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है, किंतु यही विविधता समय-समय पर सार्वजनिक बहस का विषय भी रही है। कौन-सी भाषा पढ़ाई जाए, किस भाषा को कितना महत्व दिया जाए, राष्ट्रीय एकता और भाषाई अस्मिता के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए, जैसे प्रश्न स्वतंत्रता के बाद से ही भारतीय सार्वजनिक जीवन में उपस्थित रहे हैं। इसीलिए नई शिक्षा नीति के अंतर्गत त्रिभाषा सूत्र पर जोर दिया गया है। वस्तुतः भारत में भाषाई विविधता केवल सांस्कृतिक विशेषता नहीं, बल्कि सामाजिक वास्तविकता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या भारत की अगली पीढ़ी केवल भाषाई सीमाओं के भीतर विकसित होगी, या वह देश की सांस्कृतिक विविधता से भी परिचित होगी?

त्रिभाषा सूत्र का महत्व केवल भाषाई दक्षता तक सीमित नहीं है। उसका गहरा संबंध राष्ट्रीय एकात्मता से है। जब उत्तर भारत का एक विद्यार्थी दक्षिण भारत की किसी भाषा से परिचित होता है, या दक्षिण भारत का कोई विद्यार्थी हिंदी अथवा किसी अन्य भारतीय भाषा के माध्यम से देश के व्यापक सामाजिक अनुभव को समझने का प्रयास करता है, तब भाषा केवल संचार का साधन नहीं रहती। वह भारत को समझने का माध्यम बन जाती है। वस्तुतः स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह थी कि विविधताओं से भरे इस देश में एकता की ऐसी भावना कैसे विकसित की जाए जो राजनीतिक सीमाओं से आगे बढ़कर सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी अनुभव की जा सके।

आज जब डिजिटल माध्यमों ने लोगों को विश्व से जोड़ दिया है, तब यह सुनिश्चित करना और भी आवश्यक हो गया है कि भारत का युवा भारत से भी जुड़ा रहे। वह केवल वैश्विक नागरिक न बने, बल्कि भारतीय समाज की बहुभाषी, बहुसांस्कृतिक और बहुस्तरीय वास्तविकताओं को भी समझे।

संघ के बारे में सहमति व असहमति दोनों रहेंगी। यह स्वाभाविक भी है। किंतु एक तथ्य अपनी जगह बना रहता है। लगभग एक शताब्दी तक किसी संस्था का बने रहना, बदलती परिस्थितियों के बीच स्वयं को पुनर्गठित करते रहना और नई पीढ़ियों को जोड़ते रहना एक असाधारण सामाजिक घटना है। शायद इसी कारण संघ को समझने के लिए केवल उसकी विचारधारा को पढ़ना पर्याप्त नहीं है। उसके समय-बोध को भी समझना होगा। क्या आज के भारत में ऐसी अन्य संस्थाएं भी हैं जो कई पीढ़ियों के क्षितिज पर सोचती हैं? यदि नहीं, तो शायद हमें केवल संघ को नहीं, बल्कि अपने समय को भी समझने की आवश्यकता है।

अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों के आपसी मेलजोल से निकलती है एकता की राह। फाइल

बिजनेस

मई में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 27 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली : मई 2026 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 27 .3 प्रतिशत बढ़कर 4,38,854 इकाई रही है। वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम के अनुसार, इसमें जीएसटी दरों में कमी और आसान फाइनेंसिंग का प्रमुख योगदान रहा है। मई 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,44,656 इकाई रही थी। डाटा के अनुसार, पिछले महीने दोपहिया की थोक बिक्री 14 .8 प्रतिशत बढ़कर 19,02,209 इकाई रही है, जो पिछले वर्ष समान महीने में 16,57,116 इकाई रही थी। (प्रेट्र)

भारतीय शेयर बाजार को वैश्विक व घरेलू घटनाक्रमों के कारण निकट भविष्य में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अंतत : ये नई सर्वकालिक ऊंचाइयों को छुएंगे।
- नीलेश शाह, प्रबंध निदेशक, कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी

सेंसेक्स	76,264.33 ▲ 736.38	निफ्टी	23,853.90 ▲ 231	सोना प्रति दस ग्राम	₹ 1,59,400 ▲ ₹ 2,500	चांदी प्रति किलो ग्राम	₹ 2,60,700 ▲ ₹ 5,000	$ डालर	₹ 94.58 ▼ ₹ 0.60	कूड प्रति बैरल	$ 82.90

एक नजर में

एचसीएलटेक सर्वम एआइ में 10.46% हिस्सा खरीदेगी

नई दिल्ली : आइटी कंपनी एचसीएल टेक सरकार के समर्थन वाले सावरेन एआइ माडल डेवलपर सर्वम एआइ में 1,427 करोड़ रुपये में 10 .46 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है। कंपनी ने रेग्युलेटरी फाइलिंग में बताया कि सर्वम एआइ का मूल्य 1 .5 अरब डालर आंका गया है और उम्मीद है कि समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद दो सप्ताह में यह सौदा पूरा हो जाएगा। एचसीएल टेक ने फाइलिंग में कहा है कि इस लेन-देन के लिए किसी रेग्युलेटरी मंजूरी की जरूरत नहीं है। (प्रेट्र)

रेजरपे ने जमा किए आइपीओ दस्तावेज

नई दिल्ली : फिनटेक फर्म रेजरपे ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) लाने के लिए गोपनीय रूट के जरिये सेबी के पास मसौदा दस्तावेज जमा किए हैं। सूत्रों के अनुसार, इस आइपीओ का आकार 5-6 हजार करोड़ रुपये हो सकता है। हालांकि, कंपनी ने आइपीओ के आकार की जानकारी नहीं दी है। रेजरपे पेमेंट स्वीकार करने, बैंकिंग, पेआउट, पेरोल, लेंडिंग और दूसरी वित्तीय सेवाएं देती है। वहीं, एडविट जेल्स ने अपने 165 करोड़ रुपये के आइपीओ का प्राइस बैंड 130-138 रुपये प्रति शेयर तय किया है। (प्रेट्र)

18 जून को एक्सचेंज से हट जाएंगे जेएएल के शेयर

नई दिल्ली : जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के शेयर 18 जून को दोनों प्रमुख एक्सचेंजों बीएसई और एनएसई से हट जाएंगे। कंपनी ने रेग्युलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसे शेयरों को हटाने के लिए बीएसई और एनएसई से मंजूरी मिल गई है। जेएएल को दिवालिया प्रक्रिया के जरिये अदाणी एंटरप्राइजेज ने खरीद लिया है। नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की इलाहाबाद पीठ की ओर से मंजूर की गई समाधान योजना के अनुसार जेएएल के शेयरों को दोनों स्टाक एक्सचेंज से हटाया जा रहा है। (प्रेट्र)

पीएम की अपील के बाद भी सोना आयात बढ़ा

मई में 3.4 अरब डालर पर रहा पीली धातु का आयात, यह पिछले वर्ष के समान महीने से 34% ज्यादा

- पश्चिम एशिया संकट के बावजूद मई में निर्यात 18 प्रतिशत बढ़कर 45.20 अरब डालर रहा
- मई में 73.41 अरब डालर का आयात भी किया गया, व्यापार घाटा 28 अरब डालर का रहा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच सोने के आयात को रोकने के उपायों का असर नहीं दिख रहा है। गत 10 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से सोने की खरीदारी एक साल के लिए टालने की अपील की थी। साथ ही सोने के आयात शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। फिर भी गत मई माह में सोने का आयात पिछले साल मई के मुकाबले 34 प्रतिशत बढ़कर 3.4 अरब डालर रहा। पिछले साल की समान अवधि में सोने का आयात 2.5 अरब डालर था।

चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल व मई को मिलाकर सोने के आयात में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 66 प्रतिशत का इजाफा रहा। हालांकि, पिछले महीने चांदी का आयात 86.65 प्रतिशत घटकर 7.55 करोड़ डालर रहा है।

मई 2025 में 56.62 करोड़ डालर की चांदी का आयात किया गया था।

वहीं पश्चिम एशिया संकट व अन्य वैश्विक अस्थिरता के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2026-27 में निर्यात में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। सोमवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक मई में वस्तु निर्यात में पिछले साल मई के मुकाबले 18 प्रतिशत का इजाफा रहा। इस साल अप्रैल में वस्तु निर्यात में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। मई में 45.20 अरब डालर का वस्तु निर्यात रहा जो किसी महीने में होने वाला अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। हालांकि मई में 73.41 अरब डालर का आयात भी किया गया, इसलिए व्यापार घाटा भी 28 अरब डालर का रहा।

पश्चिम एशियाई देशों को होने वाले निर्यात में भी दिखी वृद्धि

मई में मुख्य रूप से पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग गुड्स, इलेक्ट्रानिक्स गुड्स, फार्मा, केमिकल्स, जेम्स व ज्वेलरी जैसे आइटम के बेहतर निर्यात प्रदर्शन से कुल निर्यात का अच्छा प्रदर्शन रहा। अब पश्चिम एशिया देशों में होने वाले निर्यात में भी गत मार्च व अप्रैल के मुकाबले बढ़ोतरी दिख रही है। इसके अलावा, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, वियतनाम जैसे देश निर्यात के नए बाजार के रूप में उभर रहे हैं। मई में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले निर्यात में तो 116 प्रतिशत तो तंजानिया में 196 प्रतिशत का इजाफा रहा।

> ईरान व अमेरिका के बीच युद्ध को लेकर होने वाली डील टिकाऊ रही तो इससे हमारी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। पश्चिम एशिया के देशों में अप्रैल में 4.2 अरब डालर का निर्यात किया गया था। मई में यह निर्यात बढ़कर 5.3 अरब डालर का हो गया।
> **-राजेश अग्रवाल,** वाणिज्य सचिव

विदेशी मुद्रा भंडार हो रहा था प्रभावित

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद महंगे पेट्रोलियम पदार्थों से देश का विदेशी मुद्रा भंडार प्रभावित होने लगा और कुल आयात में कमी लाने के उद्देश्य से ही प्रधानमंत्री ने लोगों से सोने की खरीदारी को टालने की अपील की थी। ताकि विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाया जा सके। वित्त मंत्रालय के सूत्रों का भी मानना है कि भारत में सोना लोगों की भावना से जुड़ा है और एक सीमा से अधिक इसकी खरीदारी को हतोत्साहित करना संभव नहीं है।

खाद्य पदार्थों में तेजी से मई में थोक महंगाई 9.68% रही

- सरकार ने जारी किए आंकड़े, आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 किया गया
- ईंधन-बिजली की थोक महंगाई बढ़कर 30.33% हुई, पेट्रोलियम उत्पादों की 61.51% रही

नई दिल्ली, प्रेट्र : ईंधन-बिजली, मैन्यूफैक्चरिंग और खाने की चीजों की कीमतों में तेज वृद्धि से मई में थोक महंगाई बढ़कर 9.68 प्रतिशत हो गइ। अप्रैल में यह आंकड़ा 8.26% था। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआइ) पर आधारित महंगाई का आंकडा जारी किया, जिसमें आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया गया।

मई में ईंधन और बिजली की थोक महंगाई दर बढ़कर 30.33 प्रतिशत हो गई जबकि अप्रैल में यह 24.89 प्रतिशत थी। कच्चे पेट्रोलियम उत्पादों की महंगाई दर 61.51 प्रतिशत थी जबकि पिछले महीने यह 56.31 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर में तेज वृद्धि में तेज वृद्धि पश्चिम एशिया संकट और होर्मुज स्ट्रेट में चल रही नाकाबंदी के असर को दिखाती है। इस रास्ते से ही ज्यादातर कच्चा तेल भारत में आयात किया जाता है और इसका असर खाने की चीजों की कीमतों पर दिखता है। खाद्य पदार्थों की महंगाई मई में 3.60 प्रतिशत रही जबकि अप्रैल में यह 2.43 प्रतिशत थी। आंकड़ों से पता चलता है कि मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादों की महंगाई दर मई में बढ़कर 7.48 प्रतिशत हो गई जो अप्रैल में 6.68 प्रतिशत थी। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआइ) पर आधारित महंगाई भी मई में बढ़कर 16 महीने के सबसे ऊंचे स्तर 3.93 प्रतिशत पर पहुंच गई है जबकि अप्रैल में यह 3.48 प्रतिशत थी।

पहली बार जारी हुआ उत्पादन मूल्य सूचकांक, डब्ल्यूपीआइ की जगह लेगा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने महंगाई मापने के ढांचे में बड़ा बदलाव करते हुए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआइ) को नए उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआइ) से बदलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अगले पांच वर्षों तक दोनों सूचकांक समानांतर रूप से जारी किए जाएंगे और इसके बाद डब्ल्यूपीआइ को जारी करना बंद कर दिया जाएगा। मई, 2026 के लिए सभी कमोडिटीज के लिए आल इंडिया आउटपुट पीपीआइ 109 .6 है, जबकि अप्रैल 2026 में यह 108 .6 था। डब्ल्यूपीआइ और पीपीआइ दोनों के आंकड़ों के लिए संशोधित आधार वर्ष 2022-23 है और इसमें 957 उत्पाद शामिल हैं।

वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री पर रोक के लिए नए नियम जारी

- डिजिटल इंटरफेस में डार्क पैटर्न के उपयोग पर लगाया प्रतिबंध
- एक जनवरी 2027 से लागू होंगे केंद्रीय बैंक के नए नियम

मुंबई, रायटर : आरबीआइ ने सोमवार को वित्तीय उत्पादों की गलत बिक्री पर रोक लगाने के लिए नए नियम जारी किए। इनमें धोखाधड़ीपूर्ण बिक्री टेक्नोलाजी पर प्रतिबंध और ग्राहक की सहमति तथा बिक्री के संबंध में मानकों को कड़ा किया गया है।

केंद्रीय बैंक ने डिजिटल इंटरफेस में "डार्क पैटर्न" के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाया है, जो ग्राहकों को भ्रमित करते हैं। आरबीआइ ने कहा कि बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान और उनके एजेंट अब वेबसाइटों, मोबाइल एप व अन्य बिक्री चैनलों पर डार्क पैटर्न का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्देश फरवरी में केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा में गवर्नर की घोषणाओं के बाद आए हैं।

नए नियमों के अनुसार, बैंकों व वित्तीय संस्थानों को अपने इंटरफेस का समय-समय पर आडिट कराना होगा ताकि वे अनुचित विशेषताओं की पहचान कर सकें और उन्हें हटा सकें। यह नियम आरबीआइ जिम्मेदार व्यापार आचरण दिशानिर्देशों में संशोधनों का हिस्सा हैं और एक जनवरी, 2027 से लागू होंगे। केंद्रीय बैंक ने गलत बिक्री की एक व्यापक परिभाषा भी प्रस्तुत की है, जिसमें ग्राहकों के लिए अनुपयुक्त उत्पादों की पेशकश, भ्रामक जानकारी प्रदान करना, ग्राहक से स्पष्ट सहमति प्राप्त किए बिना उत्पाद बेचना और अनिवार्य रूप से उत्पादों को एक साथ बेचना शामिल है। यदि किसी वित्तीय उत्पाद या सेवा की गलत बिक्री स्थापित होती है, तो बैंक को पूरी राशि वापस करनी होगी और ग्राहक को बिक्री रद करने की सूचना देनी होगी।

मई में बेरोजगारी दर घटकर 5.5% रही

नई दिल्ली, प्रेट्र : मई में 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए कुल बेरोजगारी दर थोड़ी कम होकर 5.5 प्रतिशत हो गई है, जबकि एक साल पहले यह 5.6 प्रतिशत थी। मई, 2026 के आवधिक श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) अनुसार, इस साल अप्रैल में 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के लिए कुल बेरोजगारी दर 5.2 प्रतिशत थी। मई, 2026 में ग्रामीण बेरोजगारी दर अप्रैल के 4.6 प्रतिशत से थोड़ा बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई जबकि शहरी बेरोजगारी दर अप्रैल के 6.6 प्रतिशत से कम होकर मई में 6.4 प्रतिशत हो गई। मई, 2025 की तुलना में शहरी बेरोजगारी दर 6.9 प्रतिशत से घटकर 6.4 प्रतिशत हो गई। शहरी बेरोजगारी दर मई, 2025 के बाद सबसे कम रही। 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोगों के श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) मई, 2026 में 54.4 प्रतिशत रहा जबकि अप्रैल, 2026 में यह 55.0 प्रतिशत था।

वेदांता समूह से अलग हुईं चारों कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध

दिनभर कारोबार के बाद चारों कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, बीएसई और एनएसई पर उपलब्ध हैं शेयर

नई दिल्ली, प्रेट्र : वेदांता समूह से अलग हुई चारों कंपनियों वेदांता एल्युमिनियम मेटल, वेदांता पावर, वेदांता आयल एंड गैस और वेदांता आयरन एंड स्टील सोमवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो गईं।

वेदांता एल्युमिनियम मेटल के शेयर बीएसई पर 527 रुपये पर सूचीबद्ध हुए और बाद में पांच प्रतिशत गिरकर 500.65 की निचली सर्किट सीमा पर पहुंच गए। वेदांता पावर 41.30 पर लिस्ट हुआ, लेकिन 0.84 प्रतिशत गिरकर 40.95 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में यह 4.96 प्रतिशत बढ़कर 43.35 रुपये पर पहुंच गया था। वेदांता आयल एंड गैस के शेयर 39 पर लिस्ट हुए और पांच प्रतिशत नीचे 37.05 रुपये के निचले सर्किट स्तर पर पहुंच गया। वेदांता आयरन एंड स्टील के शेयर 22.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुए और 5.39 प्रतिशत गिरकर 21.05 पर बंद हुए। चारों कंपनियां एनएसई पर भी सूचीबद्ध हुईं।

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, 'उस दिन हमने जो बीज बोया था, वह एक बहुत बड़ा बरगद का पेड़ बन गया है। उसके नीचे उगाए गए पौधे अब खास सेक्टर में बड़ी कंपनियां बनने और तेज ग्रोथ में अहम योगदान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य की इकोनमी, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और ऊर्जा बदलाव सबसे आगे होंगे वह बहुत ज्यादा खनिज, धातु और ऊर्जा पर आधारित होगी।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

अप्रैल में 4.7 अरब डालर सरप्लस रहा चालू खाता

मुंबई, प्रेट्र : इस वर्ष अप्रैल में भारत का चालू खाता 4.7 अरब डालर सरप्लस रहा है। आरबीआइ के अनुसार, यह वृद्धि उच्च सेवा निर्यात और शुद्ध हस्तांतरण प्राप्तियों के कारण हुई है। पिछले वर्ष समान महीने में 4 .8 अरब डालर का घाटा हुआ था। आरबीआइ डाटा के अनुसार, अप्रैल में आयात बिल 72 .5 अरब डालर रहा, जो पिछले वर्ष के 65 .8 अरब डालर से अधिक है। इसी तरह, निर्यात 44 .6 अरब डालर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 38 .7 अरब डालर की तुलना में अधिक है। भुगतान संतुलन (बीओपी) के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, वस्त्र व्यापार घाटा अप्रैल 2026 में 27 .9 अरब डालर रहा, जो अप्रैल 2025 के 27 .1 अरब डालर से थोड़ा अधिक है। अप्रैल 2025 में शुद्ध सेवा प्राप्तियां 18 .6 अरब डालर रहीं।

अंतरराष्ट्रीय

रूस के हमले में यूक्रेन का एक हजार वर्ष पुराना कैथेड्रल बर्बाद

यूक्रेन के पेचेर्स्क लावरा स्थित डोर्मिशन कैथेड्रल में रूसी ड्रोन हमले के बाद लगी आग बुझाने में जुटे दमकल वाहन और उठते धुएं का हवाई दृश्य। रायटर

- यूनेस्को के विश्वदाय स्थलों की सूची में है शामिल
- रूसी हमलों में 9 लोग मारे गए, 39 घायल हुए

कीव, रायटर : रूस के बड़े हवाई हमले में सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव में स्थित एक हजार वर्ष पुराना यूनेस्को के विश्वदाय भवनों की सूची में शामिल कैथेड्रल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस मठ का यूक्रेन की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत में बड़ा महत्व है। रूस के ताजा हमलों में सबसे ज्यादा पांच लोग यूक्रेन के दूसरे बड़े शहर खार्कीव में मारे गए और पांच घायल हुए जबकि कीव में चार लोग मारे गए और 34 घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अन्य स्थान पर मारा गया है।

जेलेंस्की ने क्षतिग्रस्त कैथेड्रल का दौरा करने के बाद एक्स पर पोस्ट अपने बयान में कहा, 11 वीं सदी में निर्मित कैथेड्रल और चर्च पेचेर्स्क लावरा पर हमला कर रूस ने यूक्रेन के इतिहास पर चोट की है। यह ईसाई संस्कृति के खिलाफ रूस सबसे बड़ा अपराध है। उन्होंने देश को आश्वस्त किया कि हमले से हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। जबकि रूस ने कैथेड्रल पर हमले से इन्कार किया है। कहा है कि ऐतिहासिक-धार्मिक भवन पर गिरी मिसाइल अमेरिका की पैट्रियट डिफेंस मिसाइल थी जो अनियंत्रित होकर कैथेड्रल पर जा गिरी। इस मिसाइल को यूक्रेन की सेना ने दागा था। जबकि फ्रांस ने इस हमले की तुलना पेरिस के नोट्रे डाम कैथेड्रल पर द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान बमबारी से की है। उल्लेखनीय है कि रूस ने यूक्रेन पर ताजा हमले में 70 मिसाइलों और 611 ड्रोन का इस्तेमाल किया था। रविवार को यूक्रेन ने भी रूस के तुला शहर के औद्योगिक क्षेत्र पर ड्रोन हमला किया। इस हमले में एक वर्ष के एक बच्चे समेत तीन लोग मारे गए और कई घायल हुए हैं।

यूक्रेन पर यह हमला रविवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टेलीफोन पर वार्ता के बाद हुआ। इस वार्ता में जेलेंस्की ने चार वर्ष से जारी यूक्रेन युद्ध के खत्म होने की इच्छा जताई थी। इस वार्ता के बाद रविवार को ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी ट्रंप से बात की थी। रूस ने कहा है कि वह यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए अमेरिका की मध्यस्थता को स्वीकार करेगा लेकिन पुतिन की जेलेंस्की से मुलाकात पर रूस ने कुछ नहीं कहा है।

ब्रिटेन ने रूसी शैडो फ्लीट पर छापेमारी कर एक भारतीय को गिरफ्तार किया

लंदन, प्रेट्र : रूस पर पश्चिमी देशों की पाबंदियों के कथित उल्लंघन के मामले में ब्रिटेन के अधिकारियों ने एक भारतीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी एक आपरेशन के दौरान की गई, जिसका मकसद इंग्लिश चैनल में रूस के शैडो फ्लीट (गुप्त बेड़े) के एक आयल टैंकर को रोकना था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने रविवार को पुष्टि की रायल मरीन कमांडो और नेशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) के खास तौर पर ट्रेंड कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने 'स्मर्टोस' जहाज पर चढ़कर कार्रवाई की। एनसीए के मुताबिक, जहाज पर 24 भारतीय और जार्जियाई क्रू सदस्य मौजूद हैं और वे जांच में मदद कर रहे हैं। एनसीए के प्रवक्ता ने कहा, 14 जून की सुबह रूस के शैडो फ्लीट के जहाज को रोके जाने के बाद अधिकारियों ने पाबंदियों के उल्लंघन के शक में 38 वर्षीय भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया। हालांकि, उन खास अपराधों के बारे में साफ तौर पर नहीं बताया गया, जिनके लिए गिरफ्तारी हुई।

ब्रिटेन में भी 16 वर्ष से कम उम्र वाले बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया एप्स के उपयोग पर प्रतिबंध

- ब्रिटेन के पीएम स्टार्मर ने की घोषणा, कहा- किशोरों की 'खुशी और सुरक्षा' के लिए फैसला
- टिक-टाक, स्नैपचैट, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब जैसे एप पर रोक होगी प्रभावी, पर वाट्सएप को छूट

लंदन, प्रेट्र : आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और मलेशिया के बाद अब ब्रिटेन ने भी 16 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया एप्स का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को घोषणा की कि किशोरवय के इन सभी बच्चों के लिए यह ऐप्स प्रतिबंधित रहेंगे ताकि उनकी 'खुशी और सुरक्षा' सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री स्टार्मर ने संबोधन में कहा कि यह निर्णय एक प्रधानमंत्री और किशोर बच्चों के पिता के रूप में सही है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस तरह के प्रतिबंध को लागू करना आसान नहीं होगा, क्योंकि इसमें दुनिया की कुछ सबसे शक्तिशाली तकनीकी कंपनियों का समावेश है, लेकिन बच्चों का स्वास्थ्य और कल्याण सर्वोपरि है। स्टार्मर ने कहा, यह हमारे बच्चों और हमारे भविष्य के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि आज मैं घोषणा कर सकता हूं कि सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया तक पहुंच पर प्रतिबंध लगाएगी। उन्होंने कहा, यह कोई हल्का निर्णय नहीं है और मेरे लिए यह स्पष्ट है कि पूर्ण प्रतिबंध सही विकल्प है। यह घोषणा एक लंबी परामर्श प्रक्रिया के बाद की गई, जिसमें उन माता-पिता का योगदान शामिल था, जिनके बच्चों पर टिक-टाक, स्नैपचैट, इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे इंटरनेट मीडिया एप्स के हानिकारक प्रभाव पड़े हैं।

कानून पर अमल अगले साल वसंत में : ब्रिटेन में हालांकि वाट्सएप जैसे मैसेजिंग एप को प्रतिबंध में शामिल नहीं किया जाएगा, लेकिन गेमिंग सेवाओं और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों को, जहां अज्ञात लोग बच्चों से संपर्क कर सकते हैं, एक उम्र सत्यापन प्रणाली के माध्यम से प्रतिबंधित किया जाएगा।

गेमिंग और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों पर कार्रवाई

प्रतिबंध कैसे कार्य करेगा, इसके विवरण आगे चलकर संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्रालय से प्राप्त डाटा के आधार पर सामने आने की उम्मीद है। ब्रिटेन की यह कार्रवाई आस्ट्रेलिया के बाद आई है, जिसने दिसंबर में प्रतिबंध लागू किया था। फ्रांस, ग्रीस, डेनमार्क व कनाडा की सरकारों ने भी नाबालिगों को इंटरनेट मीडिया से दूर रखने संबंधी बिल लाने की तैयारी की है। स्टार्मर ने कहा, हम केवल प्रतिबंध नहीं ला रहे, हम जहां कहीं भी वर्तमान में अज्ञात लोग किसी भी बच्चे से बिना जांच के संपर्क कर सकते हैं, ऐसी गेमिंग सेवाओं और लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों पर विश्वस्तरीय कार्रवाई कर रहे हैं।

भारतीय सेना ने नेगेव मशीन गन के लिए इजरायली कंपनी की टेलीस्कोपिक साइट चुनी

यरुशलम, प्रेट्र : भारतीय सेना ने नेगेव मशीन गन के लिए इजरायली कंपनी की दिन के समय इस्तेमाल होने वाली टेलीस्कोपिक साइट (दूरबीन) को चुना है। इसकी मदद से दूर के लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाना आसान हो जाता है। इजरायली कंपनी मेप्रोलाइट की मेप्रो एक्स6 एक फिक्स्ड 6एक्स मैग्निफिकेशन वाली टेलीस्कोपिक साइट है, जिसे असाल्ट राइफल, लाइट मशीन गन और दूसरे हथियार के लिए बनाया गया है, जिनमें सटीकता, मजबूती और बेहतरीन आप्टिकल परफार्मेंस की जरूरत होती है।

इन साइट्स की डिलीवरी भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) के जरिये की जाएगी। मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए मेप्रोलाइट ने आरआरपी डिफेंस के साथ टेक्नोलाजी ट्रांसफर का समझौता किया है।

कंपनी भारत में मेप्रो एक्स6 के पूरे प्रोडक्शन के लिए जरूरी जानकारी, प्रक्रिया और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं ट्रांसफर करेगी।

पिचाई के भाषण शुरू करते ही स्टैनफोर्ड के कई छात्रों ने किया वाकआउट

- गूगल के इजरायल से क्लाउड-कंप्यूटिंग डील से थे खफा

न्यूयार्क, प्रेट्र : अमेरिका के स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में रविवार को दीक्षा समारोह के दौरान जैसे ही गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने संबोधन शुरू किया, 200 के करीब छात्रों ने फलस्तीन के समर्थन में नारे लगाए और वहां से वाकआउट कर गए। पिचाई स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्र रह चुके हैं। वे 135वें दीक्षा समारोह में छात्रों को संबोधित करने पहुंचे थे। दरअसल, फलस्तीन समर्थक छात्रों ने कंपनी के इजरायली सरकार के साथ संबंधों की निंदा की, खासकर 2021 में देश के साथ हुई 1.2 अरब अमेरिकी डालर की क्लाउड-कंप्यूटिंग डील की, जिसे 'प्रोजेक्ट निंबस' के नाम से जाना जाता है। छात्रों के वाकआउट किए जाने के दौरान पिचाई काफी सहज रहे और अपनी बात जारी रखी। उन्होंने चेन्नई से कैलिफोर्निया तक के अपने सफर और अनुभवों को साझा किया। पिचाई ने कहा, आज की खबरें देखकर यह

सुंदर पिचाई। फाइल

सोचना आसान है कि हम बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। मेरे लिए यह याद रखना मददगार है कि हर पीढ़ी ने अपने-अपने तरीके से मुश्किलों का सामना किया है। पढ़ाई पूरी करके हम जिस दुनिया में कदम रखते हैं, उसे हम चुन नहीं सकते, लेकिन अपनी परिस्थितियों को किस नजरिए से देखते हैं, यह हम जरूर चुन सकते हैं।

जापानी शाही परिवार उत्तराधिकार सुरक्षित करने के लिए दूर के पुरुष रिश्तेदारों को लेगा गोद

न्यूयार्क टाइम्स से

- वर्तमान में सिर्फ पुरुष ही जापान के शाही सिंहासन पर बैठ सकते हैं
- उत्तराधिकार की कतार में सिर्फ तीन, प्रिंस हिसाहितो एकमात्र युवा

टोक्यो : दुनिया के सबसे पुराने शाही परिवारों में से एक जापान का शाही परिवार एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है, क्योंकि इसके योग्य सदस्यों और संभावित उत्तराधिकारियों की संख्या कम होती जा रही है। इसे देखते हुए अब, देश ने शाही परिवार के घटते सदस्यों की संख्या को फिर से बढ़ाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है।

संसद ने एक प्रस्ताव आगे बढ़ाया है, जिसके तहत शाही परिवार दूर के पुरुष रिश्तेदारों को गोद ले सकेगा। इस योजना से जापान के कुछ अधिकारी और एक्टिविस्ट नाराज हैं। उनका कहना है कि इसका एक आसान समाधान है कि महिलाओं को सम्राट बनने की इजाजत देना। पोल के मुताबिक, आम जनता का एक बड़ा हिस्सा इस विचार का समर्थन करता है।

अभी शाही परिवार में 16 सदस्य हैं, जिनमें पांच पुरुष और 11 महिलाएं शामिल हैं। सदस्यों की इतनी कम संख्या के कारण, विदेश यात्राओं और शाही समारोहों जैसे सार्वजनिक कर्तव्यों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। इन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए पर्याप्त शाही सदस्य उपलब्ध नहीं हैं। अभी सिर्फ पुरुष ही 'क्रिसेंथेमम थ्रोन' (जापान के शाही सिंहासन) पर बैठ सकते हैं। जापान के मौजूदा सम्राट नारुहितो की सिर्फ एक बेटी राजकुमारी आइको हैं। साथ ही उत्तराधिकार की कतार में सिर्फ तीन लोग हैं। प्रिंस हिताची (नारुहितो के 90 साल के चाचा), क्राउन प्रिंस अकिशिनो (सम्राट के 60 साल के भाई) और प्रिंस हिसाहितो (सम्राट के 19 साल के भतीजे)। चूंकि प्रिंस हिसाहितो परिवार में बचे एकमात्र युवा पुरुष हैं, इसलिए राजशाही का भविष्य उन्हीं पर टिका है। शाही परिवार की महिलाओं को न सिर्फ राजा बनने का अधिकार नहीं है, बल्कि किसी आम नागरिक से शादी करने पर उनका शाही दर्जा भी छिन जाता है। यही नियम राजकुमारी आइको पर भी लागू होता है।

विचाराधीन नए कानून के तहत शाही परिवार पुरुष उत्तराधिकारियों को गोद ले सकेगा। साथ ही, परिवार की महिला सदस्य शाही दायरे में बनी रह सकेंगी और परिवार से बाहर शादी करने के बाद भी अपने शाही खिताब अपने पास रख सकेंगी।

अमेरिका-ईरान के बीच 107 दिनों के तनाव से पूरी दुनिया की अटकी रहीं सांसें

करीब साढ़े तीन महीने तक चले अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष में सैन्य हमले, होर्मुज जलडमरूमध्य पर तनाव, कूटनीतिक वार्ताएं और पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका के बाद सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता अंतिम रूप ले चुका है। यह समझौता 19 जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षरित होने वाला है। इस दौरान पूरी दुनिया ऊर्जा संकट और वैश्विक अस्थिरता के साथ-साथ महंगाई से भी जूझती रही। कई देशों में आपातकाल तक लागू करना पड़ा, जबकि होर्मुज में सैकड़ों की संख्या में व्यापारिक जहाजों पर हजारों की संख्या में तमाम देशों के नाविक भी फंसे रहे। दोनों पक्षों के बीच समझौते से उम्मीद है कि आनेवाले दिनों हर मोर्चे पर राहत मिलेगी। युद्ध के 107 दिनों के दौरान की महत्वपूर्ण घटनाओं का लेखा-जोखा कुछ इस प्रकार है-

28 फरवरी: अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई और कई शीर्ष कमांडर मारे गए।

1 मार्च: ईरान ने मिसाइल हमलों से जवाब दिया। यूएई में तीन लोगों की मौत, जिनमें एक भारतीय शामिल।

2 कुवैत ने गलती से तीन अमेरिकी लड़ाकू विमान मार गिराए।

4 ईरानी नौसेना का युद्धपोत आइरिस डेना हिंद महासागर में अमेरिकी नौसेना द्वारा डुबोया गया।

5 ईरान ने इजरायल, अमेरिकी ठिकानों और क्षेत्रीय देशों पर नए हमले किए।

6 ट्रंप ने तेहरान से "बिना शर्त आत्मसमर्पण" की मांग की। ईरान ने ठुकराया।

9 अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ईरान के नए सर्वोच्च नेता बने।

12 नए सर्वोच्च नेता ने पहला सार्वजनिक बयान जारी कर हमले जारी रखने की बात कही।

13 ट्रंप ने जी7 नेताओं से कहा कि ईरान आत्मसमर्पण के करीब है।

17 ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारिजानी की हत्या।

18 ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र से जुड़े ठिकानों पर हमला। ईरानी खुफिया मंत्री इस्माइल खतिब की हमले में मौत।

21 अमेरिका ने समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर अस्थायी राहत दी।

23 शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति से बात की। ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए पांच दिन की समयसीमा बढ़ाई।

25 ईरान ने अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव खारिज किया।

26 होर्मुज खोलने की नई समयसीमा छह अप्रैल तय।

27 इजरायल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया।

30 ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ढांचे को नष्ट करने की धमकी दी। कुवैत में एक भारतीय की मौत।

31 चीन और पाकिस्तान ने पांच सूत्री शांति प्रस्ताव पेश किया।

3 अप्रैल: अमेरिका के अत्याधुनिक विमान 'एफ 35' को ईरानी सेना ने मार गिराया।

6 ट्रंप ने चार घंटे में ईरान को तबाह करने की धमकी दी। ईरान ने 45 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव को ठुकराया।

7 ट्रंप बोले- "अगर समझौता नहीं हुआ तो आज रात पूरी सभ्यता खत्म हो सकती है।"

8 अमेरिका और ईरान दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हुए।

11 पाकिस्तान में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी वार्ताकारों के बीच ऐतिहासिक आमने-सामने बातचीत।

12 बातचीत विफल रही। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नौसैनिक नाकेबंदी की घोषणा की।

15 ट्रंप ने कहा- ईरान के साथ युद्ध "लगभग खत्म" है।

17 ईरान ने कहा- होर्मुज "पूरी तरह खुला" है, जबकि ट्रंप ने नाकेबंदी जारी रखने की बात कही।

18 ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा से खोलने के अपने फैसले को लिया वापस।

21 उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की इस्लामाबाद यात्रा टली।

22 ट्रंप ने युद्धविराम अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया। ईरान ने तीन जहाजों पर हमला कर दो कब्जे में लिए।

27 ईरान ने कहा- अगर अमेरिका नाकेबंदी हटाए और युद्ध खत्म करे तो होर्मुज पर दबाव खत्म करेंगे।

1 मई: ईरान ने अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव भेजा।

4 ट्रंप ने अमेरिकी जहाजों पर हमले की स्थिति में ईरान को "धरती से मिटा देने" की धमकी दी।

6 अमेरिका ने होर्मुज में जहाजों की सुरक्षा के लिए चलाया जा रहा "प्रोजेक्ट फ्रीडम" निलंबित किया।

10 पाकिस्तान के जरिए ईरान ने जवाबी प्रस्ताव भेजा, जिसे ट्रंप ने अस्वीकार किया।

11 ट्रंप बोले- युद्धविराम "गंभीर संकट" में है।

18 ट्रंप ने कहा कि "गंभीर वार्ता" के चलते सैन्य हमला टाल रहे हैं।

24 ट्रंप ने दावा किया कि होर्मुज खोलने सहित समझौता लगभग तय है।

1 जून: ईरान द्वारा अमेरिकी ड्रोन गिराए जाने के बाद अमेरिका ने रडार और ड्रोन नियंत्रण केंद्रों पर हमला किया। ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सैनिकों को निशाना बनाया।

8 इजरायल और ईरान के बीच हमले, क्षेत्र में फिर बड़े युद्ध का खतरा बढ़ा।

9 ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी हेलीकाप्टर गिराए जाने के बाद जवाब देना जरूरी है।

10 अमेरिका ने ईरान पर हमला किया और पलाऊ ध्वज वाले टैंकर पर हमले में 24 में से 3 भारतीय नाविकों की मौत हुई।

11 अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन हमला किया। ईरान ने खाड़ी देशों और जार्डन पर जवाबी हमले किए।

15 ट्रंप ने घोषणा की कि युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता अंतिम रूप ले चुका है।

समझौते से इजरायल ने बनाई दूरी, लेबनान से पीछे हटने से इन्कार

हिजबुल्ला-इजरायल संघर्ष में आई कमी, विस्थापितों को मिली राहत

इजरायल बोला- सुरक्षा हितों पर कोई समझौता नहीं, हमले का देंगे कड़ा जवाब

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते को इजरायल ने स्वीकार करने से मना कर दिया है। उसका कहना है, वह समझौते का पक्षकार नहीं है। अतः अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सैन्य कार्रवाई करने का उसे पूरा अधिकार है। साथ ही उसने दक्षिणी लेबनान, गाजा व सीरिया में सुरक्षा कारणों से कब्जे वाले क्षेत्रों से पीछे हटने के संकेत भी नहीं दिए हैं। उधर, लेबनान के राष्ट्रपति जोसफ ओन ने समझौते का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि इससे क्षेत्र में स्थिरता बढ़ेगी। वहीं, इजरायल व हिजबुल्ला के बीच हमलों में कमी आने से लाखों विस्थापितों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को फिलहाल घर लौटने में जल्दबाजी न करने की सलाह दी है।

एएनआइ के अनुसार, इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने समझौते की आलोचना करते हुए कहा, इजरायल अपनी सुरक्षा नीति किसी बाहरी दबाव के आधार पर तय नहीं करेगा। देश की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बेन-ग्विर ने कहा, हिजबुल्ला के सैन्य ढांचे को समाप्त किए बिना कोई समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने पुरानी कूटनीतिक गलतियां दोहराने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने इतिहास की ऐसी घटनाओं का जिक्र किया और कहा, जब भी हमने इजरायल की सुरक्षा से समझौता करके अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे घुटने टेके, हमें भारी कीमत चुकानी पड़ी। ओस्लो समझौते के समय भी ऐसा ही हुआ, 2006 में लेबनान समझौते के समय भी यही हुआ,। गाजा में हालात को काबू में रखने की हर कोशिश के समय भी यही हुआ, जो बाद में हमारे लिए बड़ी मुसीबत बन गई।

रायटर के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता अमेरिका के साथ हुए समझौते की प्रमुख शर्तों में शामिल है। बघाई ने कहा कि समझौते में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करने और लेबनान की स्वतंत्रता व उसकी सीमाओं का सम्मान करने पर जोर दिया गया है।

ज्ञात हो, गत ढाई वर्षों में इजरायल ने गाजा, लेबनान, सीरिया के 1,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित किया है। ऐसे में क्षेत्रीय सुरक्षा और सीमाई नियंत्रण को लेकर इजरायल का रुख फिलहाल बेहद सख्त बना हुआ है।

अमेरिका-ईरान समझौता इजरायल पर बाध्यकारी नहीं है। दक्षिणी लेबनान में बनाए गए सुरक्षा क्षेत्र से सेना पीछे नहीं हटेगी। यदि ईरान या उसके समर्थित समूहों ने हमला किया तो इजरायल पूरी ताकत से जवाब देगा।
-इजरायल काट्ज (रक्षा मंत्री)

इजरायल काट्ज। फाइल

ईरान युद्ध में ट्रंप के निशाने पर रहे नेतन्याहू, समझौते ने बढ़ाई सियासी मुश्किलें

- साढ़े तीन महीने में कई बार अमेरिकी राष्ट्रपति की फटकार झेलनी पड़ी
- अमेरिका-ईरान समझौते से असहज इजरायल, चुनाव से पहले नेतन्याहू की चुनौती बढ़ी

डोनाल्ड ट्रंप।

नेतन्याहू। फाइल

यरुशलम, रायटर : अमेरिका-ईरान के बीच साढ़े तीन माह तक चले संघर्ष का सबसे बड़ा राजनीतिक नुकसान इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को उठाना पड़ता दिख रहा है। ईरान के खिलाफ कड़ा रुख अपनाकर क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बदलने की उनकी रणनीति अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ टकराव की वजह बन गई है।

सूत्रों के मुताबिक, युद्ध के दौरान नेतन्याहू को कम से कम पांच बार ट्रंप की नाराजगी का सामना करना पड़ा। जून की शुरुआत में ट्रंप ने कथित तौर पर एक फोन काल में नेतन्याहू को बेरूत पर हमला न करने की चेतावनी दी थी, क्योंकि उस समय अमेरिका ईरान के साथ समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहा था। हालांकि बाद में इजरायल ने लेबनान में फिर कार्रवाई की, जिससे तनाव और बढ़ गया। रविवार को अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की घोषणा से कुछ घंटे पूर्व भी इजरायल ने बेरूत पर हमला किया। ट्रंप ने इस पर भी नाराजगी जताई। इजरायली अफसरों का मानना है कि प्रस्तावित समझौता उनके सुरक्षा हितों को पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं करता। समझौते के तहत 60 दिनों के युद्धविराम व आगे की वार्ता का रास्ता खुला है,पर इजरायल को आशंका है कि इस अवधि में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल क्षमता व क्षेत्रीय समर्थक समूहों से जुड़े उसके प्रमुख सुरक्षा मुद्दे अनसुलझे रह सकते हैं। उधर, नेतन्याहू को घरेलू स्तर पर भी दबाव झेलना पड़ रहा है। हालिया जनमत सर्वे में उनकी लोकप्रियता घटी है और चुनावों में उन्हें कड़ी चुनौती मिलने के संकेत हैं। विश्लेषकों का मत है कि समझौते ने उस तर्क को भी कमजोर किया है, जिसके तहत नेतन्याहू खुद को ट्रंप का भरोसेमंद बता जनता का समर्थन पाते रहे हैं।

शांति समझौते पर सहमति का भारत ने किया स्वागत

जयप्रकाश रंजन • जागरण

- मोदी बोले- जल्द स्थापित हो स्थिरता और शेष मुद्दों का स्थायी समाधान निकले
- ईरान से तेल खरीदने की शुरुआत भी जल्द करेगा भारत

नई दिल्ली : अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते का भारत ने स्वागत किया है। पीएम नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा "मैं पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने पर बनी सहमति का स्वागत करता हूं। इस संघर्ष ने दुनियाभर में गंभीर आर्थिक व्यवधान पैदा किया था। कई देशों में जानमाल की हानि हुई थी। भारत आशा करता है कि इस सहमति के क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल होगी तथा नौवहन और वाणिज्य की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम शेष मुद्दों पर हो रही चर्चाओं के सतत और अंतिम समझौते तक पहुंचने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।" वहीं, शांति घोषणा के बाद होर्मुज में पिछले ढाई महीने से फंसे जहाजों के तेजी से निकलने के संकेत मिले हैं। एलएनजी लेकर भारत आ रहा एक जहाज वहां से निकल भी चुका है। भारत अब ईरान से फिर से तेल खरीद की संभावनाएं तलाश रहा है।

पश्चिम एशिया में बदले हालात के अनुरूप भारत अपने रणनीतिक एवं आर्थिक हित मजबूत करने की तैयारी में है। इस क्षेत्र में रहने वाले एक करोड़ से ज्यादा भारतीयों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति में इस क्षेत्र की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी, यूएई, इजरायल, सऊदी अरब जैसे रणनीतिक साझेदारों की उपस्थिति से भारत का सीधा हित यहां से जुड़ा हुआ है।

समझौते के बाद भारतीय एलएनजी कैरियर 'दिशा' होर्मुज स्ट्रेट को पार करने वाला पहला टैंकर: अमेरिका-ईरान डील की घोषणा के बाद यह खबर आई कि होर्मुज स्ट्रेट से भारत का एलएनजी टैंकर 'दिशा' बाहर निकल आया है। कतर से 62,370 टन एलएनजी लेकर आ रहा टैंकर लारक द्वीप के निकट से गुजरते हुए भारत रवाना हो चुका है। इसके 18 जून को गुजरात पहुंचने की उम्मीद है। भारत के अभी भी 13 जहाज व चालक दल के 325 सदस्य होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में फंसे हैं। जहाजों व नाविकों को बाहर निकालने के लिए जहाजरानी मंत्रालय विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय करके ओमान, यूएई और ईरान की सरकारों से लगातार संपर्क में है।

कच्चे तेल की आपूर्ति की समस्या काफी हद तक होगी खत्म : पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शांति स्थापित होने से कच्चे तेल की आपूर्ति की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। ऐसा लगता है कि हमारे पास कई बड़े तेल विक्रेता देशों का विकल्प उपलब्ध हो जाएगा।" इससे आयात लागत में भारी कमी आएगी।

महंगाई पर लगेगी लगाम, विकास में आएगी तेजी

राजीव कुमार, जागरण • नई दिल्ली : युद्ध विराम समझौते से भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार पुनः तेज हो सकती है। आरबीआइ ने गत सप्ताह चालू वित्त वर्ष 2026-27 की विकास दर के अनुमान को कम करते हुए इसे सात प्रतिशत से कम कर दिया था। भारत कच्चे तेल की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। 50 प्रतिशत से अधिक तेल,70 प्रतिशत एलपीजी, 90 प्रतिशत एलएनजी पश्चिम एशिया से मंगाया जाता है। 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद से आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित है। इसके चलते पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 7.5 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा हो गया। ढुलाई लागत बढ़ने से खाद्य वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ने लगीं, जिससे खपत प्रभावित हुई।

हालांकि जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते और होर्मुज से आवाजाही सामान्य होने के बाद भी पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें कम होने में वक्त लग सकता है।

ईरान-अमेरिका समझौते से उर्वरक बाजार को राहत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- यूरिया के साथ अन्य उर्वरकों की कीमतें भी गिरेंगी, आयात लागत भी होगी कम
- फास्फोरिक एसिड और अमोनिया जैसे कच्चे माल के लिए भी विदेशों पर निर्भरता

ईरान-अमेरिका के बीच समझौता भारत के उर्वरक क्षेत्र के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। इसका असर सिर्फ यूरिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि डीएपी, एनपीके और अन्य उर्वरकों की लागत पर भी पड़ सकता है। वैश्विक बाजार में पहले ही यूरिया की कीमतों में बड़ी गिरावट दिखने लगी है। उम्मीद है कि अन्य उर्वरकों के दाम भी नरम पड़ेंगे। इससे सरकार का उर्वरक सब्सिडी बोझ घट सकता है और उपलब्धता बेहतर हो सकती है। खाड़ी क्षेत्र से बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस, अमोनिया, फास्फोरिक एसिड की आपूर्ति होती है। इनकी कीमत बढ़ने से यूरिया, डीएपी एवं एनपीके की लागत तेजी से बढ़ गई थी। भारत पर इसका असर पड़ा था।

यूरिया बाजार में बदलाव पहले ही आ चुका है। अप्रैल में भारतीय पोटाश लिमिटेड के 25 लाख टन यूरिया आयात टेंडर में कीमतें 935 से 959 डालर प्रति टन तक पहुंच गई थीं। यह सामान्य स्तर से दोगुनी थीं, पर पिछले सप्ताह नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के 17 लाख टन यूरिया आयात टेंडर में 62 लाख टन से अधिक की पेशकश हुई। कीमतें अप्रैल के मुकाबले आधी रह गईं, जो वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव कम होने का संकेत है। इसका मुख्य कारण चीन का उर्वरक बाजार खुलना है। यूरिया के बाद डीएपी व एनपीके आयात में भी राहत मिल सकती है। डीएपी की कुल जरूरत का 55-60 प्रतिशत हिस्सा आयात करना पड़ता है।

समझौते में हारता दिख रहा अमेरिका

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- ईरान का परमाणु कार्यक्रम खत्म करने, मिसाइल क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव सीमित करने का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया अमेरिका
- अधिकतम दबाव बनाने के बजाए समझौते की ओर गया अमेरिका, इसलिए डील में कमजोर पक्ष के रूप में आया सामने

अमेरिका-ईरान के बीच शांति-समझौते को लेकर दुनिया भर में बहस चल रही है। कई विश्लेषकों का मानना है कि यह समझौता अमेरिका की जीत नहीं बल्कि ऐसा समझौता है जिसमें ईरान अपेक्षा से अधिक मजबूत स्थिति में उभरा है। यही कारण है विशेषज्ञ और अमेरिका के सहयोगी देशों में अमेरिका को इस डील का कमजोर पक्ष बताया जा रहा है।

अमेरिका मूल लक्ष्य हासिल नहीं कर सका: युद्ध और दबाव की नीति अपनाने के बाद अमेरिका का प्रमुख उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल क्षमता और क्षेत्रीय प्रभाव सीमित करना था, पर उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार समझौते के बाद भी ईरान ने कई रणनीतिक कार्यक्रम समाप्त नहीं किए हैं। युद्धविराम तो हुआ, पर परमाणु संवर्धन, प्रतिबंधों और मिसाइल कार्यक्रम जैसे बड़े मुद्दे अभी भी आगे की बातचीत के लिए छोड़े गए हैं।

ईरान की सरकार और व्यवस्था बनी रही: कई माह के संघर्ष, आर्थिक दबाव व सैन्य कार्रवाई के बावजूद ईरान की राजनीतिक व्यवस्था कायम रही। रायटर के अनुसार, विश्लेषकों का मत है कि अमेरिका व उसके सहयोगियों के कुछ बड़े रणनीतिक लक्ष्य पूरे नहीं हुए और ईरान पूरी तरह झुकने के बजाय राजनीतिक रूप से टिके रहने में सफल रहा। इससे यह धारणा बनी कि अमेरिका भारी लागत उठाने के बाद भी निर्णायक परिणाम नहीं ला पाया।

अमेरिका के सहयोगियों की नाराजगी : न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार,इजरायली नेताओं ने इसे खराब समझौता कहा है। आलोचकों के अनुसार, समझौता ईरान के मिसाइल कार्यक्रम और उसके क्षेत्रीय सहयोगी समूहों की गतिविधियों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं लगाता।

समझौते के लिए मजबूर दिखा अमेरिका : अलजजीरा के अनुसार दोनों पक्षों के बीच प्रतिबंधों में राहत, जमे हुए ईरानी धन व परमाणु गतिविधियों को लेकर लंबे समय तक मतभेद बने रहे। अमेरिका अंततः पूर्ण दबाव बनाए रखने के बजाय समझौते की ओर बढ़ा, जिससे यह संदेश गया कि वह अपनी अधिकतम मांगें मनवाने में सफल नहीं हुआ।

क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बड़ा बदलाव नहीं आया : युद्ध के बाद भी पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन पूरी तरह अमेरिका के पक्ष में नहीं बदला। कई खाड़ी देशों ने यह महसूस किया कि केवल अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है और उन्होंने ईरान के साथ संवाद बढ़ाने की नीति अपनाई। इससे अमेरिका के प्रभाव को चुनौती मिलती दिखाई देती है।

लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य अभियान रोकने पर सहमति

प्रथम पृष्ठ से आगे

इससे पहले पाक के पीएम शहबाज शरीफ ने एक्स पर जानकारी दी कि अमेरिका-ईरान के बीच स्थायी रूप से लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य अभियान रोकने पर सहमति बनी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा, शुक्रवार को औपचारिक हस्ताक्षर किए जाएंगे। समझौते की खबर आते ही दुनिया भर में राहत का माहौल दिखा। युद्ध व तेल आपूर्ति पर बनी अनिश्चितता कम होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में पांच प्रतिशत की गिरावट आई और यह 83 डालर प्रति बैरल के पास पहुंच गया। हालांकि समझौते की पूरी शर्तें सार्वजनिक नहीं की गई हैं, पर माना जा रहा है कि इसमें युद्धविराम, स्ट्रेट आफ होर्मुज खोलना, ईरान पर लगे कुछ प्रतिबंधों में राहत, विदेशों में फ्रीज 25 अरब डालर की ईरानी संपत्ति जारी करना व 60 दिनों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता शामिल है। उधर, इजरायली मीडिया के अनुसार, ट्रंप ने पीएम नेतन्याहू को फोन कर समझौते की जानकारी दी। न्यूयार्क टाइम्स को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने नेतन्याहू को अड़ियल नेता बताते हुए कहा, उन्हें शुक्रगुजार होना चाहिए कि अमेरिका ने इजरायल को ईरान के खतरे से बचाया।

खेल जागरण

विवाद, तनातनी और सुपर ओवर का ड्रामा

श्रीलंका ए ने सुपर ओवर में भारत ए को हराया, मैच के बाद वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: दांबुला में भारत ए और श्रीलंका ए के बीच सोमवार को खेला गया त्रिकोणीय सीरीज का मुकाबला क्रिकेट से ज्यादा विवादों और खिलाड़ियों के बीच तनातनी के लिए याद रखा जाएगा। मैच के बाद माहौल इतना गर्म हो गया कि भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और एक श्रीलंकाई खिलाड़ी के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। ये मुकाबला बेहद नाटकीय अंदाज में समाप्त हुआ, जिसमें श्रीलंका ए ने भारत ए को सुपर ओवर में हराकर फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत किया। भारतीय ए टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 265 रन बनाए थे और श्रीलंकाई टीम भी 50 ओवर में इतने ही रन बना पाई। इस सीरीज में भारत ए टीम की यह लगातार दूसरी हार है। इससे पहले उसे अफगानिस्तान ए से वर्षा बाधित मुकाबले में हार मिली थी।

इससे पहले अंतिम ओवर में भारत ए के तेज गेंदबाज अरशद खान ने शानदार यार्कर गेंदबाजी करते हुए श्रीलंका ए को जीत से वंचित कर दिया। मेजबान टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए सिर्फ पांच रन चाहिए थे, लेकिन अरशद ने मात्र चार रन दिए और मैच टाई करा दिया। टाई के बाद कुछ देर तक भ्रम की स्थिति बनी रही। शुरुआती तौर पर ऐसा लगा कि मुकाबला यहीं समाप्त हो गया है, लेकिन भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने अंपायरों से चर्चा कर सुपर ओवर की मांग की। विचार-विमर्श के बाद अंपायरों ने सुपर ओवर कराने का फैसला किया।

सुपर ओवर में भारत की ओर से अरशद खान गेंदबाजी करने आए, लेकिन इस बार वह महंगे साबित हुए। उन्होंने एक वाइड और एक नो बाल समेत कुल 16 रन लुटा दिए। जवाब में भारत को जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। हैरानी की बात यह रही कि विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सुपर ओवर की पहली गेंद का सामना नहीं किया। श्रीलंका के स्लिंग एक्शन वाले तेज गेंदबाज कुगाथास मथुलन ने दबाव में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए भारत को सिर्फ नौ रन पर रोक दिया और टीम को यादगार जीत दिलाई।

श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने उकसाया: मैच के बाद भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और कुछ श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हो गई और उनके बीच धक्का मुक्की भी हुई। श्रीलंका के विशेन हालंबागे ने कुछ उकसाने वाली टिप्पणियां कीं और ताली बजाकर प्रतिक्रिया दी। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। वैभव ने अपने साथी सूर्यांश का समर्थन करते हुए हस्तक्षेप किया, जबकि अनुभवी निकवेला और श्रीलंकाई कप्तान साहन आराच्चिगे ने स्थिति को संभालने की कोशिश की।

मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी और सूर्यांश से भिड़ते श्रीलंकाई खिलाड़ी • एक्स

सुपर ओवर की अंतिम गेंद को नो बाल देने पर हुआ विवाद

सुपर ओवर की अंतिम गेंद फेंकने के बाद वैभव सूर्यवंशी तुरंत डगआउट की ओर भागे और बल्लेबाजी के लिए पैड पहन लिए, लेकिन अंपायरों ने इसे नोबाल दिया। इससे भी तिलक काफी नाराज थे और अंपायर से बहस करने लगे। इसके बाद वैभव को पैड उतारकर वापस मैदान पर आना पड़ा और सुपर ओवर की अंतिम गेंद फेंकी गई।

दोहा डायमंड लीग से सीजन में वापसी करेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, प्रेट्र: चोट से उबरने के बाद बाद भारत के भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा 19 जून को दोहा डायमंड लीग से इस सीजन में वापसी करेंगे। सोमवार को नीरज की इस घोषणा से उनके इस सीजन के प्रतियोगी कैलेंडर में लौटने को लेकर हफ्तों से चल रही अटकलों को विराम मिल गया है।

दो बार के ओलिंपिक पदक विजेता 28 वर्षीय नीरज पीठ की चोट से उबर रहे थे। जिसके कारण वह इस साल अब तक किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाए थे। अब उनकी मैनेजमेंट फर्म 'वेल स्पोर्ट्स' ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि 2026 का पहला थ्रो दोहा में। इससे यह तय हो गया है कि नीरज तीन दिन बाद प्रतियोगी एक्शन में होंगे। चोपड़ा को इस इवेंट में देर से शामिल किया गया है, क्योंकि 12 जून को आयोजकों द्वारा घोषित सूची में उनका नाम नहीं था। वह सीजन की तैयारी के लिए स्विट्जरलैंड के ओलिंपिक सेंटर में ट्रेनिंग कर रहे हैं। लेकिन अब चोपड़ा ने भी इंस्टाग्राम पर लिखा है कि दोहा में मिलते हैं। वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम का नाम इस प्रतियोगिता की नवीनतम सूची में नहीं है, । ऐसे में चोपड़ा का सीधा मुकाबला श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे से होगा।

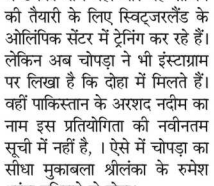

नीरज चोपड़ा

भारत और अफगानिस्तान की टीमें आज करेंगी अभ्यास

जासं, लखनऊ: अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम आइपीएल के बाद अंतरराष्ट्रीय वनडे मुकाबला की मेजबानी के लिए तैयार है। तीन मैचों की अंतरराष्ट्रीय वनडे सीरीज के दूसरे अहम मुकाबले के लिए भारत और अफगानिस्तान की टीमें सोमवार को लखनऊ पहुंच गईं। घरेलू परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए भारतीय टीम की नजर यहां जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने पर है, जबकि मेहमान खिलाड़ी भी मजबूत प्रदर्शन कर कड़ी चुनौती देने के इरादे से मैदान में उतरेंगे। दोनों टीमें मंगलवार को अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी, जहां इस मैच से पहले अपनी तैयारी और मजबूत करेंगी।

धर्मशाला में हुए पहले मुकाबले में कप्तान शुभमन गिल की आतिशी पारी के दम पर टीम इंडिया ने जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरे मैच में मेजबान टीम के बल्लेबाजों का ध्यान बड़ी साझेदारियां बनाने पर होगा, जबकि गेंदबाजी इकाई अफगान खिलाड़ियों पर दबाव बनाने की योजना तैयार करेगी। पहले मैच में उपकप्तान श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा बल्ले से पूरी तरह फ्लाप रहे, लेकिन इस मैच में इन दोनों खिलाड़ियों से बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

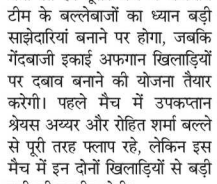

लखनऊ पहुंचे अय्यर व गिल • एएनआइ

इसलिए हुआ सुपर ओवर

वनडे क्रिकेट में सामान्य तौर पर सुपर ओवर नहीं होता है, लेकिन इस सीरीज के लिए तीनों बोर्ड ने सहमति दी थी कि अगर मैच टाई होता है तो सुपर ओवर कराया जाएगा। मैच टाई होने के बाद अंपायर दोनों टीमों को एक-एक अंक देना चाहते थे क्योंकि रोशनी कम थी और फ्लड लाइट का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता था। लेकिन भारत ए के कप्तान तिलक वर्मा परिणाम से खुश नहीं थे और वह लगातार अंपायरों से सुपर ओवर कराने का दबाव डाल रहे थे। ये प्रकरण करीब 15 मिनट चला और उसके बाद अंपायरों ने सुपर ओवर कराने का निर्णय किया।

गत विजेता और उपविजेता करेंगे विश्व कप अभियान का श्रीगणेश

अर्जेंटीना से भिड़ेगी अल्जीरिया की टीम तो फ्रांस के सामने सेनेगल की चुनौती

लियोन मेसी ● एएफपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: फीफा विश्व कप 2022 का फाइनल खेलने वाली अर्जेंटीना और फ्रांस का 2026 फीफा विश्व कप का अभियान बुधवार से शुरू हो गया। फ्रांस जहां लगातार तीसरे विश्व कप फाइनल और तीसरी ट्राफी की तलाश में है, वहीं अर्जेंटीना की नजर लगातार दो विश्व कप जीतने वाली सिर्फ तीसरी टीम बनने पर है। अभी तक बस इटली (1934-38) और ब्राजील 1958-62 ही ऐसा कर पाए हैं। दोनों ही टीमों के अभियान की शुरुआती अफ्रीकी टीमों के खिलाफ होगी। फ्रांस को 2002 के विश्व कप के पहले ही मैच में उन्हें हराने वाली सेनेगल से निपटना होगा, तो अर्जेंटीना के सामने अल्जीरिया की टीम रहेगी। फ्रांस का मैच न्यू जर्सी में तो वहीं अर्जेंटीना का कंसास सिटी में होगा। फ्रांस और सेनेगल का मुकाबला मंगलवार रात 12:30 बजे होगा तो अर्जेंटीना और अल्जीरिया का मैच बुधवार सुबह 6:30 बजे खेला जाएगा।

अर्जेंटीना बनाम अल्जीरिया

अर्जेंटीना की रणनीति: लियोन मेसी की अगुवाई वाला अर्जेंटीना का अटैक किसी भी डिफेंस को छिन्न-भिन्न कर सकता है। टीम में लटारो मार्टिनेज और जूलियन अल्वारेज जैसे बेहतरीन स्ट्राइकर्स हैं, जबकि मिडफील्ड में ये एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडिज और रोड्रिगो डे पाल पर यकीन कर सकते हैं। ये टीम बेहतरीन पासिंग से दबाव बनाती है।

फार्मेशन: अर्जेंटीना अपनी सफल 4-3-3 फार्मेशन में ही खेलेगी।

अल्जीरिया की रणनीति: अर्जेंटीना के खिलाफ उतरने वाली हर टीम की रणनीति एक समान ही रहती है- किसी तरह से मेसी को रोक लो। हालांकि अल्जीरिया को जीतना है तो उन्हें अटैक भी करना होगा क्योंकि अर्जेंटीना के पास मेसी के अलावा भी गोल करने वाले बहुत से खिलाड़ी हैं।

फार्मेशन: अल्जीरिया भी 4-3-3 की फार्मेशन में ही खेलती है जहां रियाद महरेज और हुए अमीन गोइरी पर अटैक की जिम्मेदारी रहती है।

फ्रांस बनाम सेनेगल

फ्रांस की रणनीति: फ्रांस को इस मोर्चे पर कुछ सोचने की जरूरत ही नहीं है। काइलियन एमबापे, ओस्मान डेम्बेले और ब्रैडली बार्कोला जैसे फारवर्ड खिलाड़ियों तक बस गेंद पहुंचानी है, बाकी काम वो कर लेंगे और फ्रांस की मिडफील्ड के पास ऐसा करने की काबिलियत भी है। फ्रांस के तीनों फारवर्ड बहुत तेज भागते हैं और गोल करने की इनकी क्षमता को किसी परिचय की जरूरत नहीं है।

फार्मेशन- फ्रांस 4-3-3 की फार्मेशन में खेलती है। इनकी फारवर्ड लाइन बहुत तेज और काबिल है। पूरी टीम मिलकर बस इन लोगों तक गेंद पहुंचाती और बाकी काम अपने आप हो जाता है।

सेनेगल की रणनीति: डिफेंस में कलिदौ कौलिबली और अटैक में सादियो माने, सेनेगल के पास दो शानदार खिलाड़ी हैं जिनकी नेतृत्व क्षमता कमाल की है। टीम की मजबूती उनके अनुभवी खिलाड़ी ही हैं। कये टीम फिर से अपने डिफेंस की सवारी करने उतरेगी।

फार्मेशन: सेनेगल भी 4-3-3 फार्मेशन में खेलती है।

काइलियन एमबापे, फ्रांसीसी स्ट्राइकर ●

इराक के विरुद्ध खाता खोला चाहेंगे 'गोल मशीन' हालैंड

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: गोल मशीन के नाम से मशहूर नार्वे के स्टार एर्लिंग हालैंड अपनी टीम के शुरुआती मुकाबले में इराक के विरुद्ध अपना विश्व कप खाता खोलने को बेताब होंगे। ग्रुप आइ का यह मुकाबला बोस्टन में मंगलवार रात होगा। हालैंड ने विश्व कप के आठ क्वालीफाइंग मैचों में 16 गोल कर नार्वे को फिर विश्व कप का टिकट दिलाया है। 1998 में आखिरी बार विश्व कप में खेलने वाला नार्वे तब राउंड आफ 16 में हार गया था।

आस्ट्रिया के सामने जार्डन

ग्रुप जे में लगभग तीन दशक बाद विश्व कप में वापसी कर रही एक और यूरोपीय टीम आस्ट्रिया के आगे अमेरिका के सेन फ्रांसिस्को में जार्डन की चुनौती होगी। आस्ट्रिया विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान में यूरोपीय देश सेन मारिनो पर 10-0 की जबरदस्त जीत के साथ अपनी मजबूती का परिचय देकर आ रही है। वहीं दूसरी ओर जार्डन के लिए इस वैश्विक मंच पर खेलने का यह पहला अनुभव होगा।

दुनिया की नंबर दो टीम पर भारी पड़ा 40 साल का गोलकीपर

67वीं रैंक वाली केप वेर्डे की टीम के सामने एक भी गोल नहीं कर सके स्पेनिश खिलाड़ी

ओयारजबाल का शाट रोकते केप वेर्डे के गोलकीपर वोजिन्हा ● रायटर

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: मशहूर फुटबाल कोच जोस मोरिन्हो की उस वक्त की क्लब टीम टाटनहम हाट्सपर ने 2020 में एक अहम मैच में मैनचेस्टर सिटी को 2-0 से हरा दिया। इस मैच में सिटी ने 65 प्रतिशत से ज्यादा वक्त तक गेंद अपने कब्जे में रखी थी। मैच के बाद मोरिन्हो से इस पर सवाल हुआ। जवाब में वह बोले, वो फुटबाल अपने साथ घर ले जा सकते हैं, हमारी टीम ने तीन अंक ले लिए। आप मानें या ना मानें लेकिन साढ़े पांच लाख की जनसंख्या वाले अफ्रीकी देश केप वेर्डे की टीम दुनिया की नंबर दो टीम स्पेन के खिलाफ अपने पदार्पण फीफा विश्व कप मैच में शायद मोरिन्हो की यही बात गांठ बांधकर आई थी।

मौजूदा यूरोपियन चैंपियन स्पेनिश टीम ने अपने पहले ग्रुप चरण मैच में केप वेर्डे को सिर्फ 26 प्रतिशत वक्त तक गेंद अपने पास रखने दी लेकिन इसके बावजूद वो मैच में एक भी गोल नहीं कर पाए। केप वेर्डे की टीम ने मोरिन्हो के खेलने के तरीके को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया था। ठीक उसी अंदाज में गेंद छिनते ही पूरी टीम रक्षात्मक हो जाती और जैसे ही गेंद मिले, सारे एक साथ स्पेन के हाफ की ओर दौड़ पड़ते। टीम की इस रणनीति को सफलतापूर्वक कागज से मैदान तक उतारने के लिए केप वेर्डे के मैनेजर बुबिस्तो की भी तारीफ करनी होगी, खुद वो भले बहुत ऊंचे स्तर तक नहीं खेल पाए लेकिन उनकी कोचिंग में केप वेर्डे लगातार कमाल का खेल दिखा रही है। जार्जिया के अटलांटा स्टेडियम में हुए इस मैच में स्पेन की टीम जीत की हकदार बनकर तीन अंक लेने आई थी, लेकिन केप वेर्डे ने यहां उन्हें गेंद पर कब्जा और मायूसी के अलावा कुछ नहीं लेने दिया।

स्पेन के पास विश्व रैंकिंग में 67वें नंबर की टीम केप वेर्डे की पूरी जनसंख्या से कई गुना ज्यादा रजिस्टर्ड फुटबालर हैं। जी हां, स्पेन में अलग-अलग स्तरों पर विधिवत फुटबाल खेलने वालों की संख्या दस लाख के पार है। इनमें कई हजार तो पेशेवर रूप से फुटबाल खेलते हैं। इस मैच में भी स्पेन ने जो टीम उतारी, उसका कोई भी खिलाड़ी दुनिया की किसी भी टीम में जगह बना सकता है लेकिन ये सारे खिलाड़ी मिलकर भी बुबिस्तो की रणनीति, केप वेर्डे के खिलाड़ियों के ना टूटने वाले हौसले और उनके 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा के जान लड़ा देने वाले समर्पण से पार नहीं पा सके। जीवनभर छोटे-छोटे क्लबों के लिए खेलने वाले वोजिन्हा ने दुनिया के सबसे बड़े मंच पर जो फुर्ती और लचीलापन दिखाया वो ये दुनिया हमेशा याद रखेगी।

गेंद रखी: स्पेन 72% | केप वेर्डे 28%

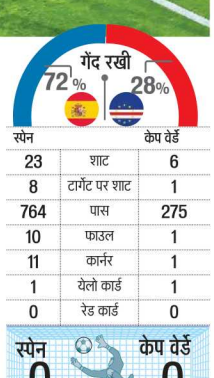

स्पेन		केप वेर्डे
23	शाट	6
8	टार्गेट पर शाट	1
764	पास	275
10	फाउल	1
11	कार्नर	1
1	येलो कार्ड	1
0	रेड कार्ड	0

स्पेन 0 - केप वेर्डे 0

दाइची ने नीदरलैंड्स को किया जीत से वंचित

नीदरलैंड्स के विरुद्ध अंतिम मिनट में गोल दागने के बाद जोश में दाइची कमादा (सबसे आगे) व अन्य जापानी खिलाड़ी ● रायटर

गेंद रखी: नीदरलैंड्स 60% | जापान 40%

नीदरलैंड्स		जापान
11	शाट	8
7	टार्गेट पर शाट	3
516	पास	342
7	फाउल	7
5	कार्नर	4
3	येलो कार्ड	0
0	रेड कार्ड	0

नीदरलैंड्स 2 - जापान 2
डाइक: 51वां मिनट, समरविल: 64वां मिनट | नाकामुरा: 57वां मिनट, कमादा: 89वां मिनट

अर्लिंगटन, एपी : दाइची कमादा के 88वें मिनट में किए गए शानदार हेडर गोल की बदौलत जापान ने फीफा विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में मजबूत नीदरलैंड्स को 2-2 की बराबरी पर रोक दिया। अंतिम क्षणों तक हार की ओर बढ़ रही जापानी टीम ने दमदार वापसी करते हुए एक महत्वपूर्ण अंक हासिल किया और अपने जुझारू खेल से सभी को प्रभावित किया। जापान ने एक बार फिर साबित किया कि उसे हल्के में लेना किसी भी बड़ी टीम के लिए भारी पड़ सकता है। विश्व कप के पहले ही मैच में डच टीम से अंक छीनकर उसने नाकआउट दौर की अपनी दावेदारी मजबूत कर दी है।

एटीएंडटी स्टेडियम में खेले गए ग्रुप एफ के इस मुकाबले का पहला हाफ अपेक्षाकृत शांत रहा, लेकिन दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया और महज 14 मिनट के भीतर तीन गोल देखने को मिले। दुनिया की आठवीं रैंकिंग वाली नीदरलैंड्स टीम ने 50वें मिनट में कप्तान वर्जिल वैन डाइक के हेडर गोल से बढ़त बनाई। यह विश्व कप में उनका 13वां अंतरराष्ट्रीय गोल था। हालांकि जापान ने सात मिनट बाद ही जवाब दे दिया। ताकेफुसा कुबो के शानदार पास पर कीतो नाकामुरा ने बाक्स के बाहर से जोरदार शाट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 64वें मिनट में क्रिसेंसियो समरविल ने रियान ग्रावेनबर्ख के पास पर गोल दागकर नीदरलैंड्स को फिर 2-1 से आगे कर दिया।

इसके बाद ऐसा लग रहा था कि डच टीम जीत दर्ज कर लेगी, लेकिन जापान ने हार नहीं मानी। 88वें मिनट में कोकी ओगावा के कार्नर पर दाइची कमादा ने बेहतरीन टाइमिंग के साथ हेडर लगाया। गेंद हल्का सा डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर बार्ट वेरब्रूगन के हाथों को छूते हुए नेट में समा गई और जापान ने मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। गोल होते ही स्टेडियम में मौजूद जापानी प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

जापान के कोच हाजिमे मोरियासु ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, खिलाड़ियों ने धैर्य बनाए रखा, शांत रहे और सही मौके का इंतजार किया। आखिरकार उन्होंने उस अवसर का फायदा उठाया। दूसरी ओर नीदरलैंड्स के कप्तान वान डाइक ने निराशा जताते हुए कहा, दो बार बढ़त लेने के बाद जीत नहीं मिलना निराशाजनक है। सबसे ज्यादा दुख इस बात का है कि हमने इतने देर से सेट-पीस पर गोल खाया।

कोच का अनोखा अंदाज

नई दिल्ली: जापान अपनी अनोखी सोच और नवाचारों के लिए जाना जाता है और टीम के मुख्य कोच हाजिमे मोरियासु ने ध्यान खींच लिया है। मोरियासु खिलाड़ियों को निर्देश देने के लिए व्हाइटबोर्ड का इस्तेमाल करते नजर आए, जिस पर बड़े-बड़े अंक लिखे हुए थे। मोरियासु मैच के अंतिम मिनटों में तीन से लेकर एक तक के अंक खिलाड़ियों को दिखाते दिखे।

जापानी कोच मोरियासु ● रायटर

जापानी प्रशंसकों ने जारी रखी सफाई की परंपरा

मैच के बाद स्टेडियम की सफाई करते जापानी प्रशंसक ● एएफपी

अर्लिंगटन, एपी : मैच के बाद जापानी प्रशंसकों ने एक बार फिर अपने अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी से दुनिया का दिल जीत लिया। जहां अधिकांश प्रशंसक मैच खत्म होते ही जश्न मनाते हुए स्टेडियम से निकल जाते हैं, वहीं जापानी समर्थकों ने अपनी पुरानी परंपरा निभाते हुए स्टैंड में फैला कचरा उठाकर पूरे क्षेत्र की सफाई की।

पहले गोल पर माफी, दूसरे का जश्न... अयारी ने स्वीडन को दिलाई बड़ी जीत

अयारी के साथ जश्न मनाते स्वीडन के खिलाड़ी ● एपी

गेंद रखी: स्वीडन 49% | ट्यूनीशिया 51%

स्वीडन		ट्यूनीशिया
13	शाट	5
8	टार्गेट पर शाट	2
320	पास	331
9	फाउल	8
4	कार्नर	2
0	येलो कार्ड	1
0	रेड कार्ड	0

स्वीडन 5 - ट्यूनीशिया 1
आयारी: 7वां, 90+6वां, इसाक: 30वां, ग्योकेरेस: 59वां, स्वेनबर्ग: 84वां | रेकिक: 43वां मिनट

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : रविवार देर रात खेला गया स्वीडन बनाम ट्यूनीशिया मैच का सातवां मिनट, लगातार हमले कर रहे स्वीडन के स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक को रोकने के लिए गोलकीपर अपनी लाइन से बहुत आगे निकल आया। इसाक का शाट तो रुक गया लेकिन गेंद छिटककर विक्टर ग्योकेरेस के पास आई जिन्होंने उसे गोल की ओर मारा, गेंद फिर गोल में नहीं गई, डिफेंडर ने इसे फिर से वापस मैदान में भेज दिया। इस बार गेंद 22 साल के मिडफील्डर यासिन अयारी के पास आई जिन्होंने पहले तो उसे कंट्रोल किया और फिर बाक्स के बाहर से ही दनदनाते हुए ट्यूनीशिया के गोल में भेज दिया।

विश्व कप का पहला मैच और ऐसा गोल... भला कौन जश्न नहीं मनाता, लेकिन यासिन ने ऐसा करने से इन्कार कर दिया। उन्होंने दोनों हाथ उठाकर ट्यूनीशिया के दर्शकों से माफी मांगी। स्वीडन की पूरी टीम जश्न मना रही थी लेकिन इस जश्न में यासिन शामिल नहीं थे, हालांकि बाद में उन्होंने भी जश्न मनाया, लेकिन मैच के 90+6वें मिनट में जब उन्होंने स्वीडन के लिए अपना दूसरा और मैच का पांचवां गोल किया। लेकिन ये जश्न पहले गोल के बाद क्यों नहीं आया? दरअसल यासिन के पिता ट्यूनीशिया के ही रहने वाले थे। हालांकि यासिन का जन्म स्वीडन में ही हुआ, लेकिन पिता के जन्मस्थान के सम्मान में उन्होंने पहली बार जश्न ना मनाने का फैसला किया। यासिन की मां मोरक्को की हैं, उनके पास इन दोनों देशों से खेलने का भी अवसर था, लेकिन यासिन ने अपनी जन्मभूमि को चुना। मेक्सिको के मोन्टेरी शहर में हुए इस मैच में स्वीडन ने ट्यूनीशिया को हर मामले में पीछे छोड़ दिया।

यासिन के अलावा इसाक (30वां मिनट)और ग्योकेरेस (59वां मिनट) ने भी एक-एक गोल किए जबकि एक गोल मैटियस स्वेनबर्ग (84वां मिनट) के खाते में गया। ट्यूनीशिया की ओर से मैच का इकलौता गोल ओमर रेकिक ने 43वें मिनट में किया। इस जीत के साथ ही स्वीडन ने ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। ग्रुप की अन्य दो टीमों नीदरलैंड्स और जापान ने रविवार की देर रात 2-2 से ड्रा खेला था।

कमाल की वापसी: स्वीडन की टीम 2022 विश्व कप में नहीं खेली थी। उनका इस विश्व कप में खेलना भी पक्का नहीं था। क्वालिफार्स में ये लोग अपने ग्रुप में अंतिम स्थान पर थे। लेकिन नेशंस लीग में इन्हें कोई हरा ही नहीं पाया। वहां से ये टीम फीफा विश्व कप के लिए यूरोप के बचे हुए तीन स्थानों के लिए होने वाले प्ले आफ में पहुंची और वहां दोनों मैच जीतकर फीफा विश्व कप 2026 में जगह बना ली। उन दोनों मैचों में ग्योकेरेस ने चार गोल किए थे। पहले मैच में यूक्रेन के विरुद्ध इन्होंने हैटट्रिक मारी जबकि पोलैंड के खिलाफ विजयी गोल किया।

अर्जेंटीना के नीले और सफेद रंग से पटी कंसास सिटी

फीफा विश्व कप डायरी

सौरव राय ● जागरण

कंसास सिटी : विश्व कप 2026 शुरू होने से पहले ही सबसे महंगा और वैभवशाली विश्व कप बताया जा रहा था। लेकिन न्यू यार्क पहुंचने के बाद टूर्नामेंट का माहौल लोगों की अपेक्षाओं से इतर दिखा। ज्यादा जोश तो नदी के पार न्यू जर्सी में है जहां विश्व कप से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां चल रही हैं। पांच बार की विजेता ब्राजील का शिविर भी यहीं लगा है। जबकि पिछली बार की विजेता अर्जेंटीना ने इस टूर्नामेंट के लिए कंसास को अपना घर बनाया है।

शहर अर्जेंटीना के मशहूर नीले और सफेद रंगों में रंगा हुआ है और पूरी दुनिया से प्रशंसक लियोन मेसी और अर्जेंटीना का समर्थन करने आ रहे हैं। अर्जेंटीना विश्व कप 2026 का अपना सफर भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह 6:30 बजे से शुरू करेगी लेकिन कंसास का माहौल देखकर लगता है कि अर्जेंटीना के प्रशंसकों ने अभी से शहर पर कब्जा कर लिया है।

कहते हैं कि अर्जेंटीना जब भी खेलती है, मैदान में तिल रखने की जगह भी नहीं रहती और शायद इसीलिए टीम के मैनेजर लियोन स्कालोनी ने बीते दो दिनों से टीम का अभ्यास सत्र पूरी तरह से बंद दरवाजों के पीछे रखा है। यहां पत्रकारों को भी घुसने की अनुमति नहीं है। जहां एक ओर ज्यादातर देशों के अभ्यास सत्र सबके लिए खुले हैं वहीं खिताब की रक्षा करने जा रही अर्जेंटीना ने चुपचाप, सबकी नजरों से बचकर अभ्यास करना चुना है।

कंसास सिटी में माराडोना की तस्वीरों के साथ अर्जेंटीनी प्रशंसक ● शुभम मंडल

छन-छनकर बाहर आ रही खबरें बताती हैं कि अर्जेंटीना का दल सकारात्मकता से भरा हुआ है। हाल ही में सामने आए एक वीडियो में अर्जेंटीना के खिलाड़ी अपने शिविर में एकसाथ बैठे जर्मनी का मैच देख रहे थे। वीडियो में लियोन मेसी सबसे ज्यादा खुश दिखे। संभावित रूप से अपने आखिरी विश्व कप में खेल रहे मेसी बिना किसी दबाव के खेलना चाहते हैं। अर्जेंटीना के साथ इंग्लैंड की टीम भी कंसास में ही है। अर्जेंटीना से उलट उनका अभ्यास सत्र सबके लिए खुला है। इस टीम के पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों की अच्छी फौज है। जानकारों की मानें तो अगर वह क्वार्टर फाइनल में ब्राजील के सामने ना पड़े तो इस बार इंग्लैंड फाइनल भी खेल सकता है।

20 हजार किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा करेगा इंग्लैंड

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: 1966 के बाद अपना पहला खिताब जीतने के लिए इंग्लैंड फुटबाल टीम अमेरिका पहुंच चुकी है। उन्होंने कंसास सिटी में डेरा भी डाल दिया है लेकिन ये टीम अब भी अपनी मंजिल से बीस हजार किलोमीटर से भी ज्यादा दूर है। दरअसल फीफा विश्व कप 2026 पूरे उत्तरी अमेरिका में फैला हुआ है। 48 टीमों के बीच होने वाले 104 मैच अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको के कुल 16 स्टेडियमों में होंगे। अगर इंग्लैंड की टीम न्यू यार्क के मेट लाइफ स्टेडियम में होने वाला फाइनल मैच खेलती है तो उन्हें पूरी दुनिया का आधा चक्कर लगाने जितनी दूरी तय करनी होगी। इंग्लैंड ने टूर्नामेंट से पहले फ्लोरिडा में दो अभ्यास मैच खेले थे। अभी वो कंसास सिटी में हैं। इस शहर में इन्हें कोई मैच नहीं खेलना लेकिन पूरे महाद्वीप में यात्रा कर पाने की आसानी के चलते इंग्लैंड ने यहां रहने का फैसला किया। अर्जेंटीना और नीदरलैंड्स भी यहीं रुके हैं। पूरे वक्त इंग्लैंड यहीं रहेगी। यहां से पहला मैच खेलने ये डलास जाएंगे, दोनों तरफ मिलाकर ये 900 मील यानी लगभग 1500 किलोमीटर की यात्रा रहेगी। फिर टीम बोस्टन में अपना दूसरा मैच खेलेगी। यह सफर लगभग दो हजार किलोमीटर का रहेगा। इंग्लैंड का आखिरी लीग मैच न्यू यार्क में है जहां ये बोस्टन से ही चले जाएंगे। ये यात्रा 273 किलोमीटर की रहेगी। वहां से कंसास वापसी के लिए ये 1762 किलोमीटर की यात्रा करेंगे।

मेक्सिको से अमेरिका पहुंची ईरान की टीम

लास एंजिलिस, रायटर: फीफा विश्व कप 2026 में अपने पहले मुकाबले से पहले ईरान की फुटबाल टीम रविवार को मेक्सिको के तिजुआना से लास एंजिलिस पहुंच गई। न्यूजीलैंड के विरुद्ध होने वाले मुकाबले से पहले टीम का आगमन ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य तनाव ने इस मैच को अतिरिक्त राजनीतिक महत्व दे दिया है। ईरानी टीम का विमान स्थानीय समयानुसार शाम चार बजकर 11 मिनट बजे लास एंजिलिस हवाई अड्डे पर उतरा। इसके बाद खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच होटल ले जाया गया। ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा कि अमेरिका के साथ चल रहे उनके देश के युद्ध के कारण उन्हें अभी तक कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उनके लिए अभी तक का अनुभव सुखद नहीं रहा है। इस तरह का तनाव उस खुशी को कम करता है जो विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में भाग लेने से मिलती है। ग्रुप जी का यह मुकाबला ऐसे माहौल में खेला जाएगा जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। विश्व कप इतिहास में यह पहली बार है कि किसी मेजबान देश ने ऐसे राष्ट्र की मेजबानी की है, जिसके साथ वह युद्ध की स्थिति में है।

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

अंत में अमाद ने भेदा इक्वाडोर का डिफेंस

अमाद डियालो ● रायटर

फिलाडेल्फिया, एपी: अमाद डियालो ने 90वें मिनट में गोल करके 12 वर्ष में पहली बार विश्व कप फुटबाल में भाग ले रहे आइवरी कोस्ट को इक्वाडोर पर 1-0 से जीत दिलाई। दोनों टीमों ने मिलकर तीन बार क्रासबार पर गेंद मारी, लेकिन गोल करने में विफल रहीं। ऐसे में जब मैच गोलरहित ड्रा की तरफ बढ़ रहा था तब मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले विंगर डियालो ने पेनाल्टी क्षेत्र के ठीक अंदर गोता लगाते हुए बाएं पैर से जोरदार शाट लगाकर गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज को चकमा देकर गोल कर दिया। विल्फ्रेड सिंगो ने दाहिनी ओर से शानदार दौड़ लगाते हुए इस गोल की नींव रखी थी।

आइवरी कोस्ट के लिए एली वाही ने 52वें मिनट में क्रासबार पर शाट मारा। इससे पहले इक्वाडोर के जान येबोआ और निलसन एंगुलो ने पहले हाफ में ऐसा करके गोल करने का सुनहरे मौके गंवा दिए थे। इक्वाडोर के लिए लिंकन फाइनेंशियल फील्ड का माहौल घरेलू मैदान जैसा था क्योंकि 68,274 दर्शकों में से अधिकांश ने इक्वाडोर की टीम की पीली जर्सी पहनी हुई थी, लेकिन टीम की हार के बाद उन्हें निराशा ही हाथ लगी।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का
मंगलवार, 16 जून, 2026

गीता सार

ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

(अध्याय- 8, श्लोक- 16)

आब्रह्मभुवनाल्लोका: पुनरावर्तिनोऽर्जुन।
मामुपेत्य तु कौन्तेय पुनर्जन्म न विद्यते।

भावार्थ: इस जगत में सर्वोच्च लोक से लेकर निम्नतम सारे लोक दुखों के घर हैं, जहां जन्म तथा मरण का चक्कर लगा रहता है, किंतु हे कुंतीपुत्र, जो मेरे धाम को प्राप्त कर लेता है, वह फिर कभी जन्म नहीं लेता।

तात्पर्य: समस्त योगियों को चाहे वे कर्मयोगी हों, ज्ञानयोगी या हठयोगी, अंततः भक्तियोग या कृष्णभावनामृत में भक्ति की सिद्धि प्राप्त करनी होती है। तभी वे कृष्ण के दिव्य धाम को जा सकते हैं, जहां से वे फिर वापस नहीं आते, किंतु जो सर्वोच्च भौतिक लोकों अर्थात देवलोकों को प्राप्त होता है, उसका पुनर्जन्म होता रहता है। जिस प्रकार इस पृथ्वी के लोग उच्चलोकों को जाते हैं, उसी तरह ब्रह्मलोक, चंद्रलोक तथा इंद्रलोक जैसे उच्चतर लोकों से लोग पृथ्वी पर आते रहते हैं। छांदोग्य उपनिषद में जिस पंचाग्नि विद्या का विधान है, उससे मनुष्य ब्रह्मलोक को प्राप्त कर सकता है, किंतु यदि ब्रह्मलोक में वह कृष्णभावनामृत का अनुशीलन नहीं करता तो उसे पृथ्वी पर फिर से लौटना पड़ता है। जो उच्चतर लोकों में कृष्णभावनामृत में प्रगति करते हैं, वे क्रमशः और ऊपर जाते हैं और प्रलय के समय वे नित्य परमधाम को भेज दिए जाते हैं। श्रीधर स्वामी ने अपने भगवद्गीता भाष्य में यह श्लोक उद्धृत किया है- ब्रह्मणा सह ते सर्वे सम्प्राप्ते प्रतिसंचरे। परस्यान्ते कृतात्मान: प्रविशन्ति परं पदम्।। जब इस भौतिक ब्रह्मांड का प्रलय होता है, तो ब्रह्मा तथा कृष्णभावनामृत में निरंतर प्रवृत्त उनके भक्त अपनी इच्छानुसार आध्यात्मिक ब्रह्मांड को तथा विशिष्ट वैकुंठ लोकों को भेज दिए जाते हैं।

योग-ध्यान

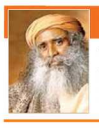

सद्‌गुरु
प्रमुख, ईशा फाउंडेशन, आध्यात्मिक गुरु

योग का सरल सूत्र चित्त वृत्ति निरोध

योग को बताने के लिए पतंजलि ने योग-सूत्र में सटीक वाक्य 'चित्त वृत्ति निरोध' चुना। यह एक ऐसी तकनीक है, जो मुक्ति या आत्म-ज्ञान की ओर ले जा सकती है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) पर विशेष...

महर्षि पतंजलि ने योग की परिभाषा 'चित्त वृत्ति निरोध' के रूप में दी है, जिसका वास्तविक अर्थ यह है कि यदि आप मन की हलचल और गतिविधियों को निश्चल कर लेते हैं तो आप योग की स्थिति में आ जाते हैं। तब चेतना में सब कुछ एक हो जाता है।

हम अपने जीवन में कई चीजों के पीछे भागते हैं और उन प्रक्रियाओं से गुजरते हैं, जिन्हें हम उपलब्धियां कहते हैं, लेकिन मन की हलचल से परे जाना मूल और सबसे बड़ी उपलब्धि है, जिसे कोई भी हासिल कर सकता है, क्योंकि यह इंसान को उस चीज से मुक्त करता है, जो वह खोज रहा है। वह चाहे उसके भीतर हो या बाहर। यह हर चीज से मुक्त करता है। यदि वह अपने मन को निश्चल कर ले, तो वह परम संभावना बन जाता है। मन एक प्रकार का समतल दर्पण बन जाता है, न कि टेढ़ी-मेढ़ी सतह वाला दर्पण। टेढ़ी-मेढ़ी सतह वाला दर्पण व्यक्ति के जीवन के पूरे बोध को विकृत कर देता है। कम से कम यदि आप उसमें न देखें, तो आपको कुछ अंदाजा हो सकता है कि आप कैसे हैं, लेकिन अगर आप प्रतिदिन उसमें देखते हैं तो वह आपको हर चीज का पूरी तरह से विकृत दृष्टिकोण देगा।

वर्तमान में अधिकतर व्यक्ति अपने मन का उपयोग मात्र अपनी स्मृति और कल्पना के बीच कर रहे हैं। स्मृति और कल्पना दो अलग-अलग चीजें नहीं हैं। स्मृति अतीत का संग्रह है और कल्पना उसी का बढ़ा-चढ़ाकर देखा गया रूप है। यदि आप अपने मस्तिष्क को ऐसी स्थिति में ले जाएं, जहां आप न तो स्मृति से दूषित होते हैं और ना ही कल्पना से भ्रमित होते हैं, तो वहां सचमुच एक बुद्धिमान और पैना मस्तिष्क बन जाता है। वह सब कुछ देखता है, जो देखने योग्य है। वह जीवन और उसके स्रोत को देखता है। जीवनयापन की प्रक्रिया के लिए आपकी स्मृति और कल्पना पर्याप्त हैं, लेकिन यदि आप जीवन के दूसरे आयामों की खोजबीन करना चाहते हैं, तो स्मृति और कल्पना पर्याप्त नहीं हैं, क्योंकि वे मात्र आपके अतीत को ही पुनरावर्तित (रिसाइकल) करती हैं। जब आप अपने अतीत को दोहराते हैं, तो आपके जीवन का एक पैटर्न बन जाता है। यदि आपका मस्तिष्क मात्र स्मृति और कल्पना में ही उलझा रहता है, तो वह कभी न टूटने वाला पैटर्न होता है। एक बार जब आप किसी पैटर्न में फंस जाते हैं, वह एक प्रकार की परतंत्रता होती है। वस्तुतः, इसका आभास होना कि व्यक्ति मनोवैज्ञानिक वास्तविकताओं में फंसा हुआ है और सृष्टि की भव्यता के अस्तित्वगत अनुभव से चूक रहा है, यह स्वाधीनता की दिशा में पहला कदम है।

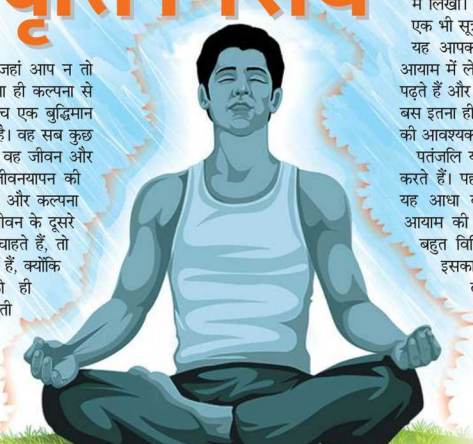

मन को निश्चल कर लेना ही योग की स्थिति है। चित्रः जागरण आर्काइव

यही कारण है कि योग को बताने के कई सुंदर तरीकों में से पतंजलि ने 'चित्त वृत्ति निरोध' को चुना। एक ऐसी तकनीक, जो आपको आपकी मुक्ति या आत्म-ज्ञान की ओर ले जा सकती है। योग का पूरा विज्ञान अलग-अलग सूत्रों के रूप में बताया गया है। लगभग 200 सूत्र मिलकर योग के ज्ञान का पूरा ढांचा बनाते हैं। पतंजलि ने योग का आविष्कार नहीं किया, उन्होंने इसे जीवन पद्धति में सम्मिलित किया। इसीलिए उन्हें आधुनिक योग का जनक कहा जाता है। यह पहले से ही अलग-अलग रूपों में अस्तित्व में था और उन्होंने इसे सूत्रों के रूप में लिखा, जिन्हें जीवन के बारे में एक प्रभावी दस्तावेज माना जाता है।

यह अविश्वसनीय है कि किसी एक मनुष्य को जीवन के बारे में इतनी समझ हो सकती थी। उनकी बुद्धि-विवेक का दायरा अविश्वसनीय है। आज के विद्वान तर्क देते हैं कि यह किसी एक व्यक्ति का काम नहीं है, क्योंकि यह इतना विशाल है कि किसी एक व्यक्ति की बुद्धि में नहीं समा सकता। लेकिन वास्तव में यह एक ही व्यक्ति का काम है। पतंजलि शायद इस धरती पर हुए सबसे महान बुद्धिजीवियों में से एक हैं।

योग-सूत्र शायद जीवन पर लिखी गई सबसे महान कृति है और साथ ही दुनिया की सबसे उबाऊ पुस्तक भी। पतंजलि ने इसे जान-बूझकर उबाऊ लिखा, क्योंकि इसमें जीवन को खोलने के सूत्र हैं। यह न तो साहित्य है और ना ही दर्शन। भाषा पर उनकी महारत ऐसी थी कि उन्होंने इसे सूत्रों के रूप में लिखा। यह बहुत उबाऊ है, लेकिन अगर एक भी सूत्र आपके भीतर फलित हो जाए तो यह आपको अनुभव के एक बिल्कुल नए आयाम में ले जाएगा। अगर आप एक भी सूत्र पढ़ते हैं और उसे अपने जीवन में उतारते हैं तो बस इतना ही काफी है। आपको सारे सूत्र पढ़ने की आवश्यकता नहीं है।

पतंजलि योग सूत्र का प्रारंभ विचित्र ढंग से करते हैं। पहला सूत्र है- ...और अब, योग। यह आधा वाक्य ही एक अध्याय है। उस आयाम की पुस्तक का प्रारंभ करने का यह बहुत विचित्र तरीका है। बौद्धिक रूप से, इसका कोई मतलब नहीं निकलता, लेकिन अनुभव के स्तर पर यह कह रहा है: 'यदि आपको अभी भी लगता है कि नया घर बनाने, नई पत्नी खोजने या बेटी का विवाह करने से आपका जीवन संवर जाएगा तो अभी योग का समय नहीं है, लेकिन अगर आपने सत्ता, धन और सुख-सुविधाएं देख ली हैं, अगर आपने जीवन में हर वस्तु का स्वाद चख लिया है और यह महसूस किया है कि वास्तविकता में कोई भी वस्तु काम नहीं आने वाली है और अंततः आपको तृप्त नहीं करने वाली है, तब यह समय योग के लिए है।' पहला सूत्र '...और अब, योग' का मतलब है कि आप जानते हैं कि कोई भी वस्तु जीवन में काम नहीं करती और आपको इसका अनुमान भी नहीं है कि वास्तविकता में यह सब क्या है। अज्ञानता की पीड़ा आपको चीर रही है। अब, योग..., क्योंकि अब जानने का एक मार्ग मौजूद है, जो योग है।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

ईश्वर के प्रति प्रेम का बंधन

परम शरणागति की अवस्था में सभी प्रकार की आसक्ति समूल नष्ट हो जाती है और रह जाता है ईश्वर के प्रति प्रेम...

चिंतन धरोहर

स्वामी विवेकानंद

वास्तव में जीवन का सर्वश्रेष्ठ उपयोग तो यह है कि वह सर्व भूतों की सेवा में लगा दिया जाए। हमारा सबसे बड़ा भ्रम यह है कि हमारा यह शरीर ही हम हैं और जिस प्रकार से हो, इसकी रक्षा करनी होगी, इसे सुखी रखना होगा। यह भयानक देहात्म बुद्धि ही संसार में सब प्रकार की स्वार्थपरता की जड़ है।

यदि तुम यह निश्चित रूप से जान सको कि तुम शरीर से बिल्कुल पृथक हो तो फिर इस दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं रह जाएगा, जिसके साथ तुम्हारा विरोध हो सके। तब तुम सब प्रकार की स्वार्थपरता के अतीत हो जाओगे। इसीलिए भक्त कहता है कि हमें ऐसे रहना चाहिए, मानो हम दुनिया की सारी चीजों के लिए मर से गए हों। वास्तव में यही यथार्थ आत्मसमर्पण है। यही सच्ची शरणागति है। जो होने का है, हो। यही तेरी इच्छा पूर्ण हो... का तात्पर्य है। उसका तात्पर्य यह नहीं है कि हम यत्र-तत्र लड़ाई-झगड़ा करते फिरें और सारे समय यही सोचते रहें कि हमारी ये सारी कमजोरियां और सांसारिक आकांक्षाएं भगवान की इच्छा से हो रही हैं।

हो सकता है कि हमारे स्वार्थपूर्ण प्रयत्नों से भी कुछ भला हो जाए, पर वह भगवान देखेंगे, उसमें हमारा-तुम्हारा कोई हाथ नहीं। यथार्थ भक्त अपने लिए कभी कोई इच्छा या कार्य नहीं करता। उसके हृदय के अंतरतम प्रवेश से तो बस यही प्रार्थना निकलती है- प्रभो, लोग तुम्हारे नाम पर बड़े-बड़े मंदिर बनवाते हैं, बड़े बड़े दान देते हैं, पर मैं तो निर्धन हूं, मेरे पास कुछ भी नहीं है। अतः मैं अपने इस शरीर को ही तुम्हारे श्रीचरणकमलों में समर्पित करता हूं। मेरा परित्याग न करना, मेरे प्रभो।

जिसने एक बार इस अवस्था का आस्वादन कर लिया है, उसके लिए प्रेमास्पद भगवान के श्रीचरणों में यह चिर आत्मसमर्पण कुबेर के धन और इंद्र के ऐश्वर्य से भी श्रेष्ठ है। नाम, यश और सुख-संपदा की महान आकांक्षा से भी महत्तर है। भक्त के शांत आत्मसमर्पण से हृदय में जो शांति आती है, उसकी तुलना नहीं हो सकती। वह तो बुद्धि के अगोचर है। इस अप्रातिकूल्य अवस्था की प्राप्ति होने पर उसका किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं रह जाता और जब स्वार्थ ही नहीं, तब फिर स्वार्थ में बाधा देने वाली भला कौन सी वस्तु संसार में रह जाती है?

इस परम शरणागति की अवस्था में सब प्रकार की आसक्ति समूल नष्ट हो जाती है। यदि कुछ रह जाता है तो वह है सर्व भूतों की अंतरात्मा और आधार स्वरूप उन भगवान के प्रति सर्वावगाहिनी प्रेमात्मिका आसक्ति। भगवान के प्रति प्रेम का यह वंदन ही सचमुच ऐसा है, जो जीवात्मा को नहीं बांधता, प्रत्युत उसके समस्त बंधन छिन्न-भिन्न कर देता है।

जीवन प्रबंधन

आचार्य नारायण दास
महंत, श्रीभरत मिलाप आश्रम, मायाकुंड, ऋषिकेश

आसक्ति ही यमदंड है

श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान दत्तात्रेय ने अपने 24 प्राकृतिक गुरुओं से प्राप्त शिक्षा का राजा यदु के समक्ष वर्णन किया है, जिसमें जीवन प्रबंधन के तत्व निहित हैं। स्तंभ शृंखला की इस कड़ी में पढ़ें दत्तात्रेय द्वारा कपोत से प्राप्त शिक्षा की व्याख्या...

भगवान दत्तात्रेय ने कपोत अर्थात कबूतर को गुरु मानकर उससे यह सीखा कि आसक्ति ही यमदंड है। जीव आसक्ति और मोह के बंधन पड़कर, स्वयं ही स्वयं का सर्वनाश कर बैठता है। स्नेह और मोह के बीच की सूक्ष्म रेखा को पहचानना आवश्यक है। अत्यधिक स्नेह ही बंधन का कारण बनता है और यही जीव को जन्म-मृत्यु के चक्र में घुमाता रहता है। एक आध्यात्मिक साधक को चाहिए कि वह चित्त को केवल परमात्मा में लगाए, क्योंकि संसार की हर वस्तु और संबंध नश्वर हैं।

भगवान दत्तात्रेय महाभाग राजा यदु को उपदेशित करते हैं- हे राजन! किसी वन में एक कबूतर वृक्ष पर घोंसला बनाकर पत्नी कबूतरी के साथ वर्षों से निवास करता था :

कपोत: कश्चनारण्ये कृतनीडो वनस्पतौ।
कपोत्या भार्यया सार्धमुवास कतिचित् समा:।।

वे दोनों एक-दूसरे के प्रति अत्यधिक प्रेम से बंधे हुए थे। वे अपनी दृष्टि से दृष्टि को, अंगों से अंगों को और अपनी बुद्धि (विचारों) से एक-दूसरे की बुद्धि को बांधे रखते थे। दोनों साथ-साथ सोते, साथ बैठते, साथ घूमते, बातें करते और साथ ही भोजन करते थे। वे जोड़े के रूप में निर्भय होकर वन की लताओं और कुंजों में विहार करते थे।

यं यं वांछति सा राजंस्तर्पयंत्यनुकंपिता।
तं तं समनयत् कामं कृच्छ्रेणाप्यजितेंद्रिय:।।

हे राजन, वह कबूतर अपनी पत्नी के प्रति अत्यधिक आसक्त था। उसकी भार्या कबूतरी जिस-जिस वस्तु की इच्छा करती थी, वह इंद्रियों के वश में न होने के कारण कष्ट और कठिन परिश्रम से उसे पूरा करता था।

समय के साथ, उस युगल के घोंसले में अंडों से छोटे-छोटे बच्चे निकले। उन बच्चों की चंचलता ने उन दोनों के हृदय को बांध लिया। अब उनका सारा समय उन बच्चों के पालन-पोषण में बीतने लगा। एक दिन, जब कबूतर और कबूतरी भोजन की तलाश में बाहर गए हुए थे, तभी वहां एक बहेलिया आया। उसने पेड़ पर बने घोंसले के नीचे जाल फैला दिया और उसमें लुभावने दाने डाल दिए। कबूतर के बच्चे लोभवश उन्हें चुगने आ गए और जाल में फंस गए। उसी समय कबूतरी भोजन लेकर वापस लौटी तथा अपने बच्चों को जाल में फड़फड़ाते हुए देखा। ममता-मोह के वशीभूत होकर वह बच्चों को बचाने की व्याकुलता में जाल में कूद पड़ी और फंस गई। उसी समय कबूतर भी आ गया। यह सब देखकर वह शोक में डूब गया। उसका भी विवेक नष्ट हो गया। हे राजन! यद्यपि वह कबूतर स्वतंत्र था और उड़कर अपनी जान बचा सकता था, किंतु मोह की बेड़ियों ने उसकी बुद्धि को जड़ कर दिया था। वह विलाप करता हुआ स्वयं भी उसी जाल में जा गिरा। काल रूपी शिकारी क्रूर हंसी के साथ मोहासक्त पूरे कपोत परिवार को मृत्युजाल में समेटकर चल गया। यहां दार्शनिक तथ्य यह है कि स्नेह पोषण है, लेकिन मोह अंधा कर देता है। कबूतर दंपती का अपने परिवार से प्रेम अच्छा था, लेकिन उस प्रेम में अपना विवेक खो देना उसके लिए आत्मघाती साबित हुआ।

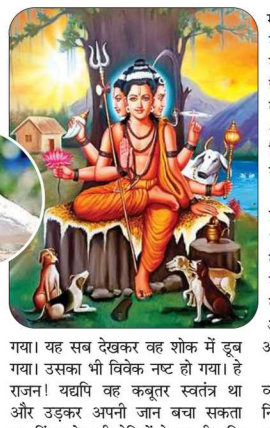

दत्तात्रेय जी कहते हैं, हे राजन! जिस प्रकार वह कबूतर अपनी स्वतंत्रता को भूलकर परिवार के मोह में स्वयं मृत्यु के मुख में चला गया, ठीक उसी प्रकार मोहासक्त प्राणी अपने मुक्ति के मार्ग को त्यागकर, सांसारिक सुखों, स्त्री, पुत्र और धनादि में आसक्त हो जाता है। अत्यधिक आसक्ति ही यमदंड है।

यहां जीवन प्रबंधन का सूत्र यह है कि व्यक्ति को अपना दायित्व पूरी निष्ठा से निभाना चाहिए, किंतु मानसिक रूप से इतना सजग होना चाहिए कि किसी भी बाहरी हानि से आंतरिक संतुलन न बिगड़ने पाए।

हे राजन! मैंने इस दृष्टांत से यह शिक्षा ग्रहण की कि परिवार का पालन-पोषण करना व्यक्ति का कर्तव्य है, किंतु उनमें इस प्रकार रच-बस जाना कि स्वयं का आत्म-कल्याण ही विस्मृत हो जाए, वह सर्वनाश का कारण बनता है।

इंद्रियों के वश में रहने वाला व्यक्ति सत्य को नहीं देख पाता। जो मनुष्य दुर्लभ मानव देह पाकर भी केवल गृहस्थी के प्रपंच और मोहमाया में ही फंसा रहता है, वह कबूतर की भांति ही है। एक आध्यात्मिक साधक की बुद्धिमानी इसी में है कि वह संसार में रहते हुए भी जल में कमल की भांति निर्लिप्त रहे।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

अगले मंगलवार को पढ़ें स्वामी मैथिलीशरण का चिंतन

अध्यात्म की अन्य सामग्री पढ़ने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें।

सप्ताह के व्रत त्योहार

18 जून, गुरुवार: वैनायकी श्रीगणेशचतुर्थी व्रत
20 जून, शनिवार: विंध्यवासिनी षष्ठी।
22 जून, सोमवार: श्री दुर्गाष्टमी व्रत।

इस पेज पर आपकी सम्मति और सुझावों का स्वागत है-feature@jagran.com

आज का भविष्यफल-16 जून, 2026 मंगलवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष द्वितीया का राशिफल।
आज का राहुकाल: अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल: उत्तर।
आज का पर्व एवं त्योहार: ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष प्रारंभ।
विशेष: प्रतिपदा तिथि की हानि।

कल 17 जून, 2026 का पंचांग

कल का दिशाशूल: उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार: रंभा व्रत
विशेष: श्री महाराणा प्रताप की जयंती।
विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष की तृतीया 21 घंटे 40 मिनट तक तत्पश्चात चतुर्थी, पुनर्वसु नक्षत्र 13 घंटे 38 मिनट तक तत्पश्चात पुष्य नक्षत्र, ध्रुव योग 20 घंटे 51 मिनट तक तत्पश्चात व्याघात योग, मिथुन में चंद्रमा 08 घंटे 14 मिनट तक तत्पश्चात कर्क में।

मेष: पारिवारिक सदस्य से कष्ट मिल सकता है। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।
वृष: यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व उत्साहवर्धक होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।
मिथुन: पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
कर्क: स्थानांतरण, विभागीय परिवर्तन या देशाटन की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
सिंह: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। उत्तेजना मे कोई कार्य न करें।
कन्या: रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
तुला: रिश्तों में निकटता आएगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।
वृश्चिक: संबंधित अधिकारी या पिता से मतभेद हो सकते हैं। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें।
धनु: संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी।
मकर: सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक या जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
कुंभ: अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। शासनसत्ता से सहयोग मिलेगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।
मीन: आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की संभावना है।

वर्ग पहेली-3367

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं:
1. सोना, धतूरा (3)।
3. समाचार लिखने वाला कर्मचारी (6)।
5. घटना, हाल (3)।
6. कोमल पत्ता, नव-पल्लव (4)।
8. छोटे कद का (2)।
10. घनिष्ठता, प्रीति या प्रेम संबंध (4)।
12. रिश्तेदारी, संबंध (4)।
14. शंकु की तरह का अग्रभाग (2)।
17. आग बुझाने वाला यंत्र (4)।
18. तलाश के लिए किया जाने वाला प्रयत्न (3)।
19. कमी रखना (3,3)।
20. रिपोर्ट, फिसलने की जगह (3)।

ऊपर से नीचे:
1. अनुमान लगाना, अटकल लगाना (3,3)।
2. कार्य में लगाना (4)।
3. खातों में लिखना (4)।
4. काल, वक्त (3)।
7. प्रश्न, पूछने का भाव (3)।
9. दोस्ती (2)।
10. बुद्धि, धारण शक्ति (2)।
11. डगमगाहट (6)।
13. देने वाला (3)।
15. काट-छांट करना (4)।
16. वश में करने वाला (4)।
17. घमंड में रहने वाला, दर्प करने वाला (3)।

कल का हल

			उ (1)			स (2)			
	स (3)	र	प	ट		रा (4)	क्ष	स (5)	
	जी		व		गो (6)	ह		ह	
अ (7)	व	मा (8)	न	ना (9)		नी (10)	ल	च	क्र
		त		सि (11)	वा (12)	य		री	
	त (13)		स (14)	का	म		पा (15)		
तं (16)	ह	री	र		न (17)	वी (18)	नी	कृ (19)	त
	री		स (20)	म		र		पा	
	क (21)	म	रा		अ (22)	का	र	ण	
			ना			व्य			

सुडोकू-3367

		9				5		
1	8			3		7		2
		5	6		2		1	
9			8			2		5
		8			7		6	
	5						7	
8			9			6		
		2		1				3
5			2					

कल का हल

6	7	2	9	1	5	3	8	4
3	8	1	2	4	7	6	9	5
5	4	9	3	8	6	7	2	1
7	6	3	5	9	8	1	4	2
1	9	4	7	3	2	5	6	8
8	2	5	1	6	4	9	7	3
4	3	6	8	7	1	2	5	9
9	5	7	4	2	3	8	1	6
2	1	8	6	5	9	4	3	7

राष्ट्रीय फलक

बेहतर व्यवस्थाओं से दिव्य एवं भव्य हुई केदारनाथ यात्रा

केदारनाथ आपदा के 13 वर्ष

बृजेश भट्ट • जागरण

- पुनर्निर्माण कार्यों ने बदली केदारपुरी की तस्वीर, चारों धाम में सबसे ज्यादा श्रद्धालु पहुंच रहे हैं केदारनाथ धाम
- आपदा से पूर्व पहुंचते थे प्रतिवर्ष चार से पांच लाख श्रद्धालु, अब 20 लाख के आसपास पहुंच रही यह संख्या

रुद्रप्रयाग : 16-17 जून 2013 की विनाशकारी केदारनाथ आपदा आज भी लोगों के जेहन में ताजा है। तब चौराबाड़ी ताल के टूटने से आए सैलाब ने केदारपुरी को तबाह कर दिया था और कल्पना करना भी मुश्किल था कि केदारनाथ यात्रा फिर से पुराने स्वरूप में लौट पाएगी। हालांकि, आपदा के 13 वर्ष बाद केदारनाथ ने न सिर्फ स्वयं को संभाला, बल्कि आस्था, पुनर्निर्माण और बेहतर प्रबंधन की बदौलत यात्रा ने नई ऊंचाइयों को छू लिया है। आपदा से पहले जहां प्रतिवर्ष चार से पांच लाख श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन को पहुंचते थे, वहीं अब यह संख्या 20 लाख के आसपास पहुंच जा रही है। इस वर्ष यात्रा शुरू होने के महज डेढ़ महीने में 12 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके हैं, जो यात्रा के प्रति बढ़ते विश्वास एवं बेहतर व्यवस्थाओं का प्रमाण है।

केदारनाथ आपदा के बाद धाम में इस तरह उमड़ रहा भक्तों का सैलाब। फाइल फोटो

आपदा के बाद 2014 और 2015 में यात्रा प्रभावित रही। सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच सरकार और स्थानीय लोगों ने यात्रा को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार प्रयास किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत केदारपुरी में पुनर्निर्माण कार्यों को गति मिली। केदारपुरी में तीर्थपुरोहितों के लिए 400 से अधिक भवनों का निर्माण कराया गया, जबकि श्रद्धालुओं के लिए आधुनिक काटेज और आवासीय सुविधाएं विकसित की गईं। आपदा के दौरान रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे कई स्थानों पर बह गया था। अब इसे आलवेदर रोड परियोजना के तहत पुनर्निर्मित किया गया है। आपदा के बाद भीमबली से केदारनाथ तक करीब 10 किमी लंबा नया पैदल मार्ग तैयार कर उस पर छोटी लिनचोली, लिनचोली और रुद्रा प्वाइंट जैसे नए पड़ाव विकसित किए गए। पूरे पैदल मार्ग को तीन से चार मीटर तक चौड़ा कर सुरक्षा के लिए रेलिंग लगाई गई। विभिन्न पड़ावों पर भोजन, स्वास्थ्य और ठहरने की बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं।

तीन चरणों में हो रहा पुनर्निर्माण

केदारपुरी में लगभग 700 करोड़ की लागत से पुनर्निर्माण कार्य किए जा रहे हैं।

प्रथम चरण : लगभग 125 करोड़ की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

द्वितीय चरण : करीब 200 करोड़ के कार्यों में 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

तृतीय चरण : लगभग 225 करोड़ की परियोजनाओं पर कार्य जारी है।

इसके अलावा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर भी करीब 200 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

लाइव स्ट्रीमिंग में ठाकुरजी की निजता के हनन का आरोप

जासं, वृंदावन : ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में लाइव स्ट्रीमिंग में पर्दा डाले जाने के बाद भी ठाकुरजी के दर्शन को सेवायतों ने ठाकुरजी की निजता में हनन बताया है। उनका कहना है कि मंदिर के जगमोहन में एक कैमरा ऐसा लगा है, जिसकी वजह से पर्दा डाले जाने के बाद भी आराध्य के दर्शन हो रहे हैं। इसे रोका जाना चाहिए।

मंदिर उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने दर्शन की लाइव स्ट्रीमिंग शुरू कराई है, ताकि लोग घर बैठे आराध्य के दर्शन सुगमता के साथ कर सकें। इसके लिए मंदिर में कई कैमरे लगाए गए हैं। समिति के नए सदस्य रजत गोस्वामी ने सोमवार को लाइव स्ट्रीमिंग पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि स्वामी हरिदास के समय से ही परंपरा रही है कि पर्दा डालकर कई बार पोशाक बदली जाती है और कई बार श्रृंगार को सही करते हैं। ठाकुरजी को भोग भी पर्दा डालकर ही अर्पित किया जाता है।

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने किए बदरी-केदार के दर्शन, दान की 10 करोड़ रुपये की राशि

चमोली स्थित बदरीनाथ धाम में सोमवार को उद्योगपति मुकेश अंबानी को दर्शन के बाद प्रसाद देते मंदिर समिति के पदाधिकारी। फोटो- साभार-बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति।

संवाद सहयोगी, जागरण • गोपेश्वर (चमोली)

उद्योगपति मुकेश अंबानी ने सोमवार को भगवान बदरी विशाल व बाबा केदार के दर्शन कर देश में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर उन्होंने श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को दोनों धाम में पूजा व्यवस्थाओं के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि भी दान की। इसके लिए समिति ने उनका आभार जताया।

सोमवार सुबह बदरीनाथ धाम पहुंचने पर मंदिर समिति की ओर से उनका स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए और बदरीनाथ व केदारनाथ धाम में पूजा व्यवस्थाओं के लिए पांच-पांच करोड़ की धनराशि के चेक मंदिर समिति को प्रदान किए। बदरीनाथ से अंबानी बाबा केदार के दर्शन को पहुंचे। इससे पहले भी वह यहां आ चुके हैं और पूर्व में भी उन्होंने धनराशि दान की है।

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

आजकल

14

मंगलवार, 16 जून, 2026

www.jagran.com

अंतरिक्ष में जाने वाली दुनिया की पहली महिला बनीं वेलेंटीना

1963 में आज ही 26 वर्षीय वेलेंटीना टेरेशकोवा ने 'वोस्तोक 6' अंतरिक्ष यान से उड़ान भरकर इतिहास रचा और अंतरिक्ष में जाने वाली दुनिया की पहली महिला बनीं। वेलेंटीना ने पृथ्वी के 48 चक्कर लगाए व 71 घंटे अंतरिक्ष में बिताए। उन्हें 'चाइका' (समुद्री बगुला) कोड नाम दिया गया था।

अमेरिका का पहला रोलर कोस्टर जनता के लिए खोला गया

1884 में आज ही न्यूयार्क के कोनी आइलैंड पर अमेरिका का पहला रोलर कोस्टर 'स्विचबैक रेलवे' जनता के लिए खोला गया। इसके आविष्कारक लामार्कुस एडना थांपसन थे। लकड़ी से बने कोस्टर की रफ्तार 6 मील प्रति घंटा व ऊंचाई 50 फीट थी।

पारंपरिक राजस्थानी लघु चित्रकला में माहिर गोपाल प्रसाद शर्मा

राजस्थानी लघु चित्रकला में माहिर गोपाल प्रसाद शर्मा का जन्म 1964 में आज ही राजस्थान के भीलवाड़ा में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में कला के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक व अभूतपूर्व मील के पत्थर स्थापित किए हैं। उनकी सबसे विस्मयकारी उपलब्धि महज एक मिलीमीटर के राई के दाने पर महात्मा गांधी और मदर टेरेसा के बारीक और स्पष्ट चित्र बनाना है, जिसने उन्हें गिनीज और लिम्का बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में जगह दिलाई। उन्होंने 'राम दरबार' विषय पर दुनिया की सबसे बड़ी मिनिएचर पेंटिंग का निर्माण किया। कला जगत में उनके योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 'शिल्प गुरु पुरस्कार' से नवाजा है।

अब लार से भी हो सकेगी हेपेटाइटिस सी की जांच

बड़ी कामयाबी ▶ डाक्टरों की टीम ने विकसित की विशिष्ट किट, लार में मौजूद एंटीबाडीज संक्रमण से पता चल जाएगी बीमारी

550 हाई रिस्क मरीजों पर हुए शोध में सामने आए 98 प्रतिशत तक सटीक परिणाम

अंकुश शुक्ल • जागरण

कानपुर : हेपेटाइटिस सी की जांच खून के साथ ही अब लार से भी हो सकेगी। घर में ही खुद जांच करके पांच मिनट से भी कम समय में रिपोर्ट देखी जा सकेगी। कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर व मिजोरम के राजकीय मेडिकल कालेजों के गैस्ट्रोइंटरोलाजी के डाक्टरों की ओर से तैयार की गई एक जांच किट से यह संभव होगा। किट की बनावट शुगर मापने वाली इलेक्ट्रानिक मशीन की तरह होगी। इसमें स्ट्रिप लगाकर जांच की जा सकेगी। हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम में नोडल

डा. विनय कुमार। स्वयं

सेंटर गणेश शंकर विद्यार्थी सुपर स्पेशियलिटी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट (जीएसवीएसएस पीजीआइ) के 550 हाई रिस्क मरीजों में इस मशीन के तीन ट्रायल पूरे हो चुके हैं। इसके 98 प्रतिशत तक सटीक परिणाम मिले हैं।

हेपटाइटिस सी की समय से पहचान व इलाज हो जाने से इसकी गंभीरता को रोका जा सकता है। जो लोग खून का सैंपल देने में हिचकिचाते हैं, वह डाक्टरों के सुझाव पर इस किट से घर में ही जांच कर सकेंगे। रिपोर्ट के आधार पर इलाज शुरू हो सकेगा। शोध के दौरान किट का प्रयोग डायसिलिसिस, हीमोफिलिया, एचआइवी व नशे का इंजेक्शन लेने वाले मरीज और उनके स्वजन पर किया गया। इसमें कई ऐसे मरीज मिले, जिन्हें पता ही नहीं था कि वे हेपेटाइटिस से संक्रमित हैं। इसकी मदद से जल्द हेपेटाइटिस मरीजों की स्क्रीनिंग शुरू की जा सकेगी।

जीएसवीएसएस पीजीआइ के गैस्ट्रोइंटरोलाजी विभागाध्यक्ष डा. विनय कुमार ने बताया कि हेपटाइटिस सी एक वायरस जनित बीमारी है। समय से पहचान व इलाज हो जाने से इसकी गंभीरता को रोका जा सकता है। पहचान में देरी से लिवर सिरोसिस, लिवर कैंसर होने की आशंका बढ़ जाती है।

उन्होंने बताया कि किट तैयार करने का उद्देश्य कम समय में गोपनीय रूप से बीमारी का पता लगाना है। इसमें खून की जांच के बराबर ही परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। इस किट को बनाने में जीएसवीएम मेडिकल कालेज से संबद्ध जीएसवीएसएस पीजीआइ, लखनऊ का किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, प्रयागराज का मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज, गोरखपुर का बाबा राघवदास मेडिकल कालेज, मिजोरम के जोरम मेडिकल कालेज के गैस्ट्रो विभाग के डाक्टर शामिल हैं। इन क्षेत्रों में हेपेटाइटिस के मामले सबसे अधिक आते हैं। यह बाजार में कब तक आएगी और कीमत क्या होगी, इस पर अभी निर्णय होना बाकी है। सफल ट्रायल के बाद अब इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च से अनुमति मिलने के बाद इसे बाजार में लाया जाएगा।

गणेश शंकर विद्यार्थी सुपर स्पेशियलिटी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट (जीएसवीएसएस पीजीआइ) का भवन। फाइल

श्रद्धा का स्नान

जयपुर में सोमवार को सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर गलता माता मंदिर में बने पवित्र कुंड में स्नान करने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। एएनआइ

इधर-उधर

हैकर्स से लड़ने के लिए बसाया गया नकली शहर

कोई नहीं रहता फिर भी 24 घंटे सक्रिय है ये शहर • इंटरनेट जीडिया

वाशिंगटन, एजेंसी : अलाबामा के हंट्सविल में अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआइ ने 'काइनेटिक साइबर रेंज' नाम का एक नकली शहर तैयार किया है, जहां एजेंटों को साइबर हमलों से निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है। करीब 22,000 वर्ग फीट में फैले इस शहर में कोई इंसान नहीं रहता, लेकिन इमारतों के भीतर 200 से अधिक सक्रिय सर्वर और नेटवर्किंग सिस्टम लगाए गए हैं। इस ट्रेनिंग सेंटर में एफबीआइ एजेंट और एथिकल हैकर्स डिजिटल खतरों से निपटने का अभ्यास करते हैं।

मलेरिया के खिलाफ सुरक्षा कवच पर मंडराया संकट

नई दिल्ली, प्रेट्र : मलेरिया - एक ऐसी बीमारी जो वर्षों से न जाने कितने मासूमों की जिंदगी और परिवारों की खुशियां छीनती आई है। इस जानलेवा बीमारी के खिलाफ जंग में 'कीटनाशक युक्त मच्छरदानियां' (इंसेक्टिसाइड-ट्रीटेड नेट्स - आइटीएन) हमेशा से एक बेहद साधारण, सस्ता और सबसे मजबूत सुरक्षा कवच रही हैं। लेकिन हाल ही में हुआ एक वैश्विक विश्लेषण हमें खुश होने के साथ-साथ गंभीर रूप से सचेत रहने की चेतावनी दे रहा है। 12 देशों (भारत और चीन सहित एशिया व अफ्रीका के देश) में हुए अध्ययनों का विश्लेषण बताता है कि यह सुरक्षा कवच अब खतरे में है। मच्छरों में कीटनाशकों के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता (रेसिस्टेंस) इस जीवन रक्षक साधन के प्रभाव को कम कर रही है।

उम्मीद की किरण : लाखों जिंदगियों का सहारा : आस्ट्रेलिया की जेम्स कुक यूनिवर्सिटी और नाइजीरिया की यूनिवर्सिटी आफ जोस के शोधकर्ता डा. गबेमिनियाई ओटोलोरिन के नेतृत्व में कुल 25 अध्ययनों की बारीकी से जांच की गई। इसमें 19 अध्ययन मलेरिया के मामलों पर और छह अध्ययन इसके कारण होने वाली मौतों पर आधारित थे। इस विश्लेषण से यह सुखद सच सामने आया कि इन मच्छरदानियों ने मलेरिया को रोकने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। आंकड़ों की बात करें तो (एशिया में) इन मच्छरदानियों के इस्तेमाल से मलेरिया के मामलों में 68 प्रतिशत की भारी गिरावट आई और मौतों में 18 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अफ्रीका में इसने मलेरिया के मामलों को 29 से 40 प्रतिशत तक कम करने में सफलता पाई। ये आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं हैं, बल्कि उन लाखों चेहरों की मुस्कान हैं जिन्हें इस साधारण से साधन ने जीवनदान दिया है।

चिंता की बात

- मच्छरों में कीटनाशकों के प्रति बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता से बेअसर हो रहीं कीटनाशक युक्त मच्छरदानियां
- भारत और चीन सहित एशिया और अफ्रीका के 12 देशों में हुए अध्ययनों के विश्लेषण में जताई गई चिंता

प्रतीकात्मक

खतरे की घंटी : बदल रहा है मच्छरों का व्यवहार : डा. ओटोलोरिन ने कहा, 'यह अध्ययन जहां यह साबित करता है कि मच्छरदानियां मलेरिया के खिलाफ हमारा सबसे अचूक हथियार हैं, वहीं यह एक चेतावनी भी है कि हम हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते।' चिंता की बात यह है कि मच्छर अब इस कीटनाशक के आदी हो चुके हैं और उन्होंने अपना व्यवहार बदल लिया है। जो हथियार एक जगह इंसानों को बचा रहा है, हो सकता है वह दूसरी जगह पूरी तरह नाकाम साबित हो रहा हो। स्थानीय कारक जैसे मच्छरों की विभिन्न प्रजातियां, कीटनाशक झेलने की उनकी ताकत और लोगों द्वारा मच्छरदानी का सही ढंग से उपयोग न करना - इसके असर को प्रभावित कर रहा है।

वक्त की मांग है कि हम मलेरिया उन्मूलन के इस सफर में नए रास्ते खोजें। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि अब हमें 'अगली पीढ़ी की मच्छरदानियों' (जैसे पाइरेथ्राइड-पाइपेरोनिल ब्यूटोक्साइड नेट (पीबीओ) और डुअल-एक्टिव-इंग्रीडिएंट इंसेक्टिसाइड-ट्रीटेड नेट (आइटीएन) को अपनाना होगा। साथ ही, घरों के भीतर कीटनाशक का छिड़काव और दीवारों पर कीटनाशक की परत चढ़ाने जैसी तकनीकों को भी इसका हिस्सा बनाना होगा, ताकि इस जानलेवा बीमारी को हमेशा के लिए शिकस्त दी जा सके।

दिमाग तक कापर पहुंचाने वाली दवा अल्जाइमर पीड़ितों के फायदेमंद

अनुसंधान

एक शोध में पता चला है कि दिमाग तक कापर (तांबा) पहुंचाने वाली दवा अल्जाइमर बीमारी से जुड़े जहरीले प्रोटीन के जमाव को काफी कम कर सकती है और लंबे समय की स्पेशियल मेमोरी को बेहतर बना सकती है। स्पेशियल मेमोरी वह काग्निटिव सिस्टम है, जो फिजिकल एनवायरनमेंट और जगहों के बारे में जानकारी को रिकार्ड करने, स्टोर करने व रिकवरी का काम करता है।

अल्जाइमर एक न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारी है जिसमें धीरे-धीरे बोलने, याद रखने और सोचने की क्षमता खत्म हो जाती है। यह एमाइलाइड-बीटा नाम के जहरीले प्रोटीन के जमा होने से होती है। आस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता ने बताया कि आम तौर पर दिमाग ब्लड-ब्रेन बैरियर में मौजूद पंपों के जरिये जहरीले प्रोटीन को खून के बहाव में बाहर निकाल देता है। हालांकि, अल्जाइमर में कचरा हटाने का मुख्य काम करने वाले पंप जिन्हें पी-ग्लाइकोप्रोटीन कहा जाता है, बेहद कमजोर हो जाते हैं। इससे कचरा बाहर निकलने का रास्ता बंद हो जाता है और जहरीले प्रोटीन दिमाग में जमा रह जाते हैं। यह शोध केमिकल न्यूरोसाइंस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। चूहों पर शोध में पाया गया कि कापर वाला एक कंपाउंड 'सीयू (एटीएसएम)' अल्जाइमर से पीड़ित चूहों में कचरा हटाने वाले जरूरी पंप को ठीक करने में सहायक है। इससे न्यूरोवैस्कुलर डिसफंक्शन के इलाज का नया रास्ता खुल सकता है। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

फिल्म बंटी और बबली 2 से शरवरी ने रखा था फिल्मों में कदम। @sharvari (इंस्टाग्राम)

कार्तिक संग बनेगी शरवरी की जोड़ी

इन दिनों अभिनेत्री शरवरी वाघ के सितारे बुलंदी पर चल रहे हैं। एक तरफ वह अपनी हालिया प्रदर्शित फिल्म मैं वापस आऊंगा के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं तो दूसरी तरफ अगले महीने उनकी फिल्म अल्फा भी प्रदर्शन की कतार में है। सूरज बड़जात्या निर्देशित और आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म ये प्रेम मोल लिया भी इसी साल प्रदर्शित होगी। इस बीच खबरें हैं कि अब वह कार्तिक आर्यन के साथ भी फिल्म करने जा रही हैं। दरअसल, कार्तिक जल्द ही लव रंजन के निर्देशन में बन रही रोमांटिक कामेडी फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। इस फिल्म की नायिका की भूमिका के लिए लव ने शरवरी से संपर्क किया है। शरवरी ने भी इस फिल्म में दिलचस्पी दिखाई है। फिलहाल लव इस फिल्म की पटकथा पर काम कर रहे हैं। उनकी योजना दिसंबर से फिल्म की शूटिंग शुरू करने की है। पटकथा पूरी होने के बाद वह कार्तिक और शरवरी को पूरी पटकथा सुनाएंगे। उसके बाद शरवरी फिल्म पर अपना अंतिम निर्णय लेंगी। वहीं कार्तिक आगामी दिनों में नागजिला और अनुराग बासु निर्देशित अनाम फिल्म में नजर आएंगे। अगर सब कुछ सही रहा तो कार्तिक और शरवरी की जोड़ी पहली बार हिंदी सिनेमा में दिखेगी।

सिर्फ 11 घंटे में तमन्ना ने शूट किया था गफूर गाना

फिल्म स्त्री 2 में आज की रात व वेब सीरीज बैड्स आफ बालीवुड के गाने गफूर में तमन्ना भाटिया की परफार्मेंस को खूब सराहा गया। इसके बारे में तमन्ना ने हाल ही में कोरियोग्राफर व डायरेक्टर फराह खान के शो पर चर्चा की। तमन्ना बताती हैं कि इससे पहले शाह रुख के साथ मेरी एक छोटी मीटिंग हुई थी, जब मैंने उनके साथ एक विज्ञापन किया था। उसके बाद उन्होंने मुझे गफूर गाने के लिए फोन किया। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आप इस गाने को करोगी? उनकी बात सुनकर मैंने सोचा कि उन्होंने भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए जो चीजें की हैं, वैसा शायद किसी दूसरे ने नहीं किया होगा। उनके कहने पर मैं गाना तो क्या बैकफ्लिप भी कर सकती थी। आगे फराह खान ने बताया कि वो पूरा गाना महज 11 घंटे में शूट हुआ था। हमने सुबह नौ बजे गाने की शूटिंग शुरू की थी और रात के आठ बजे पैकअप कर लिया था। इस गाने में तीन अलग-अलग सेट्स पर तमन्ना ने चार कास्ट्यूम चेंज किए थे जो काबिल ए तारीफ है।

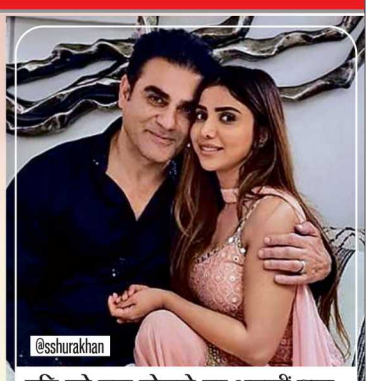

पति को बूढ़ा बोलने पर भड़कीं शूरा

जब जवाब देना जरूरी हो जाए, तो फिर सोचना नहीं चाहिए। तभी तो अरबाज खान की पत्नी शूरा खान ने उन ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है, जिन्होंने अरबाज को बूढ़ा कहा। अरबाज ने शूरा से साल 2023 में दूसरी शादी की। दोनों की उम्र में लगभग 23 साल का अंतर है। रविवार को जब शूरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आस्क मी एनिथिंग का सत्र रखा तो एक यूजर ने उनसे पूछा कि क्या आप बूढ़े आदमी के साथ खुश हैं? इस पर शूरा ने लिखा कि तुम क्या अपने होश में हो? वह बूढ़े आदमी नहीं हैं। वह लिमिटेड एडिशन और विंटेज माडल हैं। अरबाज और अपनी पहली डेट के बारे में सवाल पर शूरा ने कहा कि मैं उनसे एक शर्त हार गई थी, तो मुझे उन्हें डिनर पर अपने साथ ले जाना पड़ा था।

शशि कपूर का वह फोन सुनकर नंगे पैर भागे थे शेखर सुमन

आमतौर पर बिना किसी जान पहचान के किसी दूसरे शहर से आकर फिल्म इंडस्ट्री में आने और केंद्रीय भूमिकाएं पाने के लिए कलाकारों को काफी संघर्ष करना पड़ता है। हालांकि, अभिनेता शेखर सुमन की कहानी इससे बिल्कुल अलग है। शेखर इस बारे में बताते हैं, 'पटना से आने के 15 दिनों बाद ही मुझे फिल्म उत्सव में रेखा के साथ लीड रोल मिल गया था। शशि जी (फिल्म के निर्माता शशि कपूर) ने तो मुझे देखते ही कह दिया था कि अब आप मेरी फिल्म के हीरो हैं। फिर मैंने कहा कि देखिए, ऐसा मजाक मत कीजिए। मैं अभी मुंबई आया हूं, खुशी से इंतकाल हो जाएगा।' शेखर बताते हैं कि आगे हीरो के तौर पर रेखा की स्वीकृति मिलनी आखिरी समस्या थी। फिल्म में कुछ अंतरंग सीन थे तो हीरो के लिए उनकी अंतिम मुहर जरूरी थी। कुछ दिन मैं पृथ्वी थिएटर के बाहर बैठा रहता था कि रेखा आएंगी और मुझे देखेंगी। एक दिन वह आईं, मुझे बड़े ध्यान से देखा और चली गईं। अगले दिन मुझे शशि जी का फोन आया, उन्होंने कहा, आप फिल्म के लिए चुन लिए गए हैं। मेरी बहन का घर वहां से करीब चार किमी था। शशि जी की बात सुनकर मैं खुशी में नंगे पांव बहन के घर भागा था।

इन दिनों अपने शो शेखर टुनाइट की मेजबानी कर रहे हैं शेखर। फाइल

मैं लोगों को मिलने के लिए जिम में ही बुला लेता हूं : गौतम रोडे

फिल्म इंडस्ट्री में फिटनेस मायने रखती है, लेकिन कुछ कलाकारों के लिए फिटनेस जीवन जीने का तरीका है। अभिनेता गौतम रोडे भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं। आगामी दिनों में रितिक रोशन की वेब सीरीज स्टार्म में नजर आने वाले गौतम ने फिटनेस पर तब काम करना शुरू किया था, जब वह स्कूल में पढ़ते थे। वह बताते हैं कि स्कूल के दिनों में मेरे एक सीनियर मुझे जिम लेकर गए थे। वेस्ट दिल्ली में एक नया जिम खुला था। एयरकंडिशनर लगा था, सारे लड़के वहां राक म्यूजिक पर वर्कआउट कर रहे थे। दसवीं क्लास में था, ढाई बजे घर आता था। साढ़े तीन बजे दोस्त के साथ निकलता था, आधे घंटे पैदल चलकर जिम पहुंचते थे। चार बजे से सात वर्कआउट करता था। फिर अनार का जूस पीकर फिर पैदल घर आ जाता था। डेढ़-दो साल यही रुटीन था। अच्छा खाना खाने और अनुशासन में रहने की आदत बचपन से पड़ गई थी। इसलिए आज भी मैं पार्टियों में नहीं दिखता हूं। मेरी पंसदीदा जगह जिम है। घर के अलावा मैं कहीं मिलूंगा, तो जिम में मिलूंगा। अगर कोई कहता है कि मिलना है तो मैं उसे जिम बुला लेता हूं।

स्टार्म वेब सीरीज में दिखेंगे गौतम। @rodegautam (इंस्टाग्राम)

कभी अरशद की गोद में थे वीर, अब बने हीरो

हिंदी सिनेमा को मुन्नाभाई एमबीबीएस, थ्री इडियट्स, पीके, संजू जैसी हिट फिल्में देने वाले फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी ने अब ओटीटी पर कदम रख दिया है। वेब शो प्रीतम एंड पेड़ो से वह अपने बेटे वीर हिरानी को लांच कर रहे हैं। इस शो से वह बतौर निर्माता जुड़े हैं। शो के निर्देशन की कमान अविनाश अरुण ने संभाली है। शो में वीर के साथ अरशद वारसी, मोना सिंह, विक्रांत मेस्सी भी प्रमुख भूमिका में हैं। कहानी साइबर क्राइम की पृष्ठभूमि में है।

राजकुमार हिरानी के साथ उनके बेटे वीर • टीम राजकुमार

शो को बनाने में लगा वक्त

सोमवार को मुंबई में प्रीतम एंड पेड़ो के ट्रेलर लांच के मौके पर शो बनाने की कहानी बताते हुए हिरानी ने कहा कि इस शो को बनाने में मैंने बहुत वक्त लिया है। मैं जब भी जियो हाटस्टार के वाइस चेयरमैन उदय शंकर से मिलता तो वो कहते कि तुम ओटीटी के लिए कुछ क्यों नहीं बनाते हो। उस समय एक फिल्म की कहानी लिख रहा था। बाद में मुझे समझ आया कि यह कहानी ओटीटी के लिए सही है। फिर कोविड आ गया। मुंबई में साइबर सेल प्रमुख हरीश का फोन आया कि काफी साइबर क्राइम हो रहा है। हमें फिल्म के माध्यम से लोगों को बताना है कि आनलाइन पेमेंट संभलकर करें। मैंने कहा कि आप आइडिया बता दीजिए हम घर बैठकर कुछ एनिमेशन में बनाएंगे।

सोचा नहीं था साथ में एक्टिंग करेंगे : अरशद

ट्रेलर लांच के दौरान एक फोटो दिखाई गई, जिसमें अरशद की गोद में वीर नजर आ रहे हैं। अरशद ने कहा कि उस समय सोचा नहीं था कि हम साथ में एक्टिंग करेंगे। हालांकि राजू और हमने उस वक्त एक बात नोटिस की थी कि वीर आगे जाकर एक्टर बनेंगे, क्योंकि जब तक उन्हें पैसे या आइसक्रीम नहीं मिली, उन्होंने शाट नहीं दिया।

बतौर फिल्ममेकर काम करना कठिन : वीर

वीर से जब पूछा गया कि बतौर फिल्ममेकर राजू के साथ काम करना कठिन है या बतौर पिता? इस पर वीर ने कहा बतौर पिता वह मुझे प्यार करते हैं। बतौर फिल्ममेकर कोई बाध्यता नहीं होती। वहीं अरशद ने कहा कि हर पिता और बेटे के बीच खूबसूरत रिश्ता होता है। एक बार राजू ने कहा कि बेटा थोड़ा सीधे खड़े हो, इस पर वीर ने कहा डैड मैं इसी तरह खड़े होता हूं।

मनोरंजन से जुड़ी अन्य खबरों के लिए स्क्रीन करें या विजिट करें jagran.com

मां है ना शो में अपनी बेटी टीना आहूजा के साथ सुनीता कर रही हैं काम। @officialsunitaahuja (इंस्टाग्राम)

सुनीता आहूजा ने कहा, ट्रोलिंग बंद करो

पिछले दिनों गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा इसलिए ट्रोल हो गई थीं, क्योंकि मां है ना रियलिटी शो के ट्रेलर लांच पर उन्होंने गोविंदा को बकरा कह दिया था। अब इस पर सुनीता ने एक इंटरव्यू के दौरान सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मुझे लोग कहते हैं कि आज जो मैं हूं, वो गोविंदा की वजह से हूं और गोविंदा को ही भला-बुरा बोलती हूं। मैं बुरा नहीं बोलती हूं। मैं गोविंदा की पत्नी हूं और जीवन के अंत तक रहूंगी। जो ट्रोल कर रहे हैं, वो ट्रोलिंग बंद करें। अंदर की बात पता नहीं तो ट्रोल मत करो। उस शो में जेन जी शब्द पूछा गया कि गोट (जी. ओ. ए. टी) क्या होता है? मुझे लगा अंग्रेजी शब्द है, जिसका मतलब बकरी होता है। सामने शिल्पा शेट्टी बैठी थी, उन्होंने कहा कि इसका मतलब तेरा पति (गोविंदा), मैंने कहा भी की वो गोट नहीं हैं। मैं कहने वाली थी, मेरा पति शेर है। गोविंदा जैसा एक्टर पूरी इंडस्ट्री में नहीं है। मुझे नहीं पता था कि जेन जी शब्द गोट का पूरा मतलब ग्रेटेस्ट आफ आल टाइम (अब तक सबसे महान) होता है। मुझे लोगों ने ट्रोल कर दिया। मैंने अपने पति के लिए कोई बदतमीजी नहीं की है। हम पुराने जमाने के लोग हैं। इन शब्दों को मतलब नहीं पता। मैंने अपने पति को कुछ नहीं कहा है तो ट्रोल करना बंद करो।

JOIN OUR PAID SERVICE – 2026

Daily PDF Access | Editorial Bonus | Almost All Editions

ENGLISH NEWSPAPERS

The Hindu, Indian Express, Hindustan Times, Business Line, Business standard, The Live Mint, Times of India, Telegraph, New Indian Express, Asian Age, Statesman, Tribune, Pioneer, Financial Express, The Economic Times, Mid-Day, Deccan Chronicle, Employment News, Free Press Journal, Hans India, Deccan Herald, Lokmat Times, Mirror, Telangana Today

HINDI NEWSPAPERS

दैनिक जागरण, अमर उजाला, दैनिक भास्कर, हिंदुस्तान, बिज़नेस स्टैण्डर्ड, राजस्थान पत्रिका, हरी भूमि, लोकसत्ता , पायनियर , दैनिक ट्रिब्यून , द हिन्दू, राष्ट्रीय सहारा , नवभारत टाइम्स, पंजाब केसरी, जनसत्ता, देशबंधू, प्रभात खबर, दैनिक नवज्योति, आईनेक्स्ट लाइव, लोकमत, नव भारत, नई दुनिया

Bonus Included :

- The Hindu Analysis
- Editorial Complation
- The Hundu in Hindi

Bonus Included :

- The Hindu Analysis
- Editorial Complation
- The Hundu in Hindi

Full Package : All in One Plan

The Hindu Plan

(Starter) 1 Month = ~~199~~ ₹99

(★ Popular) 6 Month = ~~599~~ ₹349

(👑 Best Value) 1 Year = ~~999~~ ₹549

Special Offer

You will Get

- 20+ Hindi Newspapers
- 22+ English Newspapers
- THE Hindu, BL,IE,TOI,ET, etc..
- Dainik Jagran, NBT, DB, Etc..
- Editorial Complation (En & Hi)
- The Hindu Analysis

You Get All Editions of These Premium Newspapers

The Hindu, BL, IE, NIE Plan

The Hindu Plan

(Starter) 1 Month = ~~149~~ ₹69

(★ Popular) 6 Month = ~~499~~ ₹269

(👑 Best Value) 1 Year = ~~799~~ ₹399

Special Offer

You will Get

- The Hindu (TH)
- Business Line (BL)
- Indian Express (IE)
- New Indian Express (NIE)
- Editorial Complation
- The Hindu Analysis

You Get All Editions of These Premium Newspapers

LIMITED TIME OFFER

Telegram Access Available

→ CLICK HERE & JOIN NOW